किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक राष्ट्रीय संस्करण RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

दैनिक हिन्दी समाचार समाज जागरण RNI NO. UPHIN/2021/84200

वर्ष: 4 अंक: 294 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) रविवार 02 अगस्त 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड, अमित शाह ने किया सम्मानित

राष्ट्रीय सुरक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला प्रतिष्ठित सम्मान, पुणे में आयोजित समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्रियों समेत कई गणमान्य लोग रहे मौजूद

समाज जागरण

पुणे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। शनिवार को महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डोभाल को यह सम्मान प्रदान किया। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद समारोह में मौजूद अतिथियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में डोभाल की भूमिका की सराहना की।

समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, लोकमान्य तिलक ट्रस्ट के ट्रस्टी रोहित तिलक समेत विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। समारोह का वातावरण राष्ट्रसेवा और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से ओतप्रोत रहा।

सुरक्षा और रणनीति में लंबा अनुभव

अजीत डोभाल ने अपने लंबे करियर में देश के कई संवेदनशील क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने मिजोरम, सिक्किम, पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे क्षेत्रों में काम किया। इसके अलावा इस्लामाबाद और लंदन स्थित भारतीय मिशनों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डोभाल भारत-चीन सीमा से जुड़े मुद्दों पर वार्ता के लिए भारत के विशेष प्रतिनिधि भी रह चुके हैं। वर्ष 2017 के डोकलाम गतिरोध को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने में उनकी भूमिका को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना गया। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर उनके रणनीतिक निर्णयों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में योगदान के लिए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान दिया गया। (इनपुट-आईएएनएस)

1983 में हुई थी पुरस्कार की शुरूआत

लोकमान्य तिलक पुरस्कार की शुरूआत वर्ष 1983 में महाराष्ट्र मंडल, पुणे द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्र की प्रगति, विकास और सामाजिक उत्थान में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को प्रदान किया जाता है।

इस पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता समाजवादी नेता एस.एम. जोशी थे। इसके बाद देश के कई प्रमुख नेताओं और सार्वजनिक जीवन की प्रतिष्ठित हस्तियों को यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और इंदिरा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी तथा एनसीपी के वरिष्ठ नेता शरद पवार समेत कई नाम शामिल हैं।
लोकमान्य तिलक के राष्ट्रनिर्माण और राष्ट्रसेवा के विचारों को समर्पित यह सम्मान देश के सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित करने की एक प्रतिष्ठित परंपरा बन चुका है।

प्रिया घंघास ने जीता गोल्ड, भारत को बॉक्सिंग में 5वां पदक

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाज

प्रिया घंघास ने महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। सांसें थाम देने वाले फाइनल में प्रिया ने पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और कनाडा की मैरी-बाथौल अल-अहमदिएह को स्प्लिट फैसले से मात दी।
पहले दौर में कनाडाई मुक्केबाज ने 3-2 के फैसले से बढ़त बनाई, लेकिन निर्णायक तीसरे दौर में प्रिया ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। यह कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बॉक्सिंग में भारत का पांचवां पदक और चौथा स्वर्ण है। भारत के कुल पदकों की संख्या अब 33 हो गई है, जिसमें 10 स्वर्ण शामिल हैं।

शिक्षक भर्ती पेपर लीक केस में SOG का एक्शन, मुख्य दलाल सुरेश कासनिया गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप ने उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा-2022 पेपर लीक मामले में मुख्य दलाल सुरेश कासनिया को गिरफ्तार किया है।

राज्यों को केंद्र से 1.09 लाख करोड़ की अतिरिक्त मदद

पूंजीगत खर्च और विकास परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार, उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक 19,208 करोड़ रुपये

समाज जागरण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यों की वित्तीय क्षमता मजबूत करने और पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) व विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए शनिवार को 1,09,019 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर हस्तांतरण राशि जारी की। सरकार के मुताबिक यह राशि 10 अगस्त को जारी होने वाले नियमित मासिक कर हस्तांतरण से अलग है।
केंद्र सरकार ने कहा कि 1 अगस्त को अतिरिक्त राशि जारी करने का उद्देश्य राज्यों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करना और उन्हें विकास परियोजनाओं तथा पूंजीगत निवेश में तेजी लाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है। इससे राज्यों में बुनियादी ढांचे और अन्य विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

यूपी को सबसे ज्यादा 19,208 करोड़

अतिरिक्त कर हस्तांतरण में उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक 19,208 करोड़ रुपये मिले हैं। इसके बाद बिहार को 10,845 करोड़, मध्य प्रदेश को 8,010 करोड़, पश्चिम बंगाल को 7,866 करोड़, महाराष्ट्र को 7,022 करोड़ और राजस्थान को 6,460 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।
इसके अलावा ओडिशा को 4,819 करोड़, आंध्र प्रदेश को 4,597 करोड़, कर्नाटक को 4,504 करोड़, तमिलनाडु को 4,466 करोड़ और झारखंड को 3,660 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर हस्तांतरण राशि मिली है।
केंद्र के इस अतिरिक्त हस्तांतरण से राज्यों को अपनी विकास योजनाओं और पूंजीगत परियोजनाओं में खर्च बढ़ाने के लिए अतिरिक्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे। सरकार का जोर राज्यों की वित्तीय क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ विकास और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने पर है। (इनपुट-एजेंसी)

मैसूरु में पीएम मोदी का भव्य स्वागत, शिवकुमार ने भेंट की शॉल और गुलदस्ता

विवेका स्मारक का करेंगे उद्घाटन, स्वामी विवेकानंद की 1892 की मैसूरु यात्रा की स्मृति में बनाया गया है स्मारक; सुरक्षा में 1000 से अधिक जवान तैनात

समाज जागरण

मैसूरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को कर्नाटक के मैसूरु पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने हेलीपैड पर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को शॉल और गुलदस्ता भेंट किया। इस दौरान कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री अपने मैसूरु दौरे के दौरान रामकृष्ण विद्याशाला स्थित विवेका स्मारक का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही वह स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र का भी उद्घाटन करेंगे। यह केंद्र स्वामी विवेकानंद की वर्ष 1892 में मैसूरु यात्रा की स्मृति में बनाया गया है।

पुलिस छावनी में तब्दील रहा शहर

प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक नगरी मैसूरु में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए। शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लागू किए गए और वीवीआईपी काफिले की आवाजाही के दौरान 12 प्रमुख सड़कों पर यातायात बंद रखा गया।
दक्षिण क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक एम.बी. बोरलिंगैया की निगरानी में सुरक्षा व्यवस्था संभाली गई। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में 1000 से अधिक पुलिसकर्मी और होमगार्ड तैनात किए गए। सुरक्षा दल में एक एसपी, एक पुलिस कमिश्नर, चार अतिरिक्त एसपी, 18 पुलिस इंस्पेक्टर, 40 सब-इंस्पेक्टर, 550 पुरुष पुलिसकर्मी, 350 महिला पुलिसकर्मी और 250 होमगार्ड शामिल रहे।
पुलिस ने रामकृष्ण आश्रम, ओवल ग्राउंड, मैसूरु एयरपोर्ट और प्रधानमंत्री के काफिले के मार्ग पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की।

विवेकानंद की ऐतिहासिक यात्रा की याद

विवेका स्मारक और स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र का निर्माण 1892 में स्वामी विवेकानंद की मैसूरु यात्रा की स्मृति में किया गया है। यह यात्रा उनके उस व्यापक आध्यात्मिक एवं राष्ट्रजागरण अभियान का महत्वपूर्ण पड़ाव थी, जिसके बाद वर्ष 1893 में उन्होंने शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक भाषण दिया था।

कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री रामकृष्ण आश्रम स्कूल का दौरा करेंगे और इसके पश्चात विशेष विमान से मैसूरु एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

(इनपुट-आईएएनएस)

कमर्शियल LPG सिलेंडर 200 रुपये से ज्यादा सस्ता

दिल्ली में 202 रुपये और कोलकाता में 209 रुपये की कटौती, होटल-रेस्तरां और छोटे कारोबारियों को राहत; घरेलू गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं

समाज जागरण

नई दिल्ली। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपये से अधिक की कटौती कर कारोबारियों को बड़ी राहत दी है। नई कीमतें 1 अगस्त से लागू हो गई हैं। कीमतों में कमी से होटल, रेस्तरां, चाय-नाश्ते की दुकानों, मिठाई कारोबार और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की लागत घटने की उम्मीद है।
नई दरों के मुताबिक दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 202 रुपये सस्ता होकर 2,728 रुपये का हो गया है। वहीं, कोलकाता में 209 रुपये की कमी के बाद इसकी कीमत 2,872.50 रुपये हो गई है।

घरेलू गैस के दाम में बदलाव नहीं

कीमतों में यह राहत फिलहाल केवल कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों को मिली है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रसोई गैस के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं।
इससे पहले 1 जुलाई को सरकारी तेल कंपनियों ने प्रमुख शहरों में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 183.50 रुपये तक की कटौती की थी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में पहले कई बार बढ़ोतरी देखने को मिली थी।

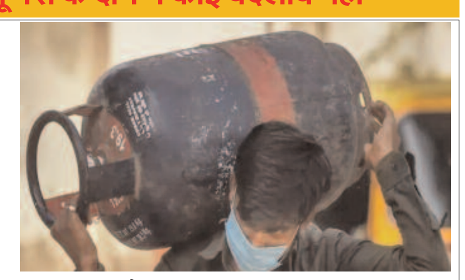

चाय और मिठाई कारोबारियों को राहत की उम्मीद

एलपीजी की कीमतों में कमी का असर छोटे कारोबारियों पर भी पड़ने की उम्मीद है। दिल्ली के वसंत कुंज में चाय की दुकान चलाने वाले एक युवक ने कहा कि आम आदमी 10 रुपये की चाय खरीद सकता है। गैस महंगी होने के बाद चाय की कीमत बढ़ाकर 15 रुपये करनी पड़ी थी। अब गैस की कीमत घटने के बाद उन्हें उम्मीद है कि ग्राहकों को फिर से 10 रुपये में चाय उपलब्ध कराई जा सकेगी।
वहीं, उत्तर प्रदेश के महाराजगंज के एक व्यापारी ने कहा कि सरकार की ओर से करीब 192 रुपये की कटौती कारोबारियों के लिए राहत की खबर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में कीमतों में और कमी होगी। उनके मुताबिक एलपीजी महंगी होने पर लागत बढ़ने के कारण मिठाइयों के दाम भी बढ़ाने पड़े थे। कमर्शियल एलपीजी की कीमत में कटौती से कारोबारियों ने राहत जताई है और कई लोगों ने सरकार के इस फैसले के लिए धन्यवाद दिया है।
(इनपुट-आईएएनएस)

आगरा को मिलेगी नई आध्यात्मिक पहचान, बल्केश्वर पार्क बनेगा 'शिव लोक थीम पार्क'

8.81 करोड़ रुपये से होगा कायाकल्प, 16 हजार वर्गमीटर में दिखेगा भगवान शिव के 19 अवतारों का दिव्य स्वरूप

समाज जागरण

आगरा, 1 अगस्त। आगरा के ऐतिहासिक बल्केश्वर पार्क को अब उज्जैन के 'महाकाल लोक' की तर्ज पर भव्य 'शिव लोक थीम पार्क' के रूप में विकसित किया जाएगा। 8.81 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस पार्क का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जुलाई को किया था। आगरा नगर निगम ने 15वें वित्त आयोग के फंड से पार्क के विकास का लेआउट और विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली है।

यमुना किनारे स्थित प्राचीन बल्केश्वर महादेव मंदिर के पास बनने वाला यह पार्क करीब 16 हजार वर्गमीटर में विकसित होगा। पार्क के मध्य भगवान शिव की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यहां शिव पुराण से जुड़ी भगवान शिव की लीलाओं और उनके 19 अवतारों का सजीव चित्रण श्रद्धालुओं और पर्यटकों को देखने को मिलेगा।
पार्क के प्रवेश द्वार पर भव्य 'नंदी द्वार' बनाया जाएगा। इसके अलावा शिव स्तुति पर आधारित साउंड एंड लाइट शो, आकर्षक फव्वारे और आधुनिक सुविधाएं पार्क को धार्मिक पर्यटन के साथ मनोरंजन का भी नया केंद्र बनाएंगी।

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

शिव लोक थीम पार्क के निर्माण से बल्केश्वर मंदिर में दर्शन और परिक्रमा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को शांत एवं सुंदर वातावरण में विश्राम की सुविधा मिलेगी। साथ ही आगरा आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए ताजमहल के अलावा एक नया आध्यात्मिक पर्यटन स्थल भी विकसित होगा। इससे ब्रज क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

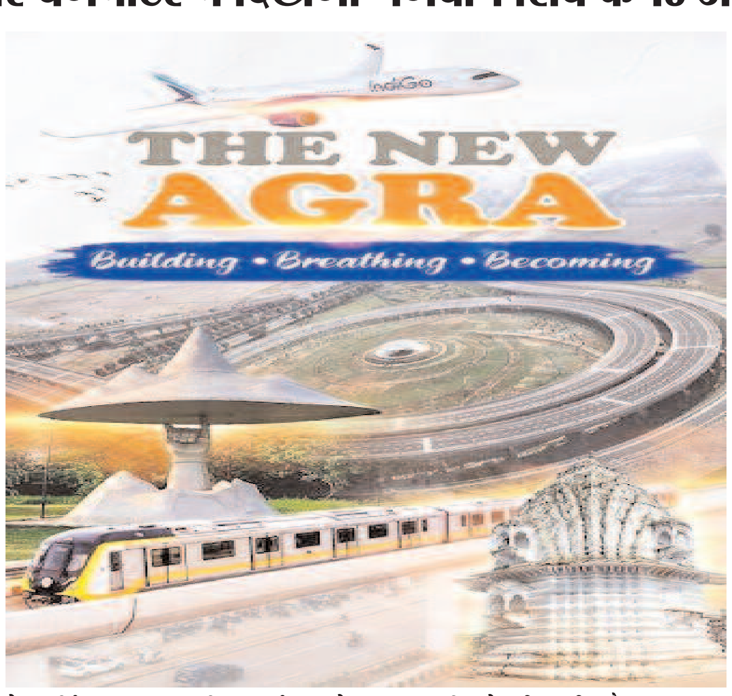

"15वें वित्त आयोग के फंड से 8.81 करोड़ रुपये के बजट में पुराने बल्केश्वर पार्क का पूरी तरह कायाकल्प किया जाएगा। उद्देश्य इसे आधुनिक, सुंदर और शांतिपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करना है।"
— अरविंद कुमार श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता, आगरा नगर निगम

"मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से बल्केश्वर क्षेत्र को यह बड़ी सौगात मिली है। थीम पार्क बनने से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और पूरे ब्रज क्षेत्र के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यह शिवभक्तों के लिए बड़ी सौगात है और धार्मिक आस्था को नई पहचान देगा।"
— मुरारी लाल अग्रवाल, स्थानीय पार्षद

अरुंधति चौधरी ने जीता स्वर्ण, इंग्लैंड की बॉक्सर को फाइनल में हराया

नई दिल्ली। ग्लासगो में जारी राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने महिलाओं के 70 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीत लिया। फाइनल में उन्होंने इंग्लैंड की चैंटल रीड को शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वसम्मति से मात दी। तीसरे दौर में अरुंधति ने 5-0 से जीत दर्ज की। उनकी इस सफलता से भारत की पदक तालिका में स्थिति और मजबूत हुई है। भारत अब 11 स्वर्ण, 15 रजत और 8 कांस्य समेत कुल 34 पदकों के साथ चौथे स्थान पर है।

20 लाख लोगों पर मंडरा रहा ज्वालामुखी विस्फोट का खतरा

नई दिल्ली। निकारागुआ के मसाया ज्वालामुखी को लेकर एक नई रिसर्च में चिंताजनक जानकारी सामने आई है। वैज्ञानिकों ने ज्वालामुखी के नीचे दो सक्रिय मैग्मा चैंबर होने का पता लगाया है, जहां लावा मौजूद है। मसाया करीब 20 लाख आबादी वाले क्षेत्र से महज 20 किलोमीटर दूर स्थित है। ऊपरी तौर पर शांत नजर आने वाला यह शील्ड ज्वालामुखी अतीत में कई विनाशकारी विस्फोट कर चुका है। वैज्ञानिकों के मुताबिक ज्वालामुखी से लगातार निकलने वाली जहरीली गैसें भी आसपास रहने वाली आबादी के लिए गंभीर खतरा बनी हुई हैं। नए अध्ययन ने मसाया की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित किया है।

सियासत के रंग में भगवा क्यों?

संसद का परिसर केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं, बल्कि लोकतंत्र का मंदिर माना जाता है। यहाँ देश के भविष्य का निर्माण होता है, कानून बनते हैं और राष्ट्र की दिशा तय होती है। लेकिन, संसद परिसर में जो दृश्य देखने को मिला, उसने न केवल संसदीय मयार्दाओं को तार-तार किया, बल्कि करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की आस्था के गहरे घाव भी लगाए।

संसद परिसर में शुक्रवार को जो दृश्य देखने को मिला, वह भारतीय राजनीति के गिरते स्तर का एक और प्रमाण बनकर सामने आया है। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर, साधू का रूप धारण कर, हाथ में दानपेटी लेकर संसद के मकर द्वार के पास बैठ गए और अयोध्या राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी को लेकर एक प्रतीकात्मक नाटक प्रस्तुत किया। इस दौरान राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई अन्य नेताओं ने भी सांकेतिक रूप से चंदा देकर इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। पप्पू यादव ने दानपेटी में डाले गए पैसे अपनी जेब में रखकर यह दिखाने की कोशिश की कि मंदिर के चढ़ावे में किस तरह चोरी हो रही है, और फिर दानपेटी लेकर भागने का नाटक भी किया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, वह एक राजनीतिक विरोध से कहीं अधिक एक सांस्कृतिक अपमान की श्रेणी में आता है। यह प्रश्न केवल एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता की पोल खोलता है जो सनातन धर्म की 'सहिष्णुता' को उसकी कमजोरी समझती है। जब एक सांसद भगवा ओढ़कर नकली साधु बनता है, तो वह किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि त्याग, तप और आस्था के उस प्रतीक का अपमान करता है जिसने हजारों वर्षों से इस समाज को दिशा दी है। विपक्ष द्वारा इस प्रदर्शन का उद्देश्य 'चंदा चोरी' या धार्मिक स्थलों पर होने वाले अवैध वसूली के खिलाफ आवाज उठाना बताया जा रहा है। यदि समाज में भ्रष्टाचार है, यदि कोई कर्मचारी या अधिकारी धार्मिक स्थलों पर धन की हेराफेरी कर रहा है, तो उस पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और संसद में बहस होनी चाहिए। लेकिन, विपक्ष ने यहाँ 'तथ्य' को 'प्रतीक' से बदल दिया।

जैसा कि आम जनता और पीड़ित पक्ष जानते हैं, 'चंदा चोरी' जैसी घटनाओं में अक्सर प्रशासनिक कर्मचारी, अधिकारी या विशिष्ट व्यक्ति शामिल पाए गए हैं, न कि परंपरागत साधु-संत। साधु का भगवा वस्त्र त्याग का प्रतीक है, लोभ का नहीं। जब विपक्ष के नेता भगवा ओढ़कर चोर का नाटक करते हैं, तो वे वास्तविक दोषियों को बचा रहे होते हैं और साधु-संतों की पवित्र छवि को धूमिल कर रहे होते हैं।

यह एक बौद्धिक बेईमानी है। यदि आरोपी 'टीनू यादव' या कोई अन्य विशिष्ट व्यक्ति या कर्मचारी है, तो उसका चेहरा दिखाकर या उसका नाम लेकर विरोध किया जाना चाहिए था। लेकिन, सामूहिक रूप से साधुओं के भेष का उपहास करना यह दशार्ता है कि यहाँ मुद्दा 'भ्रष्टाचार मिटाना' नहीं, बल्कि 'सनातन की भावना को आहत करना' है। जहाँ वास्तविक दुश्मन से लड़ने के बजाय, एक कमजोर और पवित्र प्रतीक को निशाना बनाया जाता है।

इस घटना ने एक बार फिर उस पुराने और कड़वे सत्य को उजागर किया है कि सनातन धर्म की सहिष्णुता का राजनीतिक दलों द्वारा कितना दुरुपयोग किया जा रहा है। सनातन धर्म 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'क्षमा' का धर्म है। इसकी जड़ें इतनी गहरी और विस्तृत हैं कि यह अपमान को सहकर भी आगे बढ़ जाता है। लेकिन, क्या इस सहिष्णुता को कमजोरी समझा जा सकता है?

यदि किसी अन्य धर्म के प्रतीकों, उनके धर्मगुरुओं या उनके पवित्र ग्रंथों को लेकर संसद में ऐसा कोई 'ड्रामा' किया जाए, तो विपक्ष के पास इतनी हिम्मत नहीं होगी। अन्य धर्मों में विरोध का स्तर इतना तीव्र और कड़ा होता है कि कोई भी राजनीतिक दल ऐसा जोखिम नहीं उठाता। लेकिन सनातन धर्म के मामले में, नेतागण यह मानकर चलते हैं कि "इससे कोई बड़ा विद्रोह नहीं होगा, साधु-संत मौन रहेंगे और समाज सहन कर लेगा।"

यह एक खतरनाक खेल है। सहिष्णुता का अर्थ कमजोरी नहीं होता। जब तक सनातन समाज और साधु-संत इस तरह के अपमान पर मौन हैं या केवल ट्वीटर तक सीमित हैं, तब तक राजनीतिक दल इसे अपनी 'कमजोरी' समझ-कर ऐसे हथकंडे अपनाते रहेंगे। कल का ड्रामा इस बात का प्रमाण है कि विपक्ष को पता है कि सनातन की आस्था को ठेस पहुँचाने की 'राजनीतिक कीमत' उन्हें चुकानी नहीं पड़ेगी, या कम से कम वे ऐसा ही मानते हैं।

अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या इस तरह के नाटकीय प्रदर्शनों से विपक्ष को राजनीतिक लाभ मिलेगा? उत्तर स्पष्ट है–कतई नहीं।

आज का मतदाता जागरूक है। वह जानता है कि संसद में शोर मचाने से, भेष बदलने से या धार्मिक भावनाओं को आहत करने से सरकार नहीं गिरती। उल्टा, ऐसे कृत्य मतदाताओं को विपक्ष से और अधिक दूर कर रहे हैं। जब एक सांसद संसद जैसी गरिमामयी जगह पर भगवा ओढ़कर 'चोर' बनता है, तो वह अपनी और अपने दल की गरिमा को भी गिराता है। जनता यह देख रही है कि विपक्ष के पास न तो कोई ठोस वैकल्पिक एजेंडा है, न ही विकास का कोई रोडमैप, और न ही बहस करने की क्षमता। उनके पास केवल बचा है तो 'इमोशनल ब्लैकमेल' और 'धार्मिक प्रतीकों का उपहास'।

इतिहास गवाह है कि जब-जब भी सनातन की आस्था का अपमान किया गया है, उसका परिणाम राजनीतिक दलों के लिए विनाशकारी रहा है। समाज जागता है, और वह भी एक ऐसी शक्ति के रूप में जो राजनीतिक गणित को पूरी तरह बदल देती है। विपक्ष के नेताओं को यह समझना होगा कि 'भगवा' केवल एक रंग नहीं, बल्कि एक चेतना है। इस चेतना का उपहास करने वाले राजनीतिक दल अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं।

इस घटना ने संसदीय लोकतंत्र की नैतिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। संसद का परिसर, जहाँ देश के सबसे बुद्धिजीवी और चुने हुए प्रतिनिधि आते हैं, वहाँ यदि बहस के स्तर पर गिरावट आएगी और प्रतीकों का अपमान शुरू होगा, तो लोकतंत्र की आत्मा मर जाएगी।

विपक्ष का कर्तव्य है कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाएं, लेकिन इसके लिए उन्हें उन माध्यमों का चुनाव करना चाहिए जो समाज की मयार्दा का सम्मान करते हों। यदि वास्तव में 'चंदा चोरी' का मामला गंभीर है, तो जांच एजेंसियों को सक्रिय किया जाए, सदन में श्वेत पत्र लाया जाए, लेकिन साधुओं के भेष में आकर पूरे सनातन तंत्र को 'चोर' करार देना, यह न तो लोकतंत्र है और न ही विरोध। यह केवल 'हीन भावना' का प्रदर्शन है।

अंततः, कल की घटना एक चेतावनी है। यह चेतावनी विपक्ष के लिए है कि वे सनातन की सहिष्णुता को उसकी दुर्बलता न समझें। यह चेतावनी समाज के लिए भी है कि वे अपनी आस्था के प्रतीकों की रक्षा के लिए जागरूक रहें।

राजनीति धर्म से ऊपर नहीं हो सकती, और जब राजनीति धर्म का उपहास करने लगे, तो वह पतन के मार्ग पर अग्रसर होती है। पप्पू यादव और अन्य विपक्षी सदस्यों द्वारा किया गया यह ड्रामा न तो किसी भ्रष्टाचारी को सजा दिलाएगा और न ही विपक्ष को सत्ता दिलाएगा। यह केवल इतिहास के पन्नों में एक 'काले अध्याय' के रूप में दर्ज होगा, जब राजनीति ने सनातन की पवित्रता को अपने स्वार्थ की बलि की चढ़ा दिया था।

सनातन धर्म सहिष्णु है, लेकिन सहनशील नहीं। समय आ गया है कि राजनीतिक दल यह समझें कि भारत की आस्था उनके वोट बैंक की राजनीति से कहीं अधिक गहरी और शक्तिशाली है। भगवा रंग, श्री राम की मूर्ति और साधु का भेष–ये केवल प्रतीक नहीं, बल्कि इस राष्ट्र की चेतना हैं। और चेतना का उपहास करने वालों का अंत हमेशा दुखद ही हुआ है।

एडवोकेट, जयदेव राठी

सनातन और हिन्दुओं की आस्था से खिलवाड़ का खतरनाक सिलसिला

अजय कुमार

बात 28 मई 1996 की है। लोकसभा में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी अपनी सरकार के लिए विश्वास मत हासिल करने के दौरान संसद में भाषण दे रहे थे। इसी भाषण में उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को राम मंदिर/अयोध्या मुद्दे पर चेताया था कि आपको बीजेपी से लड़ना है, राम से मत लड़िए। उसी दौरान पीछे बैठे किसी सांसद की तरफ से आवाज आई कि 'राम से लड़ोगे तो निपट जाओगे।' जैसी टिप्पणी का उल्लेख भी वायरल रूप में मिलता है, लेकिन यह शब्द कहने वाले का चेहरा सामने नहीं आया। परंतु हकीकत यही रही कि कांग्रेस प्रभु श्री राम से लड़ते-लड़ते अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गई है। कांग्रेस ने कभी राम के अस्तित्व को नकारा तो कभी राम सेतु के बारे में गलत बयानी की। यहां तक कि कांग्रेस के नेता और प्रधानमंत्री अयोध्या जाने तक से कतराते थे। अयोध्या जाते भी तो प्रभु श्री राम के दर्शन नहीं करते थे। यही क्रम आज भी चल रहा है। रामलला के मंदिर में चंदा चोरी की घटना के नाम पर आज भी कांग्रेस ऐसा ही कर रही है। चंदा चोरी के बहाने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने सनातन और हिन्दुओं की आस्था को तार-तार करने की सभी हदें पार कर ली हैं।अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए जाने वाले चढ़ावे और दानपात्र से हुई कथित गड़बड़ी का मुद्दा इस समय देश की राजनीति के केंद्र में है। जहां एक तरफ अयोध्या में ट्रस्ट और पुलिस प्रशासन इस पूरे मामले की गहन जांच में जुटा है और विशेष जांच टीम गठित कर संदिग्ध कर्मचारियों व सेवादारों की भूमिका खंगाल रही है, वहीं दूसरी ओर सनातन प्रेमी जनता और साधु-संतों में इस बात को लेकर भारी रोष है कि जांच के निष्कर्षों की प्रतीक्षा किए बिना संपूर्ण साधु समाज और सनातन परंपरा को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। अयोध्या के सम्मानित संतों का स्पष्ट कहना है कि किसी भी मंदिर परिसर में यदि कोई आपराधिक तत्व या कर्मचारी गलत कार्य में लिप्त पाया जाता है, तो उसे कठोरतम दंड मिलना चाहिए, लेकिन उस बहाने भारत की हजारों वर्ष पुरानी साधु-संत परंपरा और भगवा वस्त्रों का राजनीतिक तमाशा बनाना सर्वथा अनुचित है।

संसद के मानसून सत्र के दौरान जिस प्रकार का दृश्य देखने को मिला, उसने पूरे देश के सनातन प्रेमी समाज को स्तब्ध और आक्रोशित कर दिया है। संसद परिसर के मकर द्वार पर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को भगवा वस्त्र पहनाकर, माथे पर तिलक लगाकर और हाथ में दानपात्र थमाकर एक साधु की वेशभूषा में बैठाया गया। इसके बाद विपक्ष के नेताओं द्वारा एक पूर्वनियोजित नाटक (स्किट) मंचित किया गया, जिसमें तथाकथित साधु रूपी सांसद को दानपेटी में आए पैसों को अपनी जेब में डालते और फिर दानपात्र लेकर भागते हुए दिखाया गया। इस पूरे राजनीतिक नाटक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव, सपा के अयोध्या (फैजाबाद) से सांसद अवधेश प्रसाद समेत 'इंडिया' गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। राहुल गांधी ने उस नाटक में बाकायदा दान देने का अभिनय किया, जिसके बाद अखिलेश यादव की पार्टी के नेताओं और अन्य विपक्षी सहयोगियों ने इस पूरे घटनाक्रम का आनंद लेते हुए नारेबाजी की।इस पूरे प्रकरण पर जब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर इस प्रदर्शन का समर्थन किया, तो देश भर के अखाड़ों, विद्वानों और नागरिकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। जनमानस का मानना है कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराने के अनेक संवैधानिक और मर्यादित तरीके मौजूद हैं। परंतु भारत के सर्वोच्च विधायी सदन, संसद भवन के परिसर का उपयोग इस प्रकार के निम्नस्तरीय नाटकों और भगवाधारी संतों की छवि को 'चोर' के रूप में चित्रित करने के लिए करना संसदीय मयार्दाओं का चीरहरण है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सदन और उसके परिसर में इस प्रकार वेश बदलकर नौटंकी करने पर अपनी सख्त नाराजगी जताई और स्पष्ट शब्दों में कहा कि संसद भवन देश के नीतिगत मुद्दों और जनसमस्याओं पर चर्चा के लिए है, न कि इस तरह के तमाशों के लिए। कानूनी विशेषज्ञों और संतों का मानना है कि धार्मिक प्रतीकों, भगवा वस्त्रों और साधु वेश का सार्वजनिक अपमान कर करोड़ों सनातनियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इस कृत्य पर सर्वोच्च अदालत को स्वयं संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी राजनीतिक लाभ के लिए देश की आस्था का ऐसा उपहास न उड़ाया जा सके।

सनातन धर्म और उसकी परंपराओं को कटघरे में खड़ा करने या उनके खिलाफ रणनीतिक बयानबाजी करने का विपक्ष का यह कोई पहला प्रयास नहीं है। इतिहास साक्षी है कि पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक लाभ साधने के लिए कई बार ऐसी बयानबाजियां की गईं, जिनसे बहुसंख्यक समाज की आस्था को ठेस पहुंची। 'भगवा आतंकवाद' जैसा भ्रामक शब्द गढ़ने से लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों पर विवादित टिप्पणियां करने और उसकी प्रतियों को जलाने तक का घटनाक्रम देश ने देखा है। तमिलनाडु में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना 'मलेरिया, डेंगू और कोरोना' से करते हुए इसे मिटाने का आह्वान करना और उस पर कांग्रेस व अन्य विपक्षी सहयोगियों की चुप्पी या अप्रत्यक्ष समर्थन, सनातन के प्रति उनकी सोच को उजागर करता है। कभी प्रभु श्री राम के अस्तित्व को अदालत में 'काल्पनिक' बताने वाला हलफनामा देना, तो कभी अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण के समय उसे केवल राजनीतिक चुनावी मुद्दा बताकर उसका बहिष्कार करना; यह पूरी श्रृंखला दशार्ती है कि विपक्ष का एक वर्ग वैचारिक रूप से सनातन प्रतीकों के प्रति आक्रामक रहा है।संसद के इस हालिया प्रदर्शन में एक और पहलू ने देश की जागरूक जनता को गहराई से सोचने पर मजबूर किया है। वह है गैर-हिंदू और मुस्लिम नेताओं की इस तरह के धार्मिक प्रतीकों से जुड़े विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय भागीदारी।

जब भी किसी अन्य धर्म या संप्रदाय के प्रतीकों, मान्यताओं या वेशभूषा की बात आती है, तो विपक्ष की ओर से सहिष्णुता, गंगा-जमुनी तहजीब और धार्मिक संवेदनशीलता के लंबे-चौड़े भाषण दिए जाते हैं। परंतु जब भगवा वस्त्र, साधु वेश और राम मंदिर जैसे विषय आते हैं, तो वही नेता अन्य धर्मों के सहयोगियों को साथ लेकर सार्वजनिक मंचों पर उनका उपहास उड़ाने में तनिक भी संकोच नहीं करते। किसी गैर-हिंदू नेता द्वारा सनातन धर्म के पूज्य प्रतीकों का मजाक उड़ाते हुए ताली बजाना या उस नाटक का हिस्सा बनना हिंदू समाज के भीतर एक गहरा अविश्वास पैदा करता है। यह दोहरा मापदंड न केवल समाज के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा केवल एक विशेष धर्म की आस्थाओं का अपमान करने तक ही सीमित रह गई है?अयोध्या के मुख्य अर्चक, अखाड़ा परिषद और काशी-मथुरा के प्रमुख संतों ने इस घटना के बाद एक स्वर में कहा है कि यदि राम मंदिर के किसी दानपात्र या प्रबंधन में कोई वित्तीय अनियमितता हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच हो और दोषी, चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे जेल भेजा जाए। संत समाज स्वयं पारदर्शिता का पक्षधर है। लेकिन इस घटना की आड़ लेकर पूरी संत परंपरा को भ्रष्ट, लुटेरा और चंदा चोर साबित करने की जो साजिश संसद के प्रांगण में रची गई, वह अक्षम्य है। जिस साधु वेश ने भारत को चरित्र, त्याग, ज्ञान और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया, उस भगवा को संसद के मुख्य द्वार पर 'चोरी का प्रतीक' बनाकर पेश करना भारतीय संस्कृति पर सीधा प्रहार है। देश का सनातन प्रेमी समाज आज विपक्ष से यह सीधा प्रश्न पूछ रहा है कि आखिर राजनीतिक वैमनस्य में अंधे होकर देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आत्मा पर वार करने का यह सिलसिला कब थमेगा?

कानून अराजकता के भय से नहीं चल सकता

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसकी सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान तथा विधि का शासन है। लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि देश में कानून कितनी निष्पक्षता, समानता और दृढ़ता के साथ लागू होता है। यदि कानून भीड़ के दबाव, राजनीतिक लाभ, सामाजिक तनाव या संभावित अराजकता के भय से प्रभावित होने लगे तो लोकतंत्र का मूल आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए यह कहना पूरी तरह उचित प्रतीत होता है कि कानून अराजकता के भय से नहीं चल सकता। कानून का उद्देश्य समाज में शांति, न्याय और व्यवस्था स्थापित करना है, न कि अव्यवस्था के भय से अपने सिद्धांतों से समझौता करना।

विधि के शासन का अर्थ है कि देश में कोई भी व्यक्ति, संस्था या सरकार कानून से ऊपर नहीं है। संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है और सभी पर समान रूप से कानून लागू होने की अपेक्षा करता है। यदि किसी वर्ग, संगठन या भीड़ के हिंसक दबाव के कारण सरकार या प्रशासन अपने वैधानिक कर्तव्यों का पालन करने से पीछे हटने लगे तो यह विधि के शासन की भावना के विपरीत होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक निर्णयों में स्पष्ट किया है कि लोकतंत्र का आधार कानून का शासन है और न्यायालयों का दायित्व है कि वे बिना भय या पक्षपात के उसकी रक्षा करें।

आज के समय में यह प्रश्न अधिक प्रासंगिक इसलिए भी हो गया है क्योंकि समाज में विरोध प्रदर्शनों, सामाजिक आंदोलनों और राजनीतिक मतभेदों की संख्या बढ़ी है। लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर सकते हैं, सरकार से प्रश्न पूछ सकते हैं और अपनी मांगों को सार्वजनिक रूप से रख सकते हैं। लेकिन जब यही विरोध हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति, सरकारी कार्य में बाधा या कानून व्यवस्था को चुनौती देने का माध्यम बन जाए, तब राज्य का दायित्व केवल दर्शक बने रहने का नहीं बल्कि कानून के अनुसार कार्रवाई करने का होता है।

दूसरी ओर, यह भी उतना ही सत्य है कि कानून लागू करने के नाम पर राज्य मनमानी नहीं कर सकता। कानून की दृढ़ता और राज्य की कठोरता में अंतर होता है। हाल के दिनों में सर्वोच्च न्यायालय ने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को दोहराते हुए यह भी कहा कि केवल प्रदर्शन होने के कारण पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग उचित नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण विरोध संवैधानिक अधिकार है और प्रशासन की प्रतिक्रिया भी कानून के दायरे में रहनी चाहिए।

यही लोकतंत्र का संतुलन है। कानून अराजकता के भय से नहीं चल सकता, लेकिन कानून के नाम पर नागरिक अधिकारों का दमन भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। राज्य का कर्तव्य है कि वह दोनों पक्षों के बीच संतुलन स्थापित करे। यदि कानून केवल शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाए तो नागरिक स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाएगी और यदि कानून भीड़ के दबाव में झुक जाए तो न्याय व्यवस्था कमजोर हो जाएगी।

भारतीय संविधान ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन स्थापित किया है। विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका उनकी संवैधानिक व्याख्या करती है। यदि इन संस्थाओं में से कोई भी अपने दायित्व से विमुख हो जाए या बाहरी दबावों के कारण अपने निर्णय बदलने लगे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होती है। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल के निर्णयों में भी यह दोहराया है कि नए अपराध बनाना या कानून का विस्तार करना न्यायपालिका का कार्य नहीं है, क्योंकि संविधान ने प्रत्येक संस्था की स्पष्ट सीमाएं निर्धारित की हैं।

कानून का सबसे बड़ा गुण उसकी निष्पक्षता है। यदि एक ही प्रकार के अपराध के लिए अलग अलग लोगों के साथ अलग व्यवहार किया जाए तो समाज का विश्वास न्याय व्यवस्था से उठने लगता है। यही कारण है कि न्यायालय बार-बार समानता के सिद्धांत पर बल देते हैं। कानून किसी व्यक्ति की लोकप्रियता, राजनीतिक शक्ति, आर्थिक स्थिति, जाति, धर्म या सामाजिक प्रभाव को देखकर नहीं बदल सकता। यदि ऐसा होने लगे तो लोकतंत्र की जगह व्यक्तियों का शासन स्थापित हो जाएगा।

इतिहास गवाह है कि जब भी किसी राष्ट्र ने भीड़ को कानून से ऊपर स्थान दिया है, वहां अराजकता ने जन्म लिया है। भीड़ का निर्णय तत्काल भावनाओं पर आधारित होता है जबकि न्यायालय का निर्णय तथ्यों, साक्ष्यों और विधिक प्रक्रिया पर आधारित होता है। भीड़ क्षणिक क्रोध में निर्दोष व्यक्ति को भी दोषी मान सकती है, जबकि न्यायिक प्रक्रिया प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात रखने का अवसर देती है। इसलिए न्यायिक प्रक्रिया कभी कभी धीमी अवश्य प्रतीत होती है, लेकिन उसका उद्देश्य स्थायी और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करना होता है।

आज सोशल मीडिया के युग में यह चुनौती और बढ़ गई है। किसी घटना का वीडियो कुछ ही मिनटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। अनेक बार अधूरी जानकारी या भ्रामक संदेशों के आधार पर जनमत तैयार होने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में सरकारों पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बनता है। यदि प्रशासन केवल सोशल मीडिया की भावनाओं के आधार पर निर्णय लेने लगे तो न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक निर्णय तथ्यों, जांच और विधिक प्रक्रिया पर आधारित हो।

लोकतंत्र में जनभावना का सम्मान आवश्यक है, लेकिन जनभावना और न्याय हमेशा एक जैसे नहीं होते। कभी कभी लोकप्रिय मांग भी संविधान के अनुरूप नहीं होती। ऐसे समय में राज्य का दायित्व और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। संविधान की रक्षा करना सरकार, न्यायपालिका और सभी संवैधानिक संस्थाओं का साझा उत्तरदायित्व है। यदि वे अलोकप्रिय होने के भय से भी अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन न करें तो लोकतंत्र धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है।

कानून व्यवस्था केवल अपराधियों को दंड देने तक सीमित नहीं है। उसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में यह विश्वास पैदा करना भी है कि उसके अधिकार सुरक्षित हैं और किसी भी विवाद का समाधान विधिक प्रक्रिया से होगा। यदि नागरिकों को यह भरोसा न रहे कि न्याय मिलेगा, तब वे स्वयं न्याय करने का प्रयास करने लगते हैं। यही स्थिति भीड़तंत्र और अराजकता को जन्म देती है। इसलिए न्याय व्यवस्था का मजबूत और निष्पक्ष होना किसी भी लोकतंत्र की अनिवार्य आवश्यकता है।

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में कानून की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां भाषा, धर्म, जाति, संस्कृति और क्षेत्रीय पहचान की अनेक परतें हैं। यदि प्रत्येक विवाद का समाधान केवल सामाजिक दबाव या राजनीतिक प्रभाव से होने लगे तो राष्ट्रीय एकता प्रभावित होगी। कानून ही वह समान आधार है जो सभी नागरिकों को एक समान अधिकार और समान सुरक्षा प्रदान करता है।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कानून का भय और कानून का सम्मान दो अलग बातें हैं। आदर्श स्थिति वह है जहां नागरिक दंड के भय से नहीं बल्कि कानून के प्रति सम्मान की भावना से उसका पालन करें। इसके लिए केवल कठोर दंड पर्याप्त नहीं हैं। पारदर्शी प्रशासन, त्वरित न्याय, प्रभावी पुलिस व्यवस्था, विधिक जागरूकता और नागरिक उत्तरदायित्व भी उतने ही आवश्यक हैं। जब लोगों को विश्वास होगा कि कानून निष्पक्ष है, तब उसका पालन स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा।

आज न्याय व्यवस्था के सामने अनेक चुनौतियां हैं। लंबित मुकदमे, जांच एजेंसियों की सीमाएं, तकनीकी अपराध, साइबर अपराध और तेजी से बदलती सामाजिक परिस्थितियां कानून के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत कर रही हैं। इन चुनौतियों का समाधान कानून से समझौता करके नहीं बल्कि संस्थाओं को अधिक सक्षम, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाकर किया जा सकता है।

लोकतंत्र की सफलता का वास्तविक मापदंड यही है कि वह कठिन परिस्थितियों में भी अपने संवैधानिक मूल्यों से विचलित न हो। हिंसा का उत्तर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए और शांतिपूर्ण असहमति का उत्तर संवाद होना चाहिए। यदि दोनों के बीच का अंतर समाप्त हो जाएगा तो लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ जाएगा। हाल के न्यायिक अवलोकनों में भी यही भावना व्यक्त की गई है कि शांतिपूर्ण विरोध की रक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के बीच संतुलन ही संवैधानिक शासन की पहचान है।

अंततः यह स्पष्ट है कि कानून अराजकता के भय से नहीं चल सकता, क्योंकि ऐसा होने पर कानून की निष्पक्षता समाप्त हो जाएगी। साथ ही कानून शक्ति प्रदर्शन का उपकरण भी नहीं बन सकता, क्योंकि तब नागरिक स्वतंत्रता संकट में पड़ जाएगी। सही मार्ग वही है जिसमें संविधान सर्वोच्च रहे, कानून सभी पर समान रूप से लागू हो, न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान हो और राज्य बिना भय, बिना पक्षपात तथा बिना दबाव के अपने वैधानिक दायित्वों का निर्वहन करे। यही विधि के शासन की वास्तविक भावना है और यही किसी भी सशक्त, लोकतांत्रिक तथा सभ्य समाज की सबसे बड़ी पहचान है।

महेन्द्र तिवारी

पर्यावरण की यही पुकार...!

विकास की दौड़ में जब जंगल कट जाते हैं,
नदियों के निर्मल दर्पण धुंधले पड़ जाते हैं।
कुछ पल का लाभ भले ही सबको भाता हैं,
प्रकृति का हर आँसू भविष्य रुला जाता हैं।

धरा सिर्फ मिट्टी नहीं, जीवन की पहचान है,
हर पेड़ व नदी, हर पर्वत भारत की शान है।
प्रगति की कीमत हरियाली से चुकानी होगी,
तो आने वाली पीढ़ी की कैसी कहानी होगी?

निर्णय ऐसे हों जिनमें प्रकृति का सम्मान रहे,
विकास के हर पथ पे हरियाली का ध्यान रहे।
पहले सोचें, फिर निर्माण की राह बनाई जाए,
धरती माँ की गोद सदा हँसती-मुस्काती जाए।

सच्चा विकास वो है जो संतुलन का मान करे,
मानव के साथ-साथ 'प्रकृति' का सम्मान करे।
आओ ऐसा कल रचें, जहाँ संदेश यही हो सार,
विकास व पर्यावरण बने, एक-दूजे के आधार।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

विवेकानंद यूथ अवार्ड के लिए 10 अगस्त तक करें आवेदन

15 से 35 वर्ष के युवा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए कर सकते हैं नामांकन

गौतमबुद्धनगर, 1 अगस्त। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए व्यक्तिगत श्रेणी में विवेकानंद यूथ अवार्ड के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पुरस्कार के लिए 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा पात्र होंगे।

आयु की गणना नामांकन वर्ष की 1 जनवरी के आधार पर की जाएगी।
यह पुरस्कार खेलकूद, वृक्षारोपण, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, जैविक खेती, सौर ऊर्जा, स्वच्छता, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबंधन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य, कला-संस्कृति, साहित्य, सामुदायिक सेवा, शैक्षिक उत्कृष्टता एवं स्मार्ट लर्निंग समेत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं को दिया जाएगा।

जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी अमृता चौधरी ने पात्र युवाओं से अपने कार्यों के प्रमाण सहित आवेदन/प्रस्ताव बुकलेट फाइल में तीन प्रतियों में 10 अगस्त 2026 तक विकास भवन स्थित कार्यालय कक्ष संख्या-311 में जमा करने की अपील की है। सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

बढ़ते ट्रैफिक दबाव से निपटने को बनेगी प्रभावी कार्ययोजना : महेश शर्मा

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में नोएडा-ग्रेटर नोएडा व यमुना सिटी के यातायात पर मंथन, ब्लैक स्पॉट के स्थायी सुधार और विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा पर जोर

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 1 अगस्त। जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा विद्यालयी वाहनों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की संयुक्त समीक्षा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सांसद डॉ. महेश शर्मा ने की।
सांसद ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। सुरक्षित सड़कें, अनुशासित यातायात और जागरूक नागरिक दुर्घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

एयरपोर्ट मार्गों पर बढ़ते दबाव को लेकर चिंता

बैठक में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी में बढ़ते ट्रैफिक दबाव तथा परी चौक समेत प्रमुख चौराहों पर जाम की स्थिति पर चर्चा हुई। सांसद ने अधिकारियों को दीर्घकालिक एवं प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए पहले से ही डायवर्जन और ट्रैफिक नियंत्रण की व्यवस्था तैयार रखी जाए।
उन्होंने शहर में कमर्शियल वाहनों के प्रवेश के लिए समय-सारणी निर्धारित करने और निर्माण कार्यों में लगे ऐसे भारी वाहनों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए, जिनसे सड़कों पर धूल और प्रदूषण फैलने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है। पुलिस और परिवहन विभाग को समन्वय के साथ विशेष अभियान चलाने तथा आधुनिक ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली अपनाने को कहा गया।

ब्लैक स्पॉट पर स्थायी सुधार के निर्देश

सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े आंकड़ों का नियमित विश्लेषण कर दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों की वैज्ञानिक पहचान और उनके स्थायी समाधान पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिले के चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर किए गए सुधार कार्यों की समीक्षा करते हुए सांसद ने शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए।
उन्होंने संबंधित प्राधिकरणों, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी और अन्य एजेंसियों को ब्लैक स्पॉट्स पर वैज्ञानिक स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टिव चेतावनी संकेतक, दिशा सूचक बोर्ड, रोड मार्किंग, ट्रैफिक सिग्नल, स्ट्रीट लाइट, सुरक्षा बैरियर और सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यों का नियमित निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन कराने को कहा।

जनता सीधे दे सकेगी सड़क सुरक्षा की जानकारी

सांसद ने परिवहन विभाग को डिजिटल एवं जनसहभागिता आधारित मॉड्यूल विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे नागरिक सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं, सुझावों और दुर्घटना संभावित स्थलों की जानकारी सीधे संबंधित विभाग तक पहुंचा सकें। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से सड़क सुरक्षा अभियान को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

विद्यालयी वाहनों की होगी विशेष फिटनेस जांच

बैठक में विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विद्यालय वाहनों की विशेष फिटनेस जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक वाहन में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स और आपातकालीन निकास व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ प्रशिक्षित चालक एवं सहायक स्टाफ की उपलब्धता पर जोर दिया। वाहन चालकों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले विद्यालयों और वाहन संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

ट्रैफिक पार्क बनाने का प्रस्ताव

बैठक में जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने सड़क सुरक्षा संबंधी बैठकों में एनएचएआई गाजियाबाद के अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने का सुझाव दिया। उन्होंने बच्चों और आम नागरिकों को व्यवहारिक रूप से यातायात नियमों की जानकारी देने के लिए ट्रैफिक पार्क बनाने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने तिलपता क्षेत्र में निर्माणाधीन डिवाइडर का अधूरा कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा कराने पर जोर दिया।
बैठक के अंत में जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सांसद एवं जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों और सुझावों का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक तेजपाल नागर, विधायक धीरेन्द्र सिंह, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, एमएलसी नरेंद्र भाटी, जिला पंचायत प्रशासक अमित कुमार, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष गीता पंडित, एसीईओ नोएडा सतीश पाल, एसीईओ ग्रेटर नोएडा सुमित यादव, सीडीओ भालचंद्र त्रिपाठी, सीएमओ मदन मोहन मणि त्रिपाठी, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : महेश शर्मा

'दिशा' की बैठक में आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और जल संरक्षण योजनाओं की समीक्षा

गौतमबुद्धनगर, 1 अगस्त। सांसद एवं जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति 'दिशा' के अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी

योजनाओं और विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।
डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता योजनाएं बनाना ही नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ पहुंचाना है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आरटीई, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की।
वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या को देखते हुए सांसद ने ग्रामीण तालाबों की समयबद्ध सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तालाबों की जलधारण क्षमता बढ़ने से जलभराव कम होगा और भूजल स्तर में सुधार आएगा। बाल संरक्षण के तहत बाल संप्रेक्षण गृह का प्रत्येक तीन माह में निरीक्षण तथा आरटीई के तहत पात्र बच्चों का समयबद्ध प्रवेश सुनिश्चित कराने को भी कहा। सांसद ने अधिकारियों को योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सभी निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया।
बैठक में विधायक तेजपाल नागर, धीरेन्द्र सिंह, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, नरेंद्र भाटी सहित जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

संपूर्ण समाधान दिवस में 164 शिकायतें, 14 का मौके पर निस्तारण

दादरी तहसील में सबसे अधिक 96 शिकायतें दर्ज, अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 1 अगस्त। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 164 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 14 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।
तहसील सदर में एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में 6 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 3 का मौके पर समाधान हुआ। दादरी तहसील में एसडीएम अभिनेंद्र सिंह की अध्यक्षता में 96 शिकायतें दर्ज हुईं और 7 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं जेवर तहसील में एसडीएम दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में 62 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 4 का मौके पर समाधान हुआ। सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

विद्युत व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश : महेश शर्मा

जिला विद्युत समिति की बैठक में उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित निस्तारण और परियोजनाओं को समय से पूरा करने पर जोर

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 1 अगस्त। सांसद डॉ. महेश शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विद्युत समिति की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विद्युत योजनाओं, तंत्र के सुदृढ़ीकरण, विकास कार्यों और उपभोक्ता सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी परियोजनाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए।
सांसद ने कहा कि प्रत्येक उपभोक्ता को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने विद्युत आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण करने, नियमित रखरखाव एवं फील्ड निरीक्षण बढ़ाने तथा आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली उत्पादन की कमी नहीं है, इसलिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

जेवर में बिजलीघर और वर्कशॉप का प्रस्ताव

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने क्षेत्र की भविष्य की विद्युत जरूरतों को देखते हुए विभागीय वर्कशॉप स्थापित करने और पर्याप्त संख्या में ट्रांसफॉर्मरों का रिजर्व स्टॉक रखने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि जेवर सेक्टर-10 के औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित होने से बिजली की मांग बढ़ेगी। इसे देखते हुए क्षेत्र में बड़े और आधुनिक बिजलीघर की स्थापना के लिए कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई शुरू की जाए।
बैठक में विधायक तेजपाल नागर, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, नरेंद्र भाटी, जिला पंचायत प्रशासक अमित कुमार, नगर पालिका अध्यक्ष गीता पंडित, जिलाधिकारी, सीडीओ तथा विद्युत विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

शराब दुकानों पर आबकारी विभाग का औचक निरीक्षण

कांवड़ मार्ग की दुकानों को पर्दे से ढककर संचालन के निर्देश, नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 31 जुलाई। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश तथा जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद में सघन प्रवर्तन एवं आकस्मिक निरीक्षण अभियान चलाया गया। जिला आबकारी अधिकारी के पर्यवेक्षण में आबकारी निरीक्षकों ने देशी शराब, कम्पोजिट, मॉडल, प्रीमियम रिटेल शॉप और बार अनुज्ञापनों की जांच की।
अभियान के दौरान दुकानों से जुड़ी कैंटीनों की भी गहन जांच की गई और विभिन्न दुकानों पर गोपनीय टेस्ट परचेज कराया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रेताओं को देशी शराब की दुकानों पर सभी ब्रांडों को काउंटर के पास प्रदर्शित कर बिक्री करने के निर्देश दिए गए।
सभी दुकानों पर सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग रियल टाइम में चालू रखने और ढडर मशीन से शत-प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित करने को कहा गया। कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित दुकानों को पर्दे से ढककर नियमानुसार संचालन के निर्देश दिए गए। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया कि निर्देशों का उल्लंघन मिलने पर आबकारी अधिनियम एवं नियमावली के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। विभाग का प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ई-कॉमर्स कंपनियों का सामान चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, पांच गिरफ्तार

सेक्टर-20 पुलिस और SOG की संयुक्त कार्रवाई, 75 लाख रुपये का चोरी का सामान बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 1 अगस्त। थाना सेक्टर-20 पुलिस और SOG टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए Flipkart और Amazon जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों का सामान चोरी कर खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को सेक्टर-69 स्थित ए-313 से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 75 लाख रुपये कीमत का चोरी का सामान बरामद किया है। दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।
पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वासिद खान, सुनील कुमार, विजय सिंह, धर्मेंद्र और रघुराज सिंह के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से 39 डिब्बे प्रोटीन, 15 डिब्बे डल्ली Whey, 165 पैकेट बेबी वाइप्स, 18 जोड़ी जूते, 14 कान की मशीन, शुगर और बीपी जांचने की मशीनें, ढ१ङ्गशेल्ली७ समेत ई-कॉमर्स कंपनियों के विभिन्न सामान बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 50 कपड़े के कार्टन और खाली पैकेट व रैपर भी मिले हैं।

डिलीवरी के रास्ते में बदल देते थे सामान

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि गिरोह पिछले करीब 3-4 महीने से सक्रिय था। गिरोह का मुख्य सदस्य वासिद खान बताया गया है। पुलिस के मुताबिक गिरोह में शामिल डिलीवरी बॉय ई-कॉमर्स कंपनियों के हब से सामान लेकर डिलीवरी के लिए निकलते समय रास्ते में महंगे सामान को दूसरे सस्ते सामान से बदल देते थे या पैकेट खाली कर देते थे।

इसके बाद बदला हुआ अथवा चोरी का सामान गिरोह के अन्य सदस्य खरीदकर आगे ग्राहकों को बेचते थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में मु0अ0सं0 319/2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

वाहन चोर गिरोह के दो अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

सेक्टर-58 पुलिस की कार्रवाई, चोरी की सात बाइक, स्कूटी और अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 1 अगस्त। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले दो अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी की सात मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की है। आरोपियों के कब्जे से एक अवैध चाकू भी मिला है।
पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान टीटू पुत्र कलुआ और एकांत उर्फ मोनू पुत्र बबलू के रूप में हुई है। दोनों को सेक्टर-57 में बने शौचालय के पास से लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया।
पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दिल्ली-एनसीआर की भीड़भाड़ वाली मार्केट और कंपनियों की पार्किंग से मौका देखकर बाइक और स्कूटी चोरी करते थे। चोरी किए गए वाहनों को सुनसान स्थानों पर छिपाने के बाद ग्राहकों से संपर्क कर बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक चोरी से मिली रकम का इस्तेमाल आरोपी अपने शौक और नशे की पूर्ति में करते थे।
पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न थानों में चोरी और अन्य आपराधिक मामलों के मुकदमे दर्ज हैं। बरामद वाहनों में कुछ वाहन गाजियाबाद और दिल्ली में दर्ज चोरी के मामलों से संबंधित पाए गए हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, छह आरोपी गिरफ्तार

सेक्टर-20 पुलिस की कार्रवाई, 15 दोपहिया वाहन, 2200 रुपये और चार अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 1 अगस्त। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर 12 मोटरसाइकिल और तीन स्कूटी समेत 15 चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए हैं।
इसके अलावा चोरी/स्नेचिंग के मोबाइल फोन बेचकर मिले 2200 रुपये नकद और चार अवैध चाकू भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजीव चौहान, अजय कुमार, सचिन कुमार, कृष्णा शेरा, विजय कुमार और बृजेश कुमार के रूप में हुई है। आरोपियों को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर सर्विस रोड, सेक्टर-27 नोएडा से गिरफ्तार किया गया।
पुलिस ने बताया कि बरामदगी के आधार पर आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में मु0अ0सं0 320/2026, धारा 317(2), 317(5) बीएनएस एवं 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस गिरोह के अपराधों और बरामद वाहनों से जुड़े मामलों की जांच कर रही है।

गांजा तस्कर गिरफ्तार, 1.5 किलो गांजा और चोरी की बाइक बरामद

सेक्टर-113 पुलिस की कार्रवाई, आरोपी पर पहले से कई मुकदमे दर्ज

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलो 500 ग्राम गांजा और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।
पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल उर्फ शेरा पुत्र हरिकिशन के रूप में हुई है। उसे FNG सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया। बरामद मोटरसाइकिल DL8SCW7511 सेक्टर-65 नोएडा से चोरी की गई थी।
पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ गौतमबुद्धनगर के विभिन्न थानों में चोरी, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत कई मामले पहले से दर्ज हैं। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है।

संपूर्ण समाधान दिवस में 164 शिकायतें, 14 का मौके पर निस्तारण

दादरी तहसील में सबसे अधिक 96 शिकायतें, अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 164 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 14 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए।

तहसील सदर में एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में 6 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 3 का मौके पर निस्तारण किया गया। दादरी तहसील में एसडीएम अभिनेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सर्वाधिक 96 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 7 का मौके पर समाधान हुआ।
वहीं जेवर तहसील में एसडीएम दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में 62 शिकायतें प्राप्त हुईं और 4 का मौके पर निस्तारण किया गया।

एक वृक्ष-पूर्वजों के नाम' का दिया संदेश, माथुर वैश्य महासभा ने किया पौधरोपण

पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों से हर साल एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा ने शनिवार को चमेली बाग स्थित एमआरपीएल डेवलपर्स परिसर में पौधरोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया। पौधरोपण के दौरान 'वृक्ष लगाएं-धरती को हराभरा बनाएं', 'एक वृक्ष-पूर्वजों के नाम' और 'आज का पौधा, आने वाली पीढ़ियों का जीवन है' जैसे संदेशों के जरिए लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश कुमार गुप्ता 'मामा' ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण देने की जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ सलाहकार हर्षवर्धन गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्री शंकर गुप्ता, उपाध्यक्ष रीता मनीष अलंकार, कोषाध्यक्ष सीए प्रदीप गुप्ता, वृक्षारोपण संयोजक ओम प्रकाश गुप्ता और मंडल अध्यक्ष अश्वनी कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

पौधरोपण के बाद सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के लिए सामूहिक दाल-बाटी भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों ने सुनी समस्याएं।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। जनपद के टूण्डला में सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिला धिकारी ने अन्य अधिकारियों के साथ सुनी जन समस्याएं इस अवसर पर तहसील क्षेत्र से विभिन्न गांवों से आये फरियादियो ने अपनी-अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से सम्बन्धित प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी सन्तोष कुमार शर्मा के सौपते हुए कार्यवाही करने की माँग की। जिलाधिकारी ने सभी आवेदकों की समस्याओं को बेहद गम्भीरता व आत्मीयता से सुना और सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण के कडे. निर्देश दिये। इसी क्रम में ग्राम इमलिया के निवासियों एवं श्रद्धालुओं ने प्रार्थना पत्र देकर जिलाधिकारी को

अवगत कराया कि मन्दिर श्री महाराज धिराज रामेश्वर महाराज की ग्राम पंचायत भूमि गाटा संख्या 465 तथा धर्मशाला परिसर पर कुछ दबंगो द्वारा कूडा करकट, टैक्टर, ट्रॉली व मवेशी बांधकर अवैध कब्जा कर लिया गया है, जिससे कावड़िये और श्रद्धालुओं को असुविधा हो रही है। उन्होंने मामले का संज्ञान लेते हुए खण्ड विकास अधिकारी व थानाध्यक्ष पचोखरा को त्वरित जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा 7 दिवस के भीतर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। थाना फरिहा निवासी कुंती देवी ने प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि उनके पति के विरूद्ध थाना फरिहा में पंजीकृत मुकदमें में फर्जी, अमान्य सिटी स्कैन रिपोर्ट तैयार कर धारा बढ़वायी गयी है, जिलाधिकारी ने इस गम्भीर शिकायत पर तत्काल मुख्य चिकित्साधिकारी व मुख्य चिकित्साधीक्षक को तत्काल स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पुनः जांच कर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी तरह ग्राम नगला दल थाना पचोखरा निवासी वीरी सिंह ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि गाटा सं0 604 की जमीन बिक्री का चैक बाउंस होन के बाबजूद विपक्षियों द्वारा दंबगई के बल पर जबरन खेत जोता जा रहा है। तथा जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है, प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने पुलिस एवं राजस्व की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शांति व्यवस्था बनाए रखने और दोषियों के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। समाधान दिवस के दौरान जिला धिकारी ने जब खतौनी के लिए लाइन लगाए हुए किसानों को देखा तो उनके लिए उन्होने त्वरित पंखे की व्यवस्था करने की बात कही तथा उप जिलाधिकारी टूण्डला को निर्देशित किया की जन सुनवाई के दौरान जो भी बुर्जुग आये उसकी सुनवाई सबसे पहले की जाये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष 154 शिकायतें आई, जिनमें 16 का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

अंतरंग की स्मार्टनेस ही असली स्मार्टनेस, दिखावे से नहीं बनता श्रेष्ठ इंसान

आचार्य निर्भयसागर बोले- विनम्रता, क्षमा और पवित्र विचार ही जीवन की वास्तविक स्मार्टनेस

समाज जागरण

फिरोजाबाद। स्मार्ट फोन, स्मार्ट घर और स्मार्ट सिटी के दौर में लोग बाहरी चमक-दमक को ही स्मार्टनेस मान बैठे हैं, जबकि असली स्मार्टनेस व्यक्ति के अंतरंग में होती है। बाहरी स्मार्टनेस केवल दिखावा कराती है, लेकिन अंतरंग की स्मार्टनेस आत्मदर्शन का मार्ग प्रशस्त करती है। यह बात वैज्ञानिक संत आचार्य श्री 108 निर्भयसागर जी महाराज ने छदामीलाल जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में कही।

उन्होंने कहा कि संसार का सबसे स्मार्ट व्यक्ति दिगंबर साधु होता है, जो अपनी आत्मा को निर्मल बनाकर समाज को भी आध्यात्मिक रूप से श्रेष्ठ बनने की प्रेरणा देता है। विनम्रता, व्रत, नियम, ज्ञान, ब्रह्मचर्य, क्षमा और पवित्र विचार ही व्यक्ति को वास्तविक अर्थों में स्मार्ट बनाते हैं। केवल बाहरी दिखावे में उलझा व्यक्ति श्रेष्ठ नहीं बन सकता।

आचार्य श्री ने कहा कि जो व्यक्ति झुकना जानता है और क्रोध व कषायों से दूर रहता है, वही सच्चा स्मार्ट कहलाता है। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए पर्याप्त नींद,

शाकाहारी भोजन और मधुर वाणी को जरूरी बताते हुए कहा कि दूसरों के दिल जोड़ना ही वास्तविक स्मार्टनेस की पहचान है। जहां दिल तोड़ने की प्रवृत्ति होती है, वहां स्मार्टनेस समाप्त हो जाती है।

धर्मसभा से पूर्व दीप प्रज्वलन और आचार्य श्री को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य पंकज जैन (एलआईसी), ओमप्रकाश जैन एवं अन्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में जैन समाज परिषद के अध्यक्ष विनोद कुमार जैन, अजय एडवोकेट, ललितेश जैन, सत्येंद्र जैन, अभय जैन, राजेश चौधरी, संभव प्रकाश जैन, निमिष जैन, शैलेंद्र जैन और सुशील जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जन चौपाल में डीएम ने सुनी गांव की चौपाल, बोले- अब दफ्तरों के नहीं लगाने होंगे चक्कर।

बसई में किसानों, युवाओं और बुजुर्गों से किया सीधा संवाद, जैविक खेती व फार्मर रजिस्ट्री पर दिया जोर।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। गांव की समस्याओं का समाधान गांव में ही करने के उद्देश्य से शनिवार को टूंडला क्षेत्र के बसई गांव में जन चौपाल का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए।

चौपाल में किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर, विद्यार्थी और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने पेंशन, भूमि, कृषि, शिक्षा और विकास से जुड़े मुद्दे जिलाधिकारी के सामने रखे। डीएम ने अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों की भूमि और कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाते हुए युवाओं और विद्यार्थियों को मेहनत के बल पर अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि प्रशासन चाहता है कि लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए

सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी शिकायतों का समाधान गांव में ही हो। जिलाधिकारी ने कहा कि जन चौपाल अब सिर्फ एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच विश्वास का मंच बन चुकी है। यहां लोग सीधे अधिकारियों से अपनी बात कह रहे हैं और समस्याओं का त्वरित समाधान भी हो रहा है।

चौपाल में उन्होंने किसानों से जैविक खेती अपनाने और सभी पात्र किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कराने की अपील की। साथ ही लेखपालों और पंचायत सचिवों को निर्देश दिए कि वे ग्राम सचिवालय में नियमित बैठकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनें। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

आइडियल पब्लिक स्कूल में 32 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के प्रोजेक्ट प्रदर्शन के पंजीकरण पर हुई चर्चा।

समाज जागरण

सिरसागंज। भारत सरकार के उपक्रम राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद श्रीमती मुदिता पाण्डेय के निर्देशन में आइडियल पब्लिक स्कूल, सिरसागंज में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ अंजली पोरवाल एवं जिला समन्यवक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में 32 वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस के पंजीकरण पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा का आयोजन किया गया।

अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन का मुख्य विषय साइंस एंड इनोवेशन फॉर सस्टैंबिलिटी है। इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में कोई मॉडल नहीं बनना है। इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में 10 वर्ष से 17 वर्ष तक के बच्चे प्रतिभाग करते हैं।

प्रतिभागियों को अपना रजिस्ट्रेशन निर्गत लिंक https://n-csc.in/ पर 15 अगस्त तक भरना होगा। उन्होंने जनपद के समस्त विद्यालय के प्रधानाचार्यों से अपील की है कि वे अपने विद्यालय के अधिक से अधिक प्रतिभागियों को इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में रजिस्ट्रेशन एवं प्रतिभाग कराकर उनकी शोध की प्रवृत्ति में वृद्धि करने में सहयोग करें।

डॉ अंजली पोरवाल ने जिला समन्वयक का आभार व्यक्त करते हुए सभी बाल वैज्ञानिकों को प्रोजेक्ट कार्य की महत्ता बताते हुए सभी को नामांकन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र सिंह , योगेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

चेहलुम और कांवड़ यात्रा को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक, 10 वालंटियर किए नामित

समाज जागरण

फिरोजाबाद । आगामी चेहलुम और कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना जसराना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी ने की, जिसमें पुलिस प्रशासन, विद्युत विभाग, नगर पंचायत के प्रतिनिधियों तथा गणमान्य

लोगों ने भाग लिया। बैठक में थाना प्रभारी ने बताया कि जिस प्रकार कांवड़ यात्रा के लिए वालंटियर बनाए गए हैं, उसी तर्ज पर चेहलुम के जुलूस के लिए भी 10 वालंटियर नामित किए गए हैं। साथ ही आवश्यकतानुसार अन्य वालंटियरों के नाम भी उपलब्ध कराने को कहा गया है, ताकि आयोजन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग मिल सके। थाना प्रभारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जुलूस एवं यात्रा मार्ग पर बिजली से संबंधित किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। वहीं नगर पंचायत के प्रतिनिधियों से साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराने को कहा। इसके अलावा कस्बा इंचार्ज को निर्देशित करते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी और कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे चेहलुम और कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

कांवड़ यात्राः अफसरों ने परखा कांवड़ मार्ग, सुरक्षा-यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के दिए निर्देश।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। कांवड़ यात्रा को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाना पचोखरा क्षेत्र में कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ मार्ग पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सहायता, डायवर्जन प्वाइंट और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी टूंडला और थाना पचोखरा प्रभारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने संवेदन शील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, कांवड़ मार्ग पर लगातार निगरानी बनाए रखने और यातायात

संचालन को सुचारु रखने के निर्देश दिए। साथ ही श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी करने पर जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराएंगे।

कांवड़ यात्रा से पहले हाईवे से हटेंगे छुट्टा पशु, नगर पंचायत ने चलाया विशेष अभियान

11 अगस्त की शिवरात्रि से पहले कांवड़ मार्गों को सुरक्षित और दुर्घटनामुक्त बनाने की तैयारी तेज

समाज जागरण

बबराला। सावन शिवरात्रि और कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में शनिवार को नगर पंचायत की कैटल कैप्चर टीम ने आगरा-मुरादाबाद नेशनल हाईवे सहित प्रमुख कांवड़ मार्गों पर घूम रहे छुट्टा पशुओं को पकड़ने का विशेष अभियान चलाया। पकड़े गए पशुओं को सुरक्षित स्थानों और गोशालाओं में भेजा गया। 11 अगस्त को सावन शिवरात्रि के अवसर पर हरिद्वार और अन्य गंगाघाटों से बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर अपने गंतव्य की ओर लौटेंगे। ऐसे में कांवड़ मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने

के लिए प्रशासन ने पहले से ही व्यवस्थाएं दुरुस्त करनी शुरू कर दी हैं। हाईवे पर घूम रहे छुट्टा पशुओं से दुर्घटना की आशंका को देखते हुए यह अभियान शुरू किया गया है।

लगातार हो रही बारिश के कारण खेतों और खाली स्थानों में जलभराव होने से निराश्रित पशु सूखी जगह की तलाश में सड़कों और हाईवे पर पहुंच रहे हैं। कई स्थानों पर पशुओं के सड़क के बीच बैठने से वाहन चालकों और कांवड़ियों के लिए खतरा बढ़ गया है। प्रशासन के निर्देश पर नगर पंचायत, पशुपालन विभाग और स्थानीय प्रशासन के समन्वय से अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले प्रमुख मार्गों को छुट्टा पशुओं से मुक्त कराया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना का सामना न करना पड़े। स्थानीय लोगों ने भी अभियान का स्वागत करते हुए मांग की है कि कांवड़ यात्रा समाप्त होने तक यह कार्रवाई लगातार जारी रखी जाए, जिससे हाईवे और अन्य प्रमुख मार्ग पूरी तरह सुरक्षित बने रहें।

एसडीएम के आश्वासन पर छह दिन बाद किसानों का धरना समाप्त, एक सप्ताह में समाधान का भरोसा

समाज जागरण

गुन्नौर। तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले पिछले छह दिनों से चल रहा किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। उप जिलाधिकारी अवधेश वर्मा और क्षेत्राधिकारी अंकित मिश्रा ने धरना स्थल पर पहुंचकर किसान नेताओं से वार्ता की। वार्ता के दौरान किसानों ने भूमि विवादों, विद्युत आपूर्ति, उर्वरकों की उपलब्धता तथा क्षेत्र में संचालित यारा-वीरा फर्टिलाइजर फैक्ट्री से कथित रूप से छोड़े जा रहे प्रदूषित पानी की जांच सहित विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने ग्राम भागनगर, रोरा-दीव और जुनावई से जुड़े भूमि विवादों के शीघ्र निस्तारण की भी मांग की। उप जिलाधिकारी

अवधेश वर्मा ने किसानों को आश्वस्त किया कि सभी मांगों का नियमानुसार परीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर समाधान की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। प्रशासन के इस आश्वासन के बाद भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों ने धरना समाप्त करने की घोषणा कर दी। हालांकि किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि तय समय में मांगों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन दोबारा आंदोलन शुरू करेगा। धरना समाप्त होने के बाद तहसील परिसर में सामान्य गतिविधियां फिर से शुरू हो गईं।

संत शिरोमणि रविदास जी के 650 वें जन्म दिवस पर "समरसता संकल्प अभियान" के तहत काशी की पवित्र मिट्टी कलश रथ यात्रा का संभल में भव्य स्वागत

समाज जागरण

संभल। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 650वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित "समरसता संकल्प अभियान" के अंतर्गत काशी की पवित्र मिट्टी से युक्त कलश रथ यात्रा शुक्रवार को बनारस से चलकर संभल जनपद पहुंची। रथ यात्रा का नेतृत्व भाजपा के जिला सहसंयोजक चरन सिंह भारती अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं भाजपा जिला संभल के जिला मंत्री के नेतृत्व में किया गया।

स्वागत एवं पूजन

रथ का आगमन मुरादाबाद रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट के निकट नगर अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा महावीर सिंह सभासद के प्रतिष्ठान पर हुआ। यहां विधि-विधान के साथ कलश वंदन एवं पूजन किया गया। पूजन पंडित विशाल शर्मा द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया गया। कार्यक्रम की मुख्य यजमान शिक्षा मंत्री गुलाब देवी रहीं। इस अवसर पर डीजे पर संत शिरोमणि श्री रविदास जी के भजनों की प्रस्तुति की गई और पुष्प वर्षा कर रथ का अभिनंदन किया गया।

रथ यात्रा का मार्ग

स्वागत उपरांत कलश रथ यात्रा मोहल्ला आलम सराय स्थित वाल्मीकि मंदिर, सूरज कुंड मंदिर, महिला मंडल मंदिर, हनुमान मंदिर खरगूसराय होते हुए मोहल्ला सोतीपुरा मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। इसके बाद सूरजकुंड मंदिर में रथ पूजन कर संत शिरोमणि रविदास जी की जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी से युक्त कलश स्थापित किया गया।

वक्ताओं के विचार

कार्यक्रम के संयोजक एवं भाजपा नेता अर्जुन वाल्मीकि एडवोकेट ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रदेश के प्रत्येक मंडल में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 20 फरवरी 2027 तक संपूर्ण भारतवर्ष में प्रत्येक गांव, नगर एवं क्षेत्र में यह कार्यक्रम विधि-विधान पूर्वक चलाया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल,विपिन गुप्ता, मयंक अग्रवाल, कुलदीप चाहल, बिलासपुर मुखिया कशिश कौशल, नगर अध्यक्ष हिंदू जागृति मंच अजय कुमार शर्मा, नामित सभासद गोपाल शर्मा, शोभित गुप्ता, आलोक भारती, भाजपा जिला महामंत्री शिल्पी गुप्ता, सुभाष चंद्रा, सुधीर मल्होत्रा, गजराम सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य नितिन कुमार लक्षित, सौरभ गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार, कमल दिवाकर, बजरंग दल के विभाग संयोजक नितिन शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के राजेश गुप्ता, मंजू दिलेर, जय प्रकाश गुप्ता नेताजी, बालमुकुंद शर्मा, श्रवण कुमार, बंटी सागर सहित अनेक गणमान्य लोगों ने संत शिरोमणि रविदास जी के जीवन वृत एवं उनके समरसता के संदेश पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर संत रविदास जी के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

आवारा भैंसे से टकराई विक्की, 60 वर्षीय श्रद्धालु की मौत, पिता - पुत्र समेत दो घायल

समाज जागरण

गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र नरौरा जुनावई मार्ग पर गांव ईशमपुर के समीप विक्की पर सवार 60 वर्षीय बुजुर्ग उनके तहेरे भाई और 8 वर्षीय मासूम आवारा भैंसा से टकरा गए जिसमें बुजुर्ग रामसरन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके साथी भैया भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका अलीगढ़ मेडिकल अस्पताल में इलाज जारी है जबकि गुन्नौर पुलिस ने मृतक का शव पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिला बुलंदशहर थाना व कस्बा राजघाट निवासी रामशरण शर्मा उम्र 60 वर्ष अपने तहरे भाई बबली शर्मा व उनके 8 वर्षीय बेटे सत्यम शर्मा के साथ शनिवार सुबह 8:00 बजे के करीब जुनाबई थाना क्षेत्र के गांव कादराबाद में स्थित काली मंदिर से जात कर दो पहिया विक्की पर सवार होकर घर वापस लौट रहे थे जैसे ही गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के नरौरा जुनाबई मार्ग पर गांव ईशमपुर के समीप आवारा भैंसा से विक्की टकरा गई जिसमें पिता पुत्र समेत तीनों घायल हो गए सभी को एंबुलेंस की मदद से गन्नौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जान चिकित्सक ने बुजुर्ग 60 वर्षीय गंगा शरण शर्मा पुत्र राम मूर्ति शर्मा को मृत घोषित कर दिया जबकि उसके भाई बबली शर्मा उम्र 40 पुत्र विशंभर शर्मा 8 वर्षीय मासूम सत्यम पुत्र बबली शर्मा को चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार देने के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए अलीगढ़ रेफर कर दिया जहा उनका इलाज जारी है

गन्ने के खेत में गोली लगा मिला कबड्डी खिलाड़ी का शव

मजदूर लेने निकला था युवक, जिंदा कारतूस और खोखा मिलने से हत्या की आशंका गहराई

समाज जागरण

कांधला।(फुरकान जंग) थाना क्षेत्र के गांव नाला के जंगल में शनिवार सुबह गन्ने के खेत से एक युवक का गोली लगा शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जनपद बागपत के गांव ककड़ीपुर निवासी 22 वर्षीय मोहना उर्फ मोनू पुत्र सुरेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस मिलने से हत्या की आशंका और गहरा गई है। बागपत जनपद के गांव ककड़ीपुर निवासी 22 वर्षीय मोनू शनिवार सुबह करीब 5:15 बजे अपने घर से गांव नाला में मजदूरों को लेने के लिए निकला था। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान गांव नाला के रजवाहे की पटरी के पास किसान परविंदर के गन्ने के खेत में उसका गोली लगा शव पड़ा मिला। खेत पर पहुंचे किसान ने डायल-112 पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह पुलिस बाल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे । इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत कुमार तथा अन्य पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच करते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की। मौके से एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ है। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस पुरानी रंजिश, आपसी विवाद और अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। इस घटना से गांव नाला और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है।

पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह नेवी घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले में तीन टीम गठित कर जल्द खुलासे के निर्देश दिए।पुलिस अधीक्षक शामली नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं और जल्द ही घटना का वर्कआउट किया जाएगा।

खेल जगत में भी बनाई थी पहचान

मृतक के परिजनों और ग्रामीण ने बताया कि मोहना उर्फ मोनू केवल मेहनतकश युवक ही नहीं, बल्कि एक प्रतिभाशाली कबड्डी खिलाड़ी भी था। उसने विभिन्न कबड्डी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीतकर अपने गांव ककड़ीपुर और परिवार का नाम रोशन किया था। खेल के मैदान में उसकी फुर्ती और दमदार प्रदर्शन की चर्चा अक्सर होती थी। बाद में उसने आजीविका के लिए फसलों में दवाई स्प्रे करने का कार्य शुरू कर दिया, लेकिन खेल से उसका लगाव हमेशा बना रहा। उसकी असमय मौत से परिवार के साथ-साथ खेल प्रेमियों और गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

सावन की शुरुआत में विशेष सफाई अभियान, फॉगिंग व दवा छिड़काव कराया

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

सावन माह के शुभारंभ के अवसर पर नगर पालिका परिषद के वार्ड संख्या-11 में शनिवार को विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान सभासद प्रदीप कुमार भार्गव की पहल पर आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य वार्ड में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना और संक्रामक व मौसमी बीमारियों की रोकथाम करना रहा।अभियान के दौरान सफाई कर्मचारियों ने वार्ड की गलियों और नालियों की गहन सफाई की। सफाई के बाद गलियों में पानी का छिड़काव कराया गया। वहीं मच्छरों और अन्य कीटों के प्रकोप पर नियंत्रण के लिए कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया। शाम के समय पूरे वार्ड में फॉगिंग कराई गई, जिससे डेंगू, मलेरिया समेत अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम का प्रयास किया गया।सफाई अभियान के दौरान सफाई नायक राशिद बैग ने मौके पर मौजूद रहकर पूरे कार्य की निगरानी की और सफाई कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उनकी देखरेख में अभियान सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।सभासद प्रदीप कुमार भार्गव ने कहा कि सावन माह में स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने वार्डवासियों से घरों और आसपास साफ-सफाई रखने, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने तथा जलभराव न होने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, ताकि मच्छरों का प्रकोप न बढ़े। नगर पालिका के स्वच्छता अभियान में सभी नागरिकों को सक्रिय सहयोग करना चाहिए। जनसहयोग से ही स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर कांधला का निर्माण संभव है। इस दौरान नगर पालिका के कई कर्मचारी मौजूद रहे।

41 दिन की खड़ी तपस्या में लीन हुए महाराज सूरज पारासर

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे के पूर्वी यमुना नहर स्थित प्राचीन मनकामेश्वर महादेव मंदिर इन दिनों श्रद्धा, आस्था और भक्ति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। देश में सुख-शांति, अमन-चैन, समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना को लेकर मोहल्ला रायजादगान निवासी महाराज सूरज पारासर ने यहां 41 दिन की कठिन खड़ी तपस्या शुरू की है। उनकी इस अनूठी साधना के दर्शन और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं।मंदिर के पुजारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि महाराज सूरज पारासर पूरी श्रद्धा, नियम और विधि-विधान के साथ भगवान शिव की आराधना में निरंतर लीन हैं। शनिवार को उनकी तपस्या का 13वां दिन पूर्ण हो गया। उन्होंने बताया कि यह कठिन साधना लगातार 41 दिनों तक चलेगी, जिसके दौरान महाराज देशवासियों की खुशहाली, सुख-समृद्धि, सामाजिक सौहार्द और विश्व कल्याण की कामना कर रहे हैं।मंदिर परिसर में प्रतिदिन सुबह-शाम श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजा-अर्चना और आरती कर रहे हैं। हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। आसपास ही नहीं, बल्कि दूर-दराज क्षेत्रों से भी श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर महाराज का आशीर्वाद ले रहे हैं और तपस्या की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।पुजारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि 41 दिन की तपस्या पूर्ण होने के बाद मनकामेश्वर महादेव मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें क्षेत्र एवं आसपास के गांवों से आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। मंदिर प्रशासन ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

बच्चों के विवाद में महिला पर डंडे से हमला, सिर फूटा, थाने में दी तहरीर

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में बच्चों के मामूली विवाद ने तूल पकड़ लिया। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने एक महिला के सिर पर डंडे से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल महिला ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी वसीमा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके बच्चों का पड़ोस के बच्चों से मामूली विवाद हो गया था। विवाद को शांत कराने और बात करने के लिए वह पड़ोसी के घर गई थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोसी युवक ने गाली-गलौज करते हुए डंडे से उसके सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गई।घटना के बाद परिजन घायल महिला को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां उसका उपचार और मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद महिला ने थाने पहुंचकर कई नामजद लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस ने पीड़ित महिला को जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सिपाही का कथित ऑडियो वायरल, व्यापारी ने सीएम हेल्पलाइन पर लगाई सुरक्षा की गुहार

समाज जागरण कांधला।

थाना कांधला में तैनात एक सिपाही का कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। वायरल ऑडियो में सिपाही पर कस्बे के एक व्यापारी से गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया जा रहा है। हालांकि, वायरल ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और पुलिस प्रशासन की ओर से भी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।कस्बा निवासी सचिन, दिल्ली बस अड्डे पर हलवाई की दुकान संचालित करता हैं, पीड़ित का आरोप है कि थाना कांधला में तैनात सिपाही अजय ने फोन पर उनसे अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। वायरल ऑडियो में कथित रूप से सिपाही यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि कोतवाल से बात करो, दोबारा मुझे फोन मत करना, नहीं तो जान से मार दूंगा।पीड़ित सचिन ने अपनी सुरक्षा को खतरा बताते हुए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई है और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। सोशल मीडिया पर ऑडियो वायरल होने के बाद लोग इस पर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।मामले में सिपाही अजय का पक्ष जानने के लिए उनसे फोन पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। फिलहाल वायरल ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह समाचार सोशल मीडिया पर प्रसारित ऑडियो और पीड़ित द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर प्रकाशित किया गया है। पुलिस प्रशासन की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

धान की फसल की सफाई के दौरान किसान को सांप ने डसा , जिला अस्पताल रेफर

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली में खेत पर धान की फसल की सफाई कर रहे एक किसान को सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। राहत की बात यह रही कि किसान की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।शनिवार को गांव इस्लामपुर घसौली निवासी किसान मेहरबान खान अपने खेत में धान की फसल की सफाई कर रहे था। इसी दौरान झाड़ियों के बीच छिपे एक सांप ने उसके पैर में डस लिया।

सांप के काटते ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उन्होंने तत्काल परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिजन उन्हें आनन-फानन में नगर के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे।अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।सरकारी चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बरसात के मौसम में खेतों और झाड़ियों में सांप निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में खेतों में काम करने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए तथा आसपास साफ-सफाई का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि किसान को समय पर उपचार मिल गया, जिससे वह फिलहाल खतरे से बाहर है।

ड्राइवर पर युवती को खेत में ले जाकर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

समाज जागरण

कांधला।थाना क्षेत्र की एक युवती ने अपने कार ड्राइवर पर बहाने से खेत में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है किसी तरह आरोपित के चंगुल से निकलकर भागी और परिजनों के साथ थाने पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शनिवार को थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर मैं बताया कि शुक्रवार सुबह उसका कार ड्राइवर उसे घर से यह कहकर बाइक पर बैठाकर ले गया कि कैराना से घर का सामान लाना है। रास्ते में उसने युवती को स्कूल छोड़ने की बात कही, लेकिन स्कूल ले जाने के बजाय सुनसान खेतों की ओर पहुंच गया।आरोप है कि वहां उसने अपने दो अन्य साथियों को भी बुला लिया। युवती ने खतरा भांपते हुए शोर मचाया और किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई। बाद में उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और आरोपितों के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

लेखपाल संघ ने लंबित मांगों के निस्तारण की उठाई मांग

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उपशाखा कैराना ने शासन में लंबित चल रही मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग उठाई है। इस संबंध में राजस्व परिषद की अध्यक्ष को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी शिवाजी यादव को सौंपा गया।

शनिवार को सौंपे गए ज्ञापन में अवगत कराया कि प्रदेश के लेखपाल लंबे समय से विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। लगातार बढ़ते कार्यभार, संसाधनों की कमी, लंबित पदोन्नति, वेतन विसंगति तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं के कारण लेखपालों में असंतोष व्याप्त है। संघ का कहना है कि जनकल्याणकारी योजनाओं, राजस्व अभिलेखों के अद्यतन, वरासत, नामांतरण, पैमाइश, ई-गवर्नेंस, आपदा प्रबंधन एवं कानून-व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का दायित्व लेखपालों पर होने के बावजूद उनकी लंबित मांगों पर अब तक निर्णय नहीं लिया गया है। संघ ने प्रमुख रूप से अंतर्मंडलीय स्थानांतरण प्रक्रिया दोबारा शुरू करने की मांग करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लेखपाल अपने गृह जनपद से दूर कार्यरत हैं, जिससे उन्हें मानसिक और पारिवारिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में शासन से सभी लंबित मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर उनका शीघ्र निस्तारण करने की अपील की गई है। इस अवसर पर शाखा कैराना की अध्यक्ष पूजा खैवाल, अंकित गुनिया, मुजक्किर खान, अनुराग, शमशेर आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में किसान हुआ घायल

समाज जागरण

कैराना। खेत जा रहा रेहड़ी सवार किसान पिकअप की टक्कर से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार की प्रातः करीब 11 बजे गांव अलीपुर निवासी मेघराज (40) रेहड़ी लेकर खेत के लिए जा रहा था। इसी दौरान मायापुर रजवाहे की पटरी पर तेज गति से आ रही पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिस कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तथा घायल को उपचार के लिए नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

22 शिकायतों में से चार मौके पर निस्तारित

समाज जागरण

कैराना। संपूर्ण समाधान दिवस में 22 शिकायती पत्रों में से चाार का मौके पर निस्तारण किया गया। शनिवार को तहसील में सीडीओ बिजेंद्र शुक्ला की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर

विभिन्न मामलों से संबंधित 22 शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए, जिनमें से चार का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। शेष शिकायती पत्रों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर दिया गया। सीडीओ ने शिकायती पत्रों के समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम शिवाजी यादव, तहसीलदार अर्जुज सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

बल्ब जलाते ही फैला करंट, सास-बहू की दर्दनाक मौत; परिवार में मचा कोहराम

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) जनपद शामली के आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के गांव कसरेवा कला में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में सास और बहू की करंट लगने से मौत हो गई। दोनों महिलाओं की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गांव कसरेवा कला निवासी 80 वर्षीय बतून पत्नी शेरदीन अपनी 47 वर्षीय बहू खुशनुमा पत्नी रोजू के साथ घर के नीचे वाले कमरे में सो रही थीं। परिवार के अन्य सदस्य अलग-अलग स्थानों पर सो रहे थे। शनिवार सुबह जब बतून की आंख खुली तो उन्होंने कमरे में बल्ब जलाने के लिए स्विच दबाया। इसी दौरान अचानक बिजली का करंट फैल गया और वह उसकी चपेट में आ गईं।सास को तड़पता देख बहू खुशनुमा उन्हें बचाने के लिए दौड़ी, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गई। करंट इतना तेज था कि दोनों महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और पूरे गांव में मातम छा गया। सूचना पर राजस्व विभाग के पटवारी और आदर्श मंडी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी जुटाई।पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराने का प्रयास किया, लेकिन परिजनों ने किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों महिलाओं को गांव के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।बताया गया कि मृतका खुशनुमा अपने पीछे नौ बच्चों का परिवार छोड़ गई हैं। इनमें सात बच्चों का विवाह हो चुका है, जबकि दो बच्चे अभी अविवाहित हैं। इस हृदयविदारक हादसे से पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

पुलिस ने एक करोड़ से अधिक की हेरोइन पकड़ी, दो तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)जनपद में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत थाना कोतवाली शामली पुलिस और एएनटीएफ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स सहारनपुर की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 525 ग्राम अवैध हेरोइन, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 5 लाख रुपये बताई गई है, बरामद की है। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी कैराना हेमंत कुमार के पर्यवेक्षण में शनिवार को की गई कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुनशाद पुत्र आलमदीन निवासी मोहल्ला आलखुर्द, थाना कैराना तथा मुनशाद चौहान पुत्र जिंदा हसन निवासी ग्राम लोहरीपुर माल्हीपुर, थाना कांधला के रूप में हुई है।पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना कोतवाली शामली में मु.अ.सं. 384/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब दोनों आरोपियों के मादक पदार्थों के नेटवर्क के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की जांच कर रही है, ताकि तस्करी से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके।जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी मुनशाद पुत्र आलमदीन के खिलाफ पहले भी आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं, जबकि मुनशाद चौहान भी एनडीपीएस एक्ट के मामले में पहले से आरोपी रह चुका है।बरामदगी में 525 ग्राम हेरोइन, घटना में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल तथा सैमसंग, रेडमी और आईफोन-13 सहित तीन मोबाइल फोन शामिल हैं।इस कार्रवाई को थाना कोतवाली शामली पुलिस और एएनटीएफ सहारनपुर की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया।

प्रेम प्रसंग के शक में कबड्डी खिलाड़ी की हत्या, मुख्य आरोपी गिरफ्तार; तीन अन्य की तलाश

समाज जागरण

कांधला।(फुरकान जंग)थाना क्षेत्र के नाला-ककड़ीपुर रजवाहा पटरी के पास मिले 22 वर्षीय युवक के गोली लगे शव की गुत्थी का पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग को लेकर उपजे विवाद को हत्या की वजह बताया गया है।पुलिस के अनुसार शनिवार को नाला-ककड़ीपुर रजवाहा पटरी के निकट ईख के खेत में ग्राम ककड़ीपुर, थाना रमाला जनपद बागपत निवासी मोनू उर्फ गुल्लू (22) पुत्र सुरेंद्र का शव मिलने की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना कांधला पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। फील्ड यूनिट ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। मृतक के सिर में गोली लगने का घाव और शरीर पर चोटों के निशान मिले। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।पुलिस जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक ग्राम नाला से प्रतिदिन मजदूरों को लाने-ले जाने का कार्य करता था। मामले के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी कैराना के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने हत्या के आरोप में कार्तिक पुत्र योगेश निवासी ग्राम ककड़ीपुर, थाना रमाला, जनपद बागपत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी कार्तिक ने बताया कि मृतक उसके ताऊ की बेटी से बातचीत करता था। इसे लेकर करीब 15 दिन पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसी रंजिश में उसने अपने ताऊ ओमपाल तथा साथियों सत्यम निवासी ग्राम भारसी और अर्जुन पुत्र महेशवीर निवासी ग्राम नाला के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। आरोपी के अनुसार, एक अगस्त को मोनू के नाला आने की जानकारी मिलने पर उसे परविंद्र के खेत के पास रोककर गोली मार दी गई। इसके बाद शव को ईख के खेत में छिपाकर सभी आरोपी फरार हो गए।पुलिस ने बताया कि दूसरे आरोपी ओमपाल को भी गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है। फरार सह-आरोपियों अर्जुन और सत्यम की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

गौवंश चोरी और पुलिस पर हमले के आरोप में छह पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

समाज जागरण झिंझाना।(फुरकान जंग)

स्थानीय पुलिस ने गौवंश चोरी, गौवध और पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने जैसे गंभीर मामलों में संलिप्त बताए गए छह आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) के तहत कार्रवाई की है।पुलिस के अनुसार मंसूरा निवासी आरिफ उर्फ साद अली को गिरोह का सरगना बनाया गया है। उसके साथ वासिद, मेहरबान, इमरान, शराफत और इन्सार को गिरोह का सदस्य दशार्या गया है। आरोप है कि यह गिरोह संगठित रूप से गौवंश चोरी, गौवध, प्रतिबंधित गोवंश के अवैध विक्रय तथा अवैध हथियारों के बल पर पुलिस टीम पर फायरिंग जैसी वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस का कहना है कि इनकी गतिविधियों से क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ था।थानाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार कसाना ने बताया कि सभी आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में दर्ज आपराधिक मामलों के आधार पर गैंग चार्ट तैयार किया गया। इसके बाद क्षेत्राधिकारी, पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत उच्च न्यायालय के निदेशों के अनुपालन में सभी के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ आगे भी कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

संपूर्ण समाधान दिवस: 88 शिकायतें पहुंचीं, 8 का मौके पर निस्तारण

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों ऊन, शामली और कैराना में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों को शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।तहसील ऊन के सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी आलोक यादव ने की। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने विशेष रूप से भूमि संबंधी मामलों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर पहुंचकर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ऊन तहसील में कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों के त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम ऊन दीपिका मेहर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।उधर, तहसील शामली में अपर जिलाधिकारी सत्येंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों को गंभीरता से कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसील में कुल 40 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया। इस अवसर पर एसडीएम शामली सचिन राजपूत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। तहसील कैराना में मुख्य विकास अधिकारी बृजेंद्र शुक्ल की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां 22 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से दो का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। कार्यक्रम में एसडीएम कैराना शिवाजी यादव एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 88 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 8 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए भेज दिया गया।

आगरा में बनेगा छत्रपति शिवाजी महाराज का भव्य स्मारक

कोठी मीना बाजार में प्रस्तावित स्मारक के लिए महाराष्ट्र सरकार भी करेगी सहयोग

समाज जागरण

मुंबई/लखनऊ, 1 अगस्त। आगरा की ऐतिहासिक कोठी मीना बाजार में छत्रपति शिवाजी महाराज का दिव्य एवं भव्य स्मारक बनाने की दिशा में पहल तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री एवं आगरा दक्षिण से विधायक योगेन्द्र उपाध्याय ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मुंबई स्थित उनके आवास पर मुलाकात कर स्मारक निर्माण में महाराष्ट्र सरकार की सहभागिता का आग्रह किया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने परियोजना में उत्तर प्रदेश सरकार को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि ऐतिहासिक शोध के अनुसार मुगल शासक औरंगजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके पुत्र को जिस स्थान पर नजरबंद रखा था, वह स्थान वर्तमान में कोठी मीना

बाजार के नाम से जाना जाता है। इसी स्थान से शिवाजी महाराज ने मुगल पहरे को धता बताते हुए ऐतिहासिक रूप से प्रस्थान किया था। मंत्री ने बताया कि इस ऐतिहासिक स्थल पर स्मारक निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोठी के अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि यूपी और महाराष्ट्र सरकार मिलकर ऐसा स्मारक विकसित करेंगी, जो राष्ट्रीय एकता, भारतीय शौर्य और गौरव का प्रतीक बने। आगरा आने वाले पर्यटकों के लिए यह स्थल ताजमहल के साथ एक प्रमुख आकर्षण के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने पहल की सराहना करते हुए स्मारक निर्माण में महाराष्ट्र सरकार की ओर से सहयोग का भरोसा दिलाया। मुलाकात के दौरान महाराष्ट्र के नेता सुनील कुमार सिंह भी मौजूद रहे। इससे एक दिन पूर्व योगेन्द्र उपाध्याय ने महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री आशीष शेलार से भी इस संबंध में चर्चा की थी।

युवाओं के लिए फिलवक्त नवाचार और उद्यमिता का स्वर्णिम काल : आलोक पांडे

टीएमयू में 'इनोवेशन, स्टार्टअप्स एंड एंटरप्रेन्योरशिप' पर एक्सपर्ट टॉक, छात्रों ने साझा किए बिजनेस आइडिया

समाज जागरण

मुरादाबाद। भारत तेजी से दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप इकोसिस्टम वाले देशों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। ऐसे समय में देश के युवाओं के लिए नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। वर्तमान समय भारत के युवाओं के लिए नवाचार और उद्यमिता का स्वर्णिम काल है। युवाओं को नौकरी तलाशने वाले के बजाय रोजगार सृजक बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यह बात एआईसी आईआईटी दिल्ली के सीईओ आलोक पांडे ने तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद में आयोजित एक्सपर्ट टॉक के दौरान कही।

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के तीर्थंकर महावीर इनोवेशन फाउंडेशन (टीएमआईएफ) की ओर से 'इनोवेशन, स्टार्टअप्स एंड एंटरप्रेन्योरशिप : योर गेटवे टू द स्टार्टअप इकोसिस्टम' विषय पर एक्सपर्ट टॉक आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे आलोक पांडे ने भारत में तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम, नवाचार की संभावनाओं और युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों पर विस्तार से चर्चा की।

स्थानीय समस्याओं से निकल सकते हैं बड़े स्टार्टअप आइडिया

आलोक पांडे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी सफल स्टार्टअप की शुरूआत जरूरी नहीं कि किसी बड़ी या जटिल तकनीक से ही हो। इसकी शुरूआत अपने आसपास मौजूद वास्तविक समस्याओं को पहचानने और उनके प्रभावी समाधान से हो सकती है। जो युवा स्थानीय समस्याओं को समझकर उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने की दिशा में काम करेंगे, उनके सफल उद्यमी बनने की संभावनाएं अधिक होंगी।

उन्होंने कहा कि इनोवेशन का मतलब केवल कोई नया आइडिया देना नहीं है, बल्कि ऐसा समाधान तैयार करना है, जो समाज, उद्योग या आम नागरिक की किसी वास्तविक समस्या को दूर कर सके। उन्होंने छात्रों को डिजाइन थिंकिंग, प्रॉब्लम आइडेंटिफिकेशन, मार्केट वैलिडेशन, प्रोटोटाइप डेवलपमेंट, कस्टमर डिस्कवरी और बिजनेस मॉडल तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि किसी भी स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए केवल तकनीक पर्याप्त नहीं होती। उसके लिए सही टीम, स्पष्ट बिजनेस मॉडल, ग्राहकों की जरूरत की समझ, निरंतर नवाचार और प्रभावी क्रियान्वयन भी बेहद जरूरी है।

छात्रों ने साझा किए अपने बिजनेस आइडिया

कार्यक्रम के दौरान यूनिवर्सिटी के छात्रों ने भी अपने-अपने बिजनेस आइडिया मुख्य वक्ता के सामने रखे। छात्रों द्वारा प्रस्तुत विचारों में कृषि, हेल्थकेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शिक्षा, सामाजिक नवाचार और तकनीकी समाधान से जुड़े विभिन्न आइडिया शामिल रहे।

आलोक पांडे ने छात्रों के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें बेहतर व्यावसायिक मॉडल में बदलने के लिए उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने छात्रों को अपने आइडिया पर लगातार काम करने, बाजार की जरूरत को समझने और समाधान की व्यावहारिक उपयोगिता को परखने के लिए प्रेरित किया।

सीड मनी से लेकर फंडिंग तक की दी जानकारी

एक्सपर्ट टॉक के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में छात्रों ने स्टार्टअप शुरू करने, इन्क्यूबेशन प्रक्रिया, सरकारी योजनाओं और फंडिंग से जुड़े सवाल पूछे। इन सवालों के जवाब देते हुए आलोक पांडे ने कहा कि सीड मनी किसी भी स्टार्टअप के प्रारंभिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। इसका इस्तेमाल प्रोटोटाइप तैयार करने, उत्पाद विकास, बाजार परीक्षण और शुरूआती संचालन से जुड़ी गतिविधियों में किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिर्फ अच्छा आइडिया होना स्टार्टअप की सफलता की गारंटी नहीं है। आइडिया की व्यावहारिक उपयोगिता, संबंधित समस्या का प्रभावी समाधान, बाजार की मांग और मजबूत कार्ययोजना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप की सफलता के लिए सही टीम, स्पष्ट बिजनेस मॉडल, ग्राहक की जरूरतों की समझ, लगातार नवाचार और प्रभावी क्रियान्वयन समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

सरकारी योजनाओं की भी दी जानकारी

आलोक पांडे ने केंद्र सरकार द्वारा स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी भी छात्रों के साथ साझा की। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया, सीड फंड स्कीम, इन्क्यूबेशन सपोर्ट, इनोवेशन ग्रांट्स, प्रोटोटाइप फंडिंग, मेंटरशिप सपोर्ट, मार्केट लिंकेज और इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम जैसी पहलों के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि एक मजबूत इन्क्यूबेशन सेंटर शुरूआती चरण के स्टार्टअप्स के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन्क्यूबेशन सेंटर युवाओं के आइडिया को विकसित करने से लेकर प्रोटोटाइप तैयार करने और उसे बाजार तक पहुंचाने में मार्गदर्शन, संसाधन और विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध करा सकता है।

युवाओं को जॉब क्रिएटर बनने की जरूरत

मुख्य वक्ता ने कहा कि भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से मजबूत हो रहा है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य युवाओं में नवाचार को बढ़ावा देना और उन्हें रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार उपलब्ध कराने वाला बनाना है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने आसपास की समस्याओं को अवसर के रूप में देखें और ऐसे समाधान विकसित करें, जिनका व्यापक सामाजिक एवं व्यावसायिक प्रभाव हो।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता आलोक पांडे को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एक्सपर्ट टॉक में एसोसिएट डीन एकेडमिक्स डॉ. अमित कंसल, इन्क्यूबेशन सेंटर की मैनेजर ज्योति मदान, आईआईसी के कोऑर्डिनेटर प्रदीप कुमार वर्मा सहित विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राएं, शोधार्थी और फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे।

एयर इंडिया के बेड़े में शामिल होगा एक और नया बोइंग 787-9, चौथे विमान ने भरी पहली उड़ान

समाज जागरण

नई दिल्ली। एयर इंडिया के बेड़े के विस्तार और आधुनिकीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम सामने आया है। एयर इंडिया के लिए तैयार किया गया चौथा बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर पहली बार आसमान में उड़ान भर चुका है।

विमान की पहचान एलएन 1320 और पंजीकरण संख्या VT-AWD के रूप में की गई है। यह विमान एयर इंडिया द्वारा दिए गए 20 बोइंग 787-9 विमानों के आदेश का चौथा विमान है।

अगस्त के अंत या सितंबर की शुरूआत में मिल सकता है विमान

विमानन क्षेत्र से जुड़ी जानकारी के अनुसार, VT-AWD की एयर इंडिया को आपूर्ति अगस्त 2026 के अंत या सितंबर की शुरूआत में होने की संभावना है। इसके बेड़े में शामिल होने के बाद एयर इंडिया की लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर आधुनिक तकनीक से लैस लंबी दूरी का यात्री विमान है। नए विमानों के शामिल होने से एयर इंडिया को अपने अंतरराष्ट्रीय उड़ान नेटवर्क का विस्तार करने और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

एयर इंडिया लगातार अपने विमान बेड़े के आधुनिकीकरण पर काम कर रही है। नए बोइंग 787-9 विमान इसी योजना का हिस्सा हैं। चौथे विमान की पहली उड़ान पूरी होना कंपनी के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे। न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

भारतीय विमान सेवा की 73वीं वर्षगांठ, पुरानी यादों में आज भी जिंदा है 'इंडियन एयरलाइंस'

नई दिल्ली। भारतीय विमानन इतिहास में अपनी खास पहचान रखने वाली इंडियन एयरलाइंस की 73वीं वर्षगांठ पर विमानन जगत में पुरानी यादें फिर ताजा हो गईं। विमानन क्षेत्र से जुड़े मंच AvatioanAll ने इंडियन एयरलाइंस की विरासत को याद करते हुए सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया।

इंडियन एयरलाइंस अब अलग अस्तित्व में नहीं है, लेकिन भारतीय विमानन इतिहास में उसका योगदान और यात्रियों की यादें आज भी कायम हैं। कंपनी का पारंपरिक 'आईए' चिह्न और बाद में अपनाया गया 'कोणार्क सूर्य चक्र' वाला विमान रंग-रूप लंबे समय तक भारतीय विमानन की पहचान बने रहे।

इंडियन एयरलाइंस के विमानों में सफर करने वाली कई पीढ़ियों के लिए ये विमान केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी से जुड़ी यादों का हिस्सा रहे हैं। यही वजह है कि इंडियन एयरलाइंस के पुराने विमान और उसकी पहचान आज भी विमानन प्रेमियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र हैं।

भारतीय विमानन इतिहास में अहम स्थान

इंडियन एयरलाइंस ने दशकों तक देश के घरेलू विमानन क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद में इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया का विलय हुआ और दोनों कंपनियों को एकीकृत कर एयर इंडिया के वर्तमान स्वरूप को आगे बढ़ाया गया।

आज भारतीय विमानन क्षेत्र तेजी से बदल रहा है, लेकिन इंडियन एयरलाइंस की पहचान और उससे जुड़ी स्मृतियां भारतीय यात्रियों के लिए आज भी नॉस्टेल्जिया यानी पुरानी सुनहरी यादों का हिस्सा हैं।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे। न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

जापानी पार्क में दिल्ली की सबसे बड़ी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का होगा भव्य आयोजन : हरीश शर्मा

29 अगस्त से 4 सितंबर तक चलेगा नवम श्रीकृष्ण जन्माष्टमी नंदोत्सव, धार्मिक कार्यक्रमों के साथ प्रसिद्ध कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

समाज जागरण

नई दिल्ली। रोहिणी के सेक्टर-11 स्थित जापानी पार्क का लॉन नंबर-1 इस बार सात दिनों तक श्रीकृष्ण भक्ति और धार्मिक आयोजनों से सराबोर रहेगा। श्री श्री खाटू श्याम सेवा समिति की ओर से यहां नवम श्रीकृष्ण जन्माष्टमी नंदोत्सव-2026 का भव्य आयोजन 29 अगस्त से 4 सितंबर तक किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर रोहिणी सेक्टर-13 स्थित डीडी क्लब में समिति की वार्षिक कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई, जिसमें वर्षभर किए गए कार्यों एवं आगामी आयोजन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

समिति के चेयरमैन हरीश शर्मा ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी नंदोत्सव को

भव्य स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सात दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में धार्मिक, सांस्कृतिक और संगीत कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि जापानी पार्क में होने वाला यह आयोजन दिल्ली के प्रमुख और बड़े श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आयोजनों में शामिल होगा।

सात दिनों तक होंगे धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम

समिति के प्रेसिडेंट अमित गोयल ने बताया कि नंदोत्सव के सातों दिन अलग-अलग धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पहले दिन श्री श्याम कथा महासंगम का आयोजन होगा, जिसमें खाटू श्याम बाबा की महिमा और कथा का गुणगान किया जाएगा।

दूसरे दिन गीता ग्रुप ऑफ आर्ट की ओर से 'सिया के राम' की प्रस्तुति होगी। तीसरे दिन शिव विवाह कार्यक्रम में भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का मंचन किया जाएगा।

चौथे दिन इंडियन आइडल फेम सुहैल कुमार अपनी गायकी से श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे। पांचवें दिन भजन जैमिंग कार्यक्रम में 'महा काल का भक्त हूं मैं' फेम शेखर जायसवाल और कुंज बिहारी जी अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

छठे दिन श्री श्याम भजनोत्सव में प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल

और हेमंत बृजवासी अपने भजनों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे। वहीं आयोजन के अंतिम दिन साध्वी पूर्णिमा जी (पूनम दीदी) की ओर से श्रीकृष्ण नंदोत्सव कार्यक्रम की प्रस्तुति सहित कई अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खाने-पीने के स्टॉल भी होंगे आकर्षण

अमित गोयल ने बताया कि नंदोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए खाने-पीने के कई स्टॉल भी लगाए जाएंगे। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए समिति की ओर से व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की तैयारियां की जा रही हैं।

समिति पदाधिकारी रहे मौजूद

वार्षिक कार्यकारिणी बैठक में समिति के चेयरमैन हरीश शर्मा, वाइस चेयरमैन संजय मित्तल, चेयरमैन कंट्रोल बोर्ड जय किशन बंसल, अध्यक्ष कंट्रोल बोर्ड राजेश जैन, प्रेसिडेंट अमित गोयल, वाइस प्रेसिडेंट संजय गुप्ता, महामंत्री अरविंद गोयल, कोषाध्यक्ष सीए नितेश गोयल सहित समिति के कई पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक में आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं और तैयारियों पर चर्चा की गई।

1990 का ABVP का 'चलो जम्मू-कश्मीर' आंदोलन और 2026 का जंतर-मंतर छात्र आंदोलन

दो दौर के छात्र आंदोलनों की वैचारिक पृष्ठभूमि, संघर्ष के तरीके और सत्ता के रवैये का तुलनात्मक विश्लेषण

डॉ. महेंद्र धावडे
संस्थापक अध्यक्ष, बलीराजा पार्टी

भारतीय छात्र राजनीति के इतिहास में 1990 का ABVP का 'चलो जम्मू-कश्मीर' आंदोलन और 2026 का जंतर-मंतर छात्र आंदोलन दो अलग-अलग दौर, परिस्थितियों, विचारधाराओं और उद्देश्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक ओर 1990 का आंदोलन राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता के सवाल से जुड़ा था, वहीं 2026 का आंदोलन छात्रों के भविष्य, रोजगार और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहा। दोनों आंदोलनों को उनके समय और परिस्थितियों के संदर्भ में समझना आवश्यक है।

वैचारिक पृष्ठभूमि और उद्देश्य

1990 का आंदोलन: यह आंदोलन राष्ट्रवाद और देश की सीमाओं की सुरक्षा की भावना से प्रेरित था। आतंकवादियों द्वारा लाल चौक पर तिरंगे के अपमान की चुनौती के जवाब में देशभर से बड़ी संख्या में छात्र जम्मू-कश्मीर की ओर रवाना हुए। आंदोलन का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश देना था।

2026 का आंदोलन: इसके केंद्र में छात्रों का भविष्य, रोजगार, योग्यता और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता जैसे सवाल रहे। आंदोलनकारियों की प्रमुख चिंता कथित 'पेपर लीक माफिया' और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता को लेकर थी। यह आंदोलन किसी भौगोलिक सीमा की रक्षा के बजाय युवाओं के भविष्य और व्यवस्था में भरोसे से जुड़े सवालों पर केंद्रित बताया गया।

विरोध प्रदर्शन के तरीके

1990 का आंदोलनः उस समय सोशल मीडिया और डिजिटल संचार का दौर नहीं था। छात्रों ने पर्चों, नारों तथा ट्रेनों और बसों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर पहुंचने का रास्ता चुना। पैदल मार्च की योजना भी बनाई गई। आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किए गए छात्रों की रिहाई के बाद अइश्ढ के कार्यकताओं ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के सामने धरना दिया। लेखक के अनुसार, प्रधानमंत्री के प्रतिनिधि द्वारा छात्रों से बातचीत और उनके अनुरोध को स्वीकार किए जाने के बाद आंदोलनकारी आगे बढ़ गए।

उस दौर और आज के दौर की तुलना करते हुए सवाल उठता है कि क्या लोकतांत्रिक विरोध को शांतिपूर्ण संवाद और सहमति के रास्ते से हल नहीं किया जा सकता?

2026 का आंदोलन: यह डिजिटल युग के युवाओं का आंदोलन था। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के साथ सोशल मीडिया, इंस्टाग्राम रील्स, मीम्स और व्यंग्यात्मक प्रतीकों का इस्तेमाल भी व्यापक रूप से किया गया। डिजिटल माध्यमों ने आंदोलन के मुद्दों को तेजी से लोगों तक पहुंचाने और जनसमर्थन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नेतृत्व और संगठन

1990 का आंदोलनः यह आंदोलन अइश्ढ जैसी स्थापित, संगठित और वैचारिक छात्र संस्था के नेतृत्व में हुआ। संगठनात्मक अनुशासन और स्पष्ट विचारधारा इसकी प्रमुख विशेषताओं में शामिल रहे।

2026 का आंदोलनः यह आंदोलन अपेक्षाकृत विकेंद्रीकृत और स्वतःस्फूर्त रूप में सामने आया। इसकी शुरूआत छात्रों की समस्याओं और सोशल मीडिया पर उभरते असंतोष से हुई। बाद में विभिन्न छात्र संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं का समर्थन भी इसे मिला।

सरकार का रुख और परिणाम

1990 मेंः तत्कालीन सरकार ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए बड़ी संख्या में छात्रों को जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने से पहले उधमपुर में गिरफ्तार कर लिया था। इसके परिणामस्वरूप आंदोलनकारी लाल चौक तक नहीं पहुंच सके।

लेखक का दावा है कि उस समय आंदोलनकारियों के साथ वैसा व्यवहार नहीं किया गया, जैसा आज के आंदोलनों में देखने को मिलता है। न तो उन्हें देशद्रोही कहकर निशाना बनाया गया और न ही आंदोलन को लेकर इस स्तर पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप हुए।

2026 मेंः लेख के अनुसार, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों के साथ टकराव, आंसू गैस और लाठीचार्ज जैसी घटनाएं हुईं। आंदोलन को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं। लेख में दावा किया गया है कि व्यापक दबाव के बाद सरकार ने छात्रों से संवाद की पहल की और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद आंदोलनकारियों ने इसे अपनी जीत के रूप में देखा।

सवाल सत्ता से भी और व्यवस्था से भी

दोनों आंदोलनों की तुलना करते हुए सबसे महत्वपूर्ण सवाल लोकतंत्र में विरोध के अधिकार और सत्ता की प्रतिक्रिया का है।

1990 में जो छात्र राष्ट्रीय मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरे थे, उनमें से अनेक लोग आगे चलकर राजनीति और शासन व्यवस्था का हिस्सा बने। आज जब छात्र अपने भविष्य, रोजगार, परीक्षा की पारदर्शिता और योग्यता के सवाल उठा रहे हैं, तो क्या सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वे उनके सवालों को सुनें?

लेखक का आरोप है कि आज फ्रर, इखढ और अइश्ढ से जुड़े अनेक लोग सत्ता और शासन व्यवस्था का हिस्सा हैं, लेकिन वर्तमान छात्र आंदोलनों के दौरान हुई कथित कठोर कार्रवाई पर उनका रुख अपेक्षाकृत शांत रहा। साथ ही, मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और मीडिया के एक वर्ग द्वारा आंदोलनकारी छात्रों पर की गई कथित टिप्पणियों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

यहां सवाल केवल किसी एक राजनीतिक दल या संगठन का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की संवेदनशीलता का है। क्या किसी भी विचारधारा से जुड़े छात्र आंदोलनकारियों के साथ समान लोकतांत्रिक व्यवहार होना चाहिए या नहीं?

वायरल वीडियो में सरकारी अनाज उतारने का मामला, जांच शुरू

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

1 अगस्त। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कथित तौर पर गरीब परिवारों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत भेजे जा रहे सरकारी खाद्यान्न से लदे ट्रक को सड़क किनारे रोककर बोरे उतारने का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन और राज्य खाद्य निगम (एसएफसी) हरकत में आ गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है। संबंधित ट्रांसपोर्टर एवं संवेदक को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। जांच में आरोप सही पाए जाने पर आर्थिक दंड (जुमार्ना) लगाने के साथ विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वायरल वीडियो को स्थानीय लोग किशनगंजझ्रठाकुरगंज मुख्य मार्ग का बता रहे हैं। वीडियो में कथित तौर पर सरकारी खाद्यान्न से लदे ट्रक को बीच रास्ते में रोककर कुछ बोरे उतारे जाते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद गरीब परिवारों के हिस्से के अनाज की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। आम लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिपलाचौक, गाछपाड़ा चौक, टावर चौक, सालकी चौक और बेलवा चौक सहित कई स्थानों पर पहले भी सरकारी खाद्यान्न के परिवहन में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। उनका कहना है कि सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाने पर करोड़ों रुपये खर्च करती है। यदि परिवहन के दौरान ही अनाज की चोरी या हेराफेरी होती है तो इसका सीधा नुकसान गरीब लाभुकों को उठाना पड़ता है।

राज्य खाद्य निगम के जिला प्रबंधक मिथिलेश कुमार झा ने बताया कि वायरल वीडियो और उससे जुड़े आरोपों को गंभीरता से लिया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सरकारी गोदाम से खाद्यान्न लेकर जा रहे ट्रक को रास्ते में रोककर चालक एवं खलासी द्वारा कथित रूप से कुछ बोरे उतारे जाने की सूचना मिली है। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है तथा संबंधित ट्रांसपोर्टर एवं संवेदक को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संविदा की शर्तों के अनुरूप संबंधित ट्रांसपोर्टर एवं संवेदक पर आर्थिक दंड (जुमार्ना) लगाया जाएगा। इसके अलावा विभागीय कार्रवाई के साथ आवश्यक कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है और पूरे घटनाक्रम पर लोगों की नजर बनी हुई है।

अंचल कार्यालय में भूमि विवादों की सुनवाई, दो मामलों का हुआ निष्पादन

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

1 अगस्त। किशनगंज अंचल कार्यालय परिसर में शनिवार को अंचल अधिकारी राहुल कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में भूमि विवाद से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई, जिसमें प्रखंड की विभिन्न पंचायतों एवं दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे।

सुनवाई के दौरान अंचल अधिकारी राहुल कुमार ने एक-एक कर सभी आवेदकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित राजस्व कर्मियों एवं अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर मामलों के त्वरित और निष्पक्ष निष्पादन का निर्देश दिया। कई मामलों में दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद उन्हें आवश्यक कानूनी जानकारी एवं उचित परामर्श भी दिया गया।

जनता दरबार में एक नया भूमि विवाद का मामला दर्ज किया गया, जबकि दो मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। इसके बाद भूमि विवाद के कुल 13 मामले लंबित रह गए, जिनकी सुनवाई एवं निष्पादन के लिए अगली तिथि आगामी शनिवार निर्धारित की गई है।

अंचल अधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि भूमि विवादों के समाधान में प्रशासन की पहली प्राथमिकता आपसी सहमति एवं कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से विवादों का शांतिपूर्ण निपटारा कराना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शनिवार को नियमित रूप से जनता दरबार आयोजित किया जाता है, जहां भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई कर दोनों पक्षों को न्याय दिलाने का प्रयास किया जाता है।

सोनारी दोमुहानी संगम घाट में चला 'एक पौधा भविष्य के नाम' अभियान

ओपन हार्ट फाउंडेशन के पौधारोपण कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता और महापौर सुधा गुप्ता ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ) पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से रविवार को सोनारी दोमुहानी संगम घाट में एनजीओ ओपन हार्ट फाउंडेशन की ओर से 'एक पौधा भविष्य के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता एवं मानगो की महापौर श्रीमती सुधा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। दोनों अतिथियों ने पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, स्कूली बच्चे, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। सोनारी दोमुहानी संगम घाट परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। आयोजन का उद्देश्य शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाना, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना बताया गया।

अपने संबोधन में पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि यदि आज हम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें, तो भविष्य की पीढ़ियों को शुद्ध हवा, स्वच्छ जल और बेहतर जीवन मिल सकेगा। वहीं महापौर सुधा गुप्ता ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और प्रदूषण के दौर में पौधारोपण अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने नागरिकों से अपने घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाने तथा उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने की अपील की।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण कदमा टाटा वर्कर्स स्कूल एवं सोनारी मिथिला स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत पर्यावरण संरक्षण आधारित नुक्कड़ नाटक रहा। बच्चों ने नाटक के माध्यम से वृक्षों की उपयोगिता, जलवायु परिवर्तन के खतरे और हरियाली बढ़ाने की आवश्यकता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उपस्थित लोगों ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की।

इस अवसर पर दैनिक जागरण के संपादक प्रदीप सिंह, पद्मश्री सम्मानित चामी मुर्मू, डीएफओ सबा आलम अंसारी सहित कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति निरंतर सक्रिय रहने का सामूहिक संकल्प लिया। आयोजकों ने बताया कि एक पौधा भविष्य के नाम अभियान को आगे भी विभिन्न क्षेत्रों में चलाया जाएगा, ताकि शहर को अधिक हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सके।

कार से 293 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, बड़ेम थाना पुलिस ने 1 तस्कर को किया गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के बड़ेम थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। मौके से एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष अमरजीत चौधरी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक कार से शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना पर रहरा गांव के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई तो कार से कुल 29.65 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से कार चालक पटना जिले के दुल्हिन बाजार निवासी मन्नू को गिरफ्तार कर लिया। कार को भी जब्त कर लिया गया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ की जा रही है। उसके नेटवर्क और शराब लाने-ले जाने के स्रोत के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है ।पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में शराब तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार छापेमारी और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

मेहरमा मेला मैदान में अनाज गोदाम निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का विरोध

समाज जागरण

गोड्डा मेहरमा चौक स्थित मेला मैदान में बन रहे अनाज गोदाम में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीण

उमेश पासवान,सुधांशु कुमार,पंकज तांती, राजेश साह,मुनेश्वर राम,अजय मंडल व अन्य ने शनिवार को योजना स्थल पर पहुंचकर निम्न कोटी के ईंट के प्रयोग का विरोध किया। ग्रामीणों ने कहा कि घटिया सामग्री के इस्तेमाल करने से इसके गुणवत्ता पर अभी से हीं प्रश्न चिन्ह खड़ा हो रहा है। उन्होंने योजना स्थल पर स्क्वायर फीट पर कार्य करा रहे दिलीप मंडल से घटिया सामग्री को हटाकर प्राक्कलन के अनुसार गोदाम बनवाने की मांग की है। उमेश पासवान ने बताया कि पूर्व में भी इसकी शिकायत बीडीओ अभिनव कुमार और सीओ खगेन महतो से भी कर चुके हैं।बावजूद इसमें कोई सुधार नहीं हो रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाते हुए प्राक्कलन के अनुसार हीं कार्य करने की मांग की है। इधर ठेकेदार ने फोन पर बताया कि निम्न कोटी के ईंट को हटवा दिया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत, पुलिस जांच में जुटी

तिरुलडीह और बकारकुड़ी रेलवे स्टेशन के बीच हुआ हादसा, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

समाज जागरण, संवाददाता

तिरूलडीह, चांडिलः सरायकेला-खरसावां जिले के तिरुलडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत चानो गांव के समीप शनिवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई।

यह हादसा तिरुलडीह और बकारकुड़ी रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे पोल संख्या 318/15 एवं 319/15 के बीच हुआ। मृतक की पहचान चानो गांव निवासी 50 वर्षीय मंगल सिंह मुंडा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही

तिरुलडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षत-विक्षत अवस्था में पड़े शव को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद शव को थाना लाकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई तथा पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया गया।

परिजनों के अनुसार, मंगल सिंह मुंडा की मानसिक स्थिति पिछले कुछ समय से ठीक नहीं थी। हालांकि, घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कपाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कुख्यात अपराधी गुड्डू उर्फ राकेश गोस्वामी अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिल : चांडिल अनुमंडल अंतर्गत कपाली ओपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक कुख्यात अपराधी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में कपाली ओपी थाना कांड संख्या 105/2026, दिनांक 31 जुलाई 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-इ) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुड्डू उर्फ राकेश गोस्वामी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास लंबा रहा है और उसके विरुद्ध हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मामलों में पूर्व से प्राथमिकी दर्ज है। वह लंबे समय से पुलिस के रडार पर था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार बरामद कर उसे गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस का कहना है कि जिले में अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

किसान सलाहकार पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप, डीएम से जांच की मांग

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

1 अगस्त। सीमांचल सेवा फाउंडेशन ने कोचाधामन प्रखंड में कार्यरत किसान सलाहकार मुबारक हुसैन के विरुद्ध जिला पदाधिकारी को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच एवं विभागीय कार्रवाई की मांग की है। संगठन का आरोप है कि संबंधित किसान सलाहकार सरकारी सेवा में रहते हुए सक्रिय राजनीतिक गतिविधियों में शामिल हैं, जो सरकारी सेवक आचरण नियमों का उल्लंघन है।

सीमांचल सेवा फाउंडेशन (पंजीकृत)
Seemanchal Seva Foundation (REG)

आवेदन में कहा गया है कि किसी भी सरकारी कर्मचारी द्वारा सेवा में रहते हुए राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेना नियमों के विरुद्ध है। शिकायत की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई करने तथा भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की गई है।

पक्ष जानने का प्रयासः इस संबंध में किसान सलाहकार मुबारक हुसैन से उनका पक्ष जानने के लिए मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

स्वच्छ शहर के लिए जनप्रतिनिधियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया गया जोर

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

नगर परिषद किशनगंज के तत्वावधान में शनिवार को अशोक सम्राट भवन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली (एसडब्ल्यूएम)-2026 विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले के चारों नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों को स्वच्छ एवं बेहतर शहर के निर्माण के उद्देश्य से प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी प्रवीण कुमार, मुख्य पार्षद इंद्रदेव पासवान तथा उप मुख्य पार्षद निखत प्रवीण ने संयुक्त रूप से किया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. पी.के. झा ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के विभिन्न प्रावधानों और उसके प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी। वहीं, भारत सरकार के प्रतिनिधि ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के उद्देश्यों, प्रावधानों और नागरिकों की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यपालक पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने आम नागरिकों से अपील की कि वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के तहत दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही स्वच्छता अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

पटना में अमेरिका से 'बेटा' बनकर आए ठग ने 75 वर्षीय वृद्धा से ठगे 5 लाख रुपये

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर सिविल कोर्ट के पास यदुबंसी नगर में रहने वाली 75 वर्षीय कंचन देवी साइबर ठगों के शातिर जाल में फंसकर अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी गंवा बैठी हैं। अमेरिका में बड़ा कारोबारी बताने वाले एक युवक ने खुद को उनका बेटा बताकर भावनात्मक ब्लैकमेलिंग के जरिए करीब पांच लाख रुपये ठग लिए। इस संबंध में पीड़िता ने पटना साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता कंचन देवी ने पुलिस को बताया कि करीब 10 दिन पहले राहुल नाम के एक शख्स ने उन्हें फोन किया था। उसने खुद को अमेरिका का बड़ा व्यवसायी और अनाथ बताया तथा उनसे अपना 'बेटा' बनने का आग्रह किया। आरोपी की मीठी बातों में आकर वृद्धा उससे नियमित रूप से बातचीत करने लगीं। कुछ दिनों बाद उसने भारत आकर मिलने की बात कही। इसके बाद ठग ने एक दिन वीडियो कॉल कर रोते हुए बताया कि उसे मुंबई एयरपोर्ट पर रोक लिया गया है। उस वीडियो कॉल में उसके साथ पुलिस की वर्दी पहना हुआ एक अन्य व्यक्ति भी दिखाई दे रहा था, जिससे वृद्धा पूरी तरह झांसे में आ गई। उसे एयरपोर्ट से छुड़ाने के नाम पर ठग ने अलग-अलग बहानों से पहले 25 हजार, फिर डेढ़ लाख और बाद में ढाई लाख रुपये यानी कुल करीब पांच लाख रुपये अपने बताए गए विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। उम्र के इस पड़ाव पर होने के बावजूद कंचन देवी लगातार तीन दिनों तक बैंक और सीएसपी के चक्कर काटती रहीं और पैसे भेजती रहीं। ठगी का यह सिलसिला तब थमा जब आरोपी ने और पैसों की मांग की और वृद्धा ने असमर्थता जताई। इसके बाद उन्हें अहसास हुआ कि वे साइबर ठगी का शिकार हो चुकी हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धान खरीद लक्ष्य का 99.99% हासिल, 98.5% सीएमआर की आपूर्ति पूरी

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किशनगंज जिले की सहकारी समितियों ने धान अधिप्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य का 99.99 प्रतिशत हासिल किया है। समाहरणालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जिले में 120 पैक्स एवं सात व्यापार मंडल सहयोग समितियों ने कुल 9,445 किसानों से 77,537.886 मीट्रिक टन धान की खरीद की।

31 जुलाई 2026 तक सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) आपूर्ति की अंतिम तिथि निर्धारित थी। जिले में खरीदे गए धान के विरुद्ध 51,849.968 मीट्रिक टन, यानी लगभग 98.5 प्रतिशत सीएमआर की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम को कर दी गई है।

विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिले में 10,196 किसानों से 94,924.074 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी। इस वर्ष राज्य स्तर पर धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य कम मिलने के कारण जिले का खरीद लक्ष्य भी पिछले वर्ष की तुलना में कम रहा।

जिले की 106 सहकारी समितियों ने अपने अधिप्राप्त धान के समतुल्य शत-प्रतिशत सीएमआर की आपूर्ति कर दी है। जिन समितियों द्वारा अभी तक शत-प्रतिशत सीएमआर उपलब्ध नहीं कराया गया है, उनका आकलन किया जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित मानकों के अनुरूप आपूर्ति नहीं करने वाली समितियों के विरुद्ध आवश्यक विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

नवीनगर हत्याकांड में अनमोल गुप्ता दोषी करार, सजा पर सुनवाई 7 अगस्त को

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के जिला जज सप्तम के कोर्ट ने नवीनगर थाना कांड संख्या-27/23 में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने इस मामले के एकमात्र काराधीन अभियुक्त अनमोल कुमार गुप्ता उर्फ लड्डू गुप्ता को भादंवि धारा-302 और आर्म्स एक्ट के तहत दोषी करार दिया है।सहायक लोक अभियोजक एपी राधेश्याम प्रसाद द्वारा बताया गया कि अभियुक्त 09/09/24 से जेल में बंद है। हाईकोर्ट से भी उसे जमानत नहीं मिली थी। अब सजा के बिंदु पर अगली सुनवाई 07/08/26 को होगी। यह घटना 16/01/23 को नवीनगर के मंगलबाजार की है। संपत्ति और श्राद्ध के खर्च को लेकर हुए विवाद मे पिस्तौल से तीन गोली मारकर सज्जन कुमार की हत्या कर दी थी।

पटना के नौबतपुर में शौच के लिए गई महिला की आहार में डूबने से मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के नौबतपुर थाना क्षेत्र के तीसखोरा गांव में शनिवार की अलसुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव के बाहर स्थित एक आहार (जलस्रोत) में डूबने से 51 वर्षीय महिला *सुंदरी देवी* की मौत हो गई। मृतका बद्री मांझी की पत्नी थीं। इस दुखद घटना के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, सुंदरी देवी शनिवार की भोर में घर से शौच के लिए गांव के बाहर गई हुई थीं। इसी दौरान आहार के पास उनका पैर अचानक फिसल गया और वे गहरे पानी में जा गिरीं। काफी देर तक जब वे घर वापस नहीं लौटीं, तो चिंतित परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद जब ग्रामीण आहार के पास पहुंचे, तो महिला का शव पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से तुरंत शव को बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही नौबतपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। नौबतपुर थानाध्यक्ष मनजीत कुमार ठाकुर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पानी में डूबने से हुई मौत का प्रतीत होता है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतका का परिवार बेहद गरीब है। सुंदरी देवी अपने पीछे अपने पति और दो छोटे बच्चों को रोता-बिलखता छोड़ गई हैं। घर की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय होने के कारण इस अचानक हुए हादसे से पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी (CO) और स्थानीय प्रशासन से आपदा प्रबंधन कोष के तहत पीड़ित गरीब परिवार को जल्द से जल्द उचित सरकारी मुआवजा दिए जाने की पुरजोर मांग की है।

गबन के दोषी पूर्व सचिव से वसूली करे सुनिश्चित: अवधेश कुमार सिंह

समाज जागरण
रंजीत तिवारी वाराणसी।

सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता वाराणसी सुरेंद्र कुमार मौर्य के निर्देश पर जिलासहकारीबैंक वाराणसी की लहरतारा शाखा मे एडीसीओ अवधेशसिंह ने विभागीय योजनाओ की प्रगति की समीक्षा की। एडीसीओ अवधेश सिंह ने कहा कि सभी बीपैक्स चाहे वे कंप्यूटराइजेशन मे चयनित हों अथवा नहीं, 15 अगस्त के पूर्व एकक कंप्यूटर भिज्ञ कार्मिक रखना सुनिश्चित करें। ब्लाक की कुल 12 बीपैक्स मे 9 का संतुलन पत्र प्राप्त है।सचिव विनय त्रिपाठी को अवशेष

बैलेंसशीट सोमवार तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। शाखा प्रबंधक कुंवर देवेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यालय से आपत्ति लगकर वापस आई ऋणसीमाओ की आपत्तियो का निस्तारण कराया। उन्होने सभी सचिवो से कहा कि ध्यानपूर्वक ऋणसीमा मे अपेक्षित प्रविष्टियाँ भरें ताकि कोई त्रुटि न हो और ऋणसीमा की स्वीकृति मे अब कोई कठिनाई या विलंब न हो।एडीसीओ अवधेश सिंह ने कहा कि खरीफ अभियान मे चार माह बीतने के बाद भी ऋणवितरण शून्य रहना इस बात का द्योतक है कि सचिवो द्वारा अपने मूल कर्तव्य की घोर अवहेलना की जा रही है।उन्होने चेतावनी दी कि अगस्त माह मे ऋण वितरण के उपरांत ही सचिवो का वेतन भुगतान होगा। रमना बीपैक्स के सेवानिवृत्त सचिव मेराजुद्दीन द्वारा सात वर्षो से समिति की बत्तीस हजार रूपए से अधिक धनराशि अब तक न जमा करने के संबंध मे एडीसीओ ने वर्तमान सचिव विनय त्रिपाठी को निर्देशित किया कि इस राशि का सब्याज वसूली हेतु दोषी पूर्व सचिव को नोटिस भेजें और ब्याज सहित लगभग अस्सी हजार रूपए जमा न करने की स्थिति मे संबंधित के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करायें। बैठक मे एडीसीओ अवधे शसिंह, शाखा प्रबंधक कुंवर देवेंद्र प्रताप सिंह ,खुशबू यादव आँकिक ,रमाकांत त्रिपाठी, उत्कर्ष सिंह,विनय त्रिपाठी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्री युगल बिहारी इंटर कॉलेज में मेहदी प्रतियोगिता का आयोजन

समाज जागरण
रंजीत तिवारी वाराणसी।।

जिले के श्री युगल बिहारी इंटर कॉलेज रामेश्वर में सावन मास को लेकर रंगोली व मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।प्रधानाचार्य नीरज कुमार यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य आमजन में अपनी संस्कृति को बचाए रखना है। प्रबंधक धर्मेंद्र सिंह पप्पू और मुख्य न्यासी श्वेता सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कहा कि हमारा समाज शिक्षित होते हुए भी संस्कृति से दूर जाता दिख रहा है। वही सावन मास में रंगोली ,मेहदी सहित विविध

कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं के बीच एक संदेश देने का कार्य किया जा रहा है। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि घरों में छात्राओं के बीच जाकर हमारे संस्कृति को जगाने का कार्य जो हमारी इन बालिकाओं द्वारा किया जा रहा है, वह बेहद ही काबिले तारीफ है। कार्यक्रम में दारा कुमार, अनीता कुमारी, श्वेता सिंह,

साक्षी सिंह प्रतिभा श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र वर्मा, सुभाष राम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका अल्पना शर्मा ने किया।

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस

सम्पूर्ण समाधान दिवस में मण्डलायुक्त ने सुनीं जनसमस्याएं, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने का अधिकारियों को दिया निर्देश

तहसील सदर में मण्डलायुक्त के समक्ष प्राप्त 193 प्रार्थना पत्रों में मौके पर 21 का निस्तारण करते हुए शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बन्धित अधिकारियों गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ढंग से निस्तारण करने का दिया निर्देश

समाज जागरण

मीरजापुर /मीरजापुर जिले के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील सदर में आयोजित समाधान दिवस में मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश, पुलिस उप महानिरीक्षक पूनम तथा प्रभारी जिलाधिकारी विशाल कुमार ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता

एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मण्डलायुक्त के समक्ष कुल 193 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 21 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई। शेष प्रकरणों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को इस स्पष्ट निर्देश के साथ प्रेषित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा मण्डलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता के

अनुरूप जनसमस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए तथा प्रत्येक शिकायत का स्थलीय एवं तथ्यपरक परीक्षण कर पात्र व्यक्तियों को समय पर न्याय दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन को एक ही मंच पर उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान उपलब्ध कराना है, इसलिए अधिकारी पूरी जिम्मेदारी, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। मीरजापुर के सभी तहसीलों में यथा-तहसील मड़िहान में

अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह के समक्ष प्राप्त 44 प्रार्थना पत्रों में से 04 का निस्तारण, तहसील चुनार में अपर जिलाधिकारी भू0/रा0 देवेन्द्र प्रताप सिंह के समक्ष प्राप्त 119 प्रार्थना पत्रों में से 07 का निस्तारण एवं तहसील लालगंज में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता के समक्ष प्राप्त 67 प्रार्थना पत्रों में से 06 का निस्तारण किया गया। तहसील सदर में परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 धर्मजीत सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह, उप जिलाधिकारी

सदर महेन्द्र सिंह, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी अशोक त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 कीर्ति कुमार मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

साधोगंज से बाबा धाम के लिए कांवरियों का जत्था हुआ रवाना

समाज जागरण
शिव तिवारी बड़ागांव वाराणसी

सावन माह के पावन अवसर पर आज साधोगंज से श्रद्धालु कांवरियों का एक जत्था अपनी-अपनी कांवर लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम

(बाबा धाम) के लिए भक्ति और उत्साह के साथ रवाना हुआ। प्रस्थान के समय पूरा वातावरण "बोल बम" और "हर हर महादेव" के जयघोष से गूंज उठा। परिजनों एवं ग्रामीणों ने कांवरियों का तिलक कर एवं मंगलकामनाओं के साथ विदाई दी।

इस पावन यात्रा में चंदन जायसवाल, सुरेश कुमार, नागौर यादव, रजनीश, लल्ले गुप्ता, सनी जायसवाल, गोपी यादव, सोनू पटेल, मणि शंकर, राम आंचल, रवि सरोज, चंदू पटेल, सुरेश सेठ, प्रमोद, केशव, खन्नू सहित समस्त कांवरियों ने श्रद्धापूर्वक बाबा धाम के लिए प्रस्थान किया। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते हुए अपनी पवित्र कांवर यात्रा आरंभ की। सावन के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम की कांवर यात्रा देश की प्रमुख धार्मिक यात्राओं में मानी जाती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं।

सम्पूर्ण समाधान तहसील दिवस में लेखपाल संघ ने एसडीएम न्यायिक को सौंपा ज्ञापन,

विवेक कुमार दैनिक
समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उपशाखा मोहन लालगंज के पदाधिकारियों ने शनिवार को आयोजित तहसील समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी आकाश सिंह को मुख्यमंत्री एवं राजस्व परिषद के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर लंबित मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की।ज्ञापन में संघ ने कहा कि लेखपालों पर राजस्व प्रशासन, नामांतरण,

वरासत, पैमाइश, ई-गवर्नेंस, आपदा प्रबंधन सहित अनेक महत्वपूर्ण सरकारी कार्यों का दायित्व है, लेकिन उनकी वर्षों पुरानी मांगें अब भी लंबित हैं। इससे प्रदेश भर के लेखपालों में असंतोष व्याप्त है।संघ ने अंतर्मंडलीय स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल पुनः खोलने, चयन वर्ष 2025-26 की पदोन्नति सूची जारी करने, चयन वर्ष 2024 की विभागीय परीक्षा का परिणाम एवं प्रशिक्षण प्रमाणपत्र घोषित करने, स्टेशनरी, वाहन एवं विशेष भत्तों में

वृद्धि तथा भूलेख एवं अन्य कार्यालयी पटलों से संबद्ध लेखपालों को मूल कार्य पर वापस भेजने की मांग उठाई। इसके साथ ही ग्राम सचिवालयों में पर्याप्त आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए बिना लगाए जा रहे रोस्टर का भी विरोध किया।लेखपाल संघ ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो पांच अगस्त से प्रदेश के सभी लेखपाल अतिरिक्त हल्कों का कार्य बंद कर उनका प्रभार संबंधित कार्यालयों में जमा कर देंगे। इसके बाद आवश्यकता पड़ने पर ऑनलाइन कार्यों का भी बहिष्कार किया जाएगा।संघ ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य जनहित को प्रभावित करना नहीं, बल्कि वर्षों से लंबित न्यायोचित मांगों के समाधान के लिए शासन का ध्यान आकर्षित करना है। ज्ञापन सौंपने के दौरान तहसील अध्यक्ष अमरीश कुमार, तहसील मंत्री विकास दीक्षित सुशील गुप्ता सहित लेखपाल संघ के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में लेखपाल उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त व पुलिस उप महानिरीक्षक ने किया कावड़ मार्ग का निरीक्षण

श्रावण मास में कावड़ यात्रा को लेकर सड़कों की मरम्मत, सुरक्षा व बैरिकेटिंग लगाए जाने का दिया निर्देश

समाज जागरण

मीरजापुर / मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल राजेश प्रकाश व पुलिस उप महानिरीक्षक पूनम ने श्रावण मास में शुरू होने वाले कावड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत नगर के कावड़ मार्ग का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग व एन0एच0आई0 सहित नगर पालिका के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भ्रमण के दौरान भरूहना के जी0डी0 बिनानी कॉलेज के पास सड़क के किनारे खोदे गए गड्ढे को देख मण्डलायुक्त ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आज ही अपना कार्य पूर्ण करते हुए सड़क पटरी को गड्ढा मुक्त बनाया जाए। यदि

कार्य में देरी हो तो उसके किनारे मजबूत बैरिकेटिंग लगाई जाए।
उन्होंने एन0एच0आई0 व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद मीरजापुर के बरियाघाट नगर से लेकर घोरावल के शिवद्वार मन्दिर तक जाने वाले मार्गों पर कावंड़ श्रद्धालुओं के सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए गड्ढों, बैरिकेटिंग, प्रकाश व चिकित्सा व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराई जाए। जहां भी सड़क अथवा फुटपाथ व उसके किनारे गड्ढा हो तत्काल ढकने व बैरिकेटिंग लगाने का निर्देश दिया। कावंड़ मार्ग को समतल भी किया जाए। मण्डलायुक्त ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को नगर क्षेत्र में व जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों के कावंड़ मार्गों पर नियमित सफाई, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जाए। विद्युत विभाग मार्गों के खंभों पर जहां आवश्यकता हो वहां पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था कराएं। मार्ग में पेयजल, शौचालय व प्राथमिक उपचार की व्यवस्था के साथ ही विश्राम स्थल भी बनाए जाएं। पुलिस उप महानिरीक्षक पूनम ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कावंड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए मार्ग को संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती तथा यदि कहीं आवश्यकता दिखाई पड़े तो वहां सी0सी0टी0वी0 तथा ड्रोन की मॉनिटरिंग व्यवस्था की जाए।उन्होंने एन0एच0 के अधिकारियों से कहा कि हाईवे पर डिवाइडर व रिफ्लेक्टर लगाया जाए ताकि रात्रि में भी कावंड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अशोक कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर गोवा लाल व एन0एच0 व पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहे।

सावन और कांवड़ यात्रा को लेकर डीसीपी दक्षिणी का निगोहा में पैदल मार्च, तीन जनपदों से जुड़े भंवरेश्वर महादेव मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था परखी......

विवेक कुमार दैनिक
समाज जागरण संवाददाता

निगोहा।लखनऊ, श्रावण मास और आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक ने थाना निगोहा क्षेत्र में व्यापक पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रमुख बाजारों, धार्मिक स्थलों, संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की और अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।डीसीपी के साथ अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली वसंथ कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह, थाना प्रभारी रवींद्र कुमार तथा पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा मार्ग, प्रमुख शिवालयों और भीड़भाड़ वाले

स्थानों का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।पैदल गश्त के दौरान डीसीपी ने स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों और आम नागरिकों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना पुलिस को देने तथा सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही पुलिसकर्मियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने और कानून-व्यवस्था हर हाल में कायम रखने के निर्देश दिए।इसके बाद डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक ने तीन जनपदों लखनऊ, रायबरेली और उन्नाव की सीमाओं से जुड़े प्राचीन एवं ऐतिहासिक भंवरेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। सावन माह में बड़ी संख्या में दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और कांवड़ियों को देखते हुए उन्होंने मंदिर परिसर, मुख्य प्रवेश एवं निकास मार्ग, कांवड़ यात्रा रूट, पार्किंग स्थल तथा भीड़ नियंत्रण व्यवस्था का जायजा लिया।डीसीपी ने निगोहा पुलिस को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। मंदिर परिसर और यात्रा मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करे। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं पर कड़ी नजर रखने, आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम दर्शन की व्यवस्था उपलब्ध कराने के

निर्देश दिए।डीसीपी मो. मुश्ताक ने कहा कि श्रावण मास में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु भंवरेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में पुलिस की प्राथमिकता श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था को लेकर सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं और निगोहा पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।

एसपी ने कांवड़ मार्गों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था पर दिए कड़े निर्देश

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग)श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित संपन्न कराने के लिए शामली पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने शनिवार को जिले के प्रमुख कांवड़ मार्गों, शिविरों और संवेदनशील स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान एसपी ने सबसे पहले लालूखेड़ी बॉर्डर, इसके बाद बुटराड़ा कांवड़ शिविर तथा शामली नगर स्थित प्राचीन शिव चौक मंदिर सहित विभिन्न प्रमुख कांवड़ मार्गों का भ्रमण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं अन्य तैयारियों की जानकारी ली।एसपी ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और सजगता के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर स्थित संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही एंटी सबोटाज चेक टीम और बीडीडीएस टीम के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाए।निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ियों एवं शिविर संचालकों से भी संवाद किया। उन्होंने उनकी समस्याएं और सुझाव सुने तथा प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग और सुरक्षा का भरोसा दिलाया। एसपी ने कहा कि कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 1 से 7 अगस्त, 2026 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाएगा

इसका उद्देश्य स्वस्थ भारत के लिए स्तनपान के प्रति परिवारों, समुदायों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच जागरूकता पैदा करना है भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 1 से 7 अगस्त 2026 तक पूरे देश में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य परिवारों, समुदायों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच स्तनपान की शीघ्र शुरूआत, पहले छह महीनों तक केवल स्तनपान और उचित पूरक आहार के साथ-साथ दो वर्ष और उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने के बारे में जागरूकता पैदा करना है। स्तनपान शिशु के जीवित रहने, स्वस्थ विकास और संज्ञानात्मक विकास के लिए सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। मंत्रालय परिवारों से आग्रह करता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक नवजात शिशु को जन्म के पहले घंटे के भीतर (गोल्डन आवर) माँ का दूध मिले। पहला दूध, कोलोस्ट्रम, जिसे अक्सर शिशु का पहला प्राकृतिक टीका कहा जाता है, एंटीबॉडी और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इसे फेंका नहीं जाना चाहिए।
पहले छह महीनों तक शिशु को केवल स्तनपान कराना चाहिए और पानी, शहद, घुट्टी, ग्लूकोज या डिब्बा बंद दूध बिल्कुल नहीं दिया जाना चाहिए। इस दौरान शिशु की सभी पोषण और पानी संबंधी जरूरतें केवल स्तनपान से ही पूरी होती हैं। छह महीने बाद, पूरक आहार शुरू करना चाहिए और साथ ही दो साल या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखना चाहिए। माताओं को जन्म के बाद शिशु के साथ निकट संपर्क बनाए

दूध डेयरियों पर खाद्य विभाग का छापा, दूध-खोया-पनीर के नमूने जांच को भेजे

समाज जागरण

झिंझाना।(फुरकान जंग)कस्बे में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने विभिन्न दूध डेयरियों और खाद्य पदार्थों की रेहड़ियों पर छापेमार कार्रवाई कर दूध एवं दुग्ध उत्पादों के नमूने एकत्र किए। अचानक हुई कार्रवाई से डेयरी संचालकों और रेहड़ी संचालकों में हड़कंप मच गया। कई डेयरी संचालकों ने जांच के दौरान अपनी दुकानें बंद कर दीं।खाद्य सुरक्षा अधिकारी केपी सिंह के नेतृत्व में टीम ने सतगुरु डेयरी, किसान डेयरी, जनता डेयरी और आजाद डेयरी पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान दूध, खोया और पनीर सहित विभिन्न दुग्ध उत्पादों के दो-दो नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। अधिकारियों ने डेयरी संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने तथा गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री करने के निर्देश दिए।इसके बाद टीम ने बस स्टैंड क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की रेहड़ियों पर भी अभियान चलाया।

विभिन्न खाद्य सामग्री के नमूने लेकर उन्हें भी जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।खाद्य सुरक्षा अधिकारी केपी सिंह ने बताया कि सभी नमूनों की जांच प्रयोगशाला में कराई जाएगी। यदि किसी नमूने में मिलावट या गुणवत्ता संबंधी कमी पाई जाती है तो संबंधित संचालकों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऐसे अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे।

स्कूल और मंदिर के सामने पान ठेले की आड़ में बिक रही अवैध शराब

समाज जागरण

जैतहरी ग्राम बलबहा पुरानी मोहल्ले में स्थित प्राथमिक विद्यालय और मां नर्मदा मढ़ीया के ठीक सामने वर्षों से संचालित एक पान ठेले पर अवैध शराब और नशीली पदार्थ बेचे जाने का गंभीर आरोप लगा है। शिवसेना उद्धव बाळासाहेब ठाकरे के नगर अध्यक्ष केशव यादव ने गुरुवार को थाना प्रभारी जैतहरी को लिखित शिकायत देकर ठेले को तत्काल बंद कराने की मांग की है।

क्या है पूरा मामला?

शिकायत पत्र क्रमांक 2026/02 के अनुसार, हीरालाल नामक व्यक्ति द्वारा विगत कई वर्षों से पान ठेले की आड़ में सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक घर से अवैध शराब और नशीली पदार्थ बेचे जा रहे हैं। शिवसेना का आरोप है कि इस कारण कक्षा 1 से 5 तक पढ़ने वाले नन्हे बच्चों पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। विद्यालय परिसर की बाउंड्री के अंदर और छत पर बैठकर लोग शराब पीते हैं। शराब की बोतलें, डिस्पोजल और अंडे के छिलके स्कूल परिसर में ही फेंक दिए जाते हैं। धार्मिक और सामाजिक आस्था को ठेस पत्र में यह भी कहा गया है कि ठेले के ठीक सामने मां नर्मदा मढ़ीया विराजमान है। वहां शराब पीना और मीट-मसाला खाना धार्मिक और सामाजिक रूप से गलत है। साथ ही ठेले में बिजली चोरी कर कनेक्शन लिया गया है और नीचे अर्थिंग कर दी गई है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। शिकायतकर्ता ने कहा "उस ठेले पर एक भी पान का पत्ता नहीं मिलता"।

प्रशासन से मांग

शिवसेना नगर अध्यक्ष केशव यादव ने थाना प्रभारी से मांग की है कि अवैध ठेले को तुरंत बंद कराकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि बच्चों का भविष्य और गांव का माहौल सुरक्षित रह सके। थाना प्रभारी ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है और मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान हमारा लक्ष्य-एबनेजर

पीटीए की पहली बैठक में अभिभावकों से हुआ संवाद

समाज जागरण विजय तिवारी

शहडोल। सेंट जूडस क्रिश्चियन मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को अभिभावक शिक्षक संघ(पीटीए) की प्रथम बैठक हुई। अभिभावकों से संवाद करते हुए स्कूल के संचालक एबनेजर सैमुअल ने कहा कि हमारा उद्देश्य लाभ कमाना नहीं बल्कि बच्चों को श्रेष्ठ और अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराकर बेहतर भविष्य का निर्माण करना है। उन्होंने कहा हमारा मानना है, कि श्रेष्ठ छात्र ही अच्छे राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम छात्रों को अनुशासन के साथ ऐसी शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं, कि इनमें से आगे चलकर कोई भारतीय प्रशासनिक सेवा, कोई डॉक्टर, कोई इंजीनियर तो कोई अन्य अन्य प्रोफेशन में जाएगा। संचालक एबनेजर सैमुअल ने कहा कि तब आप अभिभावकों को भी गर्व महसूस होगा कि आपने अपने बच्चों को हमारी स्कूल में पढ़ाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह इस तरह की बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने भविष्य की कार्य योजना की भी जानकारी दी। बहुत बड़ी संख्या में अभिभावकों द्वारा फीस नहीं जमा किए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने सहयोग की अपील भी की। संचालक श्री सैमुअल ने कहा कि स्कूल ही नहीं यदि आपको कभी भी जरूरत महसूस हो तो आप हमें याद करें, हम आपके साथ खड़े मिलेंगे। उन्होंने बताया कि संचार तकनीकी को देखते हुए स्कूल में पढ़ाई के लिए नई तकनीक भी लाई जा रही है। उन्होंने कई और बिंदुओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

शहडोल के प्रतिष्ठित नागरिक अरुण अग्रवाल ने संवाद करते हुए कहा कि बच्चों के बेहतर माहौल के लिए अभिभावकों को भी बच्चों पर ध्यान देना चाहिए। स्कूल के विकास को दृष्टिगत रखते हुए एक कोर कमेटी का भी बैठक में गठन किया गया। बैठक में कई अभिभावकों ने भी अपने-अपने सुझाव दिए।बैठक में स्कूल की प्राचार्य श्रीमती डेजी एबनेजर, उप प्राचार्य राजकुमार और शिक्षक मर्सिया जूट सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और स्कूल के शिक्षक उपस्थित रहे।

कालांवाली जैन स्थानक में आध्यात्मिक संदेशों की गूंज:- महासाध्वी श्री सुधा जी महाराज

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) कालांवाली के जैन स्थानक में आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी श्री सीयल जी महाराज ने भगवान महावीर स्वामी की वाणी का सार प्रस्तुत करते हुए कहा कि "आत्मा ही कर्ता है और आत्मा ही भोगता है। मनुष्य स्वयं ही अपना मित्र है और स्वयं ही अपना शत्रु है।" उन्होंने कहा कि संसार की कोई भी वस्तु मनुष्य को न तो दुखी कर सकती है और न ही सुखी, बल्कि उसके विचार और कर्म ही उसके सुख-दुख का कारण बनते हैं।

उन्होंने कहा कि आज छोटी-छोटी परेशानियों के कारण लोग चिंता में डूब जाते हैं। सास-बहू, परिवार और रिश्तों के बीच बढ़ती दूरियां भी इसी मानसिकता का परिणाम हैं। ऐसे समय में चिंता को त्यागकर चिंतन का मार्ग अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई परेशानी या बीमारी आती है तो लोग धर्म और ध्यान से दूर हो जाते हैं, जबकि धर्म की शरण ही जीवन की कठिनाइयों से मुक्ति दिला सकती है।

साध्वी श्री सीयल जी महाराज ने कहा कि आज मनुष्य परिवार, मित्रों और रिश्तेदारों के मोह में उलझकर अपनी आत्मा की उपेक्षा कर रहा है। यदि शरीर के साथ आत्मा को भी उचित खुराक नहीं मिलेगी, तो मनुष्य संसार के बंधनों में बार-बार उलझता रहेगा। उन्होंने कहा कि गुरु ही वह मार्गदर्शक हैं, जो जीवन के अंधकार से बाहर निकलने का रास्ता दिखाते हैं। इसलिए संतों और गुरुओं की संगति अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर उत्तर भारतीय प्रवर्तिनी महासाध्वी श्री सुधा जी महाराज का अवतरण दिवस कालांवाली जैन स्थानक में अत्यंत सादगी और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस आयोजन को द्विदिवसीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने गुरुणी जी के नाम का जाप किया तथा स्थानीय कन्या विद्यालय में विद्यार्थियों को पेन, कॉपियां और अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान साध्वी श्री श्रेष्ठा जी महाराज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई में अच्छे अंक प्राप्त करने के साथ-साथ जीवन में विनम्रता, संस्कार और अनुशासन का होना भी बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विनम्र व्यक्ति हर स्थान पर सम्मान प्राप्त करता है, ठीक उसी प्रकार जैसे पानी हर जगह अपना मार्ग बना लेता है। उन्होंने युवाओं को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संदेश दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष संदीप जैन, ज्ञानचंद जैन, साईं दास सेतिया, पूर्णचंद जैन, कपिल यादव, सुरेश युरसा, अंकुर गुप्ता, जोरा जैन, ओमप्रकाश सैनी, जगदीश राय जैन, लवली कुमारी, ईस कुमार, प्रेम जैन, सुखदेव क्षोरड़, महिला मंडल की सरोज जैन, रीटा जैन, सुलेखना जैन, मीनू जैन, मालती जैन, वबीता जैन, बबली गर्ग, कमलेश रानी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। यह आयोजन श्रद्धा, सेवा, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का अनुपम संगम बन गया।

सय्यद फिरासत हुसैन जैदी के सेवानिवृत्त होने पर हेड आफिस में विदाई समारोह आयोजित

सय्यद फिरासत हुसैन जैदी अल नजीब कंपनी मंडी समिति शाखा में सीनियर कैशियर पद पर कार्यरत थे

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद। अल नजीब मिल्ली म्यूचवल बैनेफिट निधि लिमिटेड नजीबाबाद शाखा मंडी समिति में सीनियर कैशियर पद पर कार्यरत सय्याद फिरासत हुसैन जैदी को सेवानिवृत्त होने पर कामयाब और सुखमय जिंदगी की दुवाओ के साथ कर्मचारियो ने तोहफे भेट कर विदाई दी। शुक्रवार को मौहल्ला रमपुरा स्थित अल नजीब मिल्ली म्यूचवल बैनेफिट निधि लिमिटेड नजीबाबाद के हेड आफिस में हुए विदाई समारोह कार्यक्रम में कोटद्वार रोड़ स्थित शाखा मंडी समिति में सीनियर कैशियर के पद पर कार्यरत सय्याद फिरासत हुसैन जैदी को सेवानिवृत्ति पर अल नजीब मिल्ली म्यूचवल बैनेफिट निधि लिमिटेड के कर्मचारियो की ओर से भावभीनी विदाई उन्हे तोहफे, शॉल ओढाकर व फूलो की मालाए पहना कर दी गई।

इस अवसर पर अल नजीब मिल्ली म्यूचवल बैनेफिट निधि लिमिटेड नजीबाबाद के पूर्व एमडी व जनरल मैनेजर काजी गय्यूरूल हक बिलाल ने कहा कि सय्यद फिरासत हुसैन जैदी का संपूर्ण कार्यकाल कंपनी हित में रहा उन्होने पूरी मेहनत, ईमानदारी के साथ कंपनी को अपनी सेवाएं दी। कंपनी के पर्सनल सैक्शन इंचार्ज सय्यद नईमुल हसन ने कहा कि आज दुःख और खुशी दोनों का दिन है सय्यद फिरासत हुसैन कंपनी से सेवानिवृत्त हो रहे है ये हमारे लिये दुख की बात है कि एक हमारा सीनियर साथी हम से जुदा हो रहा है मगर खुशी इस बात की है कि उन सेवाकाल कंपनी में बहुत बढिया रहा। काजी हिलाल ने कहा कि सय्यद फिरासत हुसैन जैदी कैशियर के पद पर कार्यरत शाखा में अपना कार्यकाल मेहनत ईमानदारी और खुश अखलाक रह कर गुजाऱा । शाखा के सभी कर्मचारियो और खातेदारो से उन का व्यवहार बेहद मधुर रहा। उन्होने शाखा को वक्त के साथ साथ अपने नेक मशवरे भी समय समय पर दिये। में उन के सेवानिवृत्त होने पर होने पर उन के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

विदाई समारोह को पूर्व सीनियर कर्मचारी इकबाल फारूकी, जमील अहमद, लईक चौधरी, पूर्व डायरेक्टर डॉक्टर वसीम बारी व एकाउंट सैक्शन इंचार्ज इकरामुल हक सैफी, शेयर सैक्शन इंचार्ज सईद सिद्दीकी, शादाब जफर, शहजाद नोमानी आदि ने संबोधित किया।

विदाई समारोह में कंपनी डायरेक्टर काजी रजाऊल हक रवि, सैलरी इंचार्ज सरवर अली, पूर्व सीनियर कर्मचारी याकूब खान,रमपुरा शाखा प्रबंधक शमशाद अहमद, पठानपुरा शाखा प्रबंधक यासीन अहमद, भनेडा शाखा प्रबंधक सय्यद आजम अली, मुरादाबाद शाखा प्रबंधक इरफान ताहिर, मंडावली शाखा प्रबंधक मजाहिर नसीम, रशीद अहमद कैशियर अब्दुल रहमान उर्फ भूरा, पूर्व कर्मचारी वकील अहमद, कोटद्वार शाखा प्रबंधक शहजाद नोमानी, शाखा मंडी समिति प्रबंधक इकरार अहमद, ईडीपी सैक्शन इंचार्ज मिर्जा शकील बेग, साहनपुर शाखा प्रबंधक मौहम्मद अजीम़, मौहम्मद याकूब, ईडीपी से मौहम्मद आरिफ, मौहम्मद सालिम, मौहम्मद जाकिर, परवेज खान, काजी मुख्तार, मौहम्मद कासिम, नसीम उस्मानी, समीर खान, मौहम्मद सुहेल सैफी, सरफराज, नौशाद सैफी, इकबाल अहमद, नईम अहमद, नदीम अहमद, मौहम्मद जाकिर, अमीकू फारूकी, मौहम्मद साबिर, नौशाद अहमद, चचा नईमुद्दीन, अब्दुल मन्नान, पूर्व

कर्मचारी मौहम्मद आलम, आबाद अहमद, सय्याद अर्श अली आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत मे हेड आफिस की ओर से मेहमानो के लिए शूक्ष्म जलपान का आयोजन भी किया गया। विदाई समारोह की अध्यक्षता कंपनी के पूर्व एमडी व जनरल मैनेजर काजी गय्यूरूल हक बिलाल ने की व संचालन एडवोकेट नसीम आलम ने किया।

जिले के गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ फौजी चैरिटेबल डिस्पेंसरी का भव्य उद्घाटन

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद। हर्षवाड़ा रोड स्थित शकूर नगर में शनिवार को अंजुमन इदरीसिया ट्रस्ट द्वारा स्थापित फौजी चैरिटेबल डिस्पेंसरी का भव्य उद्घाटन एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। डिस्पेंसरी की स्थापना डॉ. रफत हुसैन द्वारा की गई है, जबकि उद्घाटन समारोह मेजर दानिश फारूकी के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद के पौत्र श्री जमील आलम रहे। डिस्पेंसरी का उद्घाटन श्री जमील आलम एवं अंजुमन-ए-इदरीसिया के अध्यक्ष श्री नफीस इदरीसी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके पश्चात महात्मा विदुर पूर्व सैनिक एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद लांबा एवं सचिव सूबेदार यशपाल सिंह ने डिस्पेंसरी का विधिवत शुभारंभ कराया।

इस अवसर पर चेयरमैन मुअज्जम ने श्री जमील आलम को "वीर अब्दुल हमीद द्वार" का अवलोकन कराया, जबकि अपना दल (एस) के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी ने अपने आवास पर उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि फौजी चैरिटेबल डिस्पेंसरी समाज के निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने डॉ. रफत हुसैन की इस जनसेवा भावना तथा मेजर दानिश फारूकी के संरक्षण में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

इस अवसर पर मेजर दानिश फारूकी ने नजीबाबाद के सभी पत्रकार बंधुओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष एवं जनहितकारी पत्रकारिता लोकतंत्र का सशक्त आधार है। पत्रकारों ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसे पत्रकारिता के प्रति सम्मान और समाज के साथ सकारात्मक संवाद की एक सराहनीय पहल बताया।

कार्यक्रम में चेयरमैन खुर्शीद (साहनपुर), चेयरमैन मुअज्जम (नजीबाबाद), चेयरमैन याकूब (जलालाबाद), चेयरमैन जावेद (अफजलगढ़), पूर्व चेयरमैन कीरतपुर काजी तारिक, डॉ. संदीप (पूजा हॉस्पिटल), डॉ. बिन यामीन (HMH), डॉ. रफत हुसैन, डॉ. फरहत, डॉ. साजिद, डॉ. अजीम, चौधरी इशाम (भाजपा नेता), एडवोकेट सुहैल खान, बार अध्यक्ष एडवोकेट कासिम अहमद, एडवोकेट धीरेंद्र, शैलेन्द्र चौधरी (जिला अध्यक्ष, अपना दल-एस), योगेश राणा, महात्मा विदुर पूर्व सैनिक एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद लांबा एवं सचिव सूबेदार यशपाल सिंह, नजाकत अली टक्ट प्रदेश सचिव,मेजर दानिश फारूकी सहित जिले के अनेक गणमान्य नागरिक, चिकित्सक, अधिवक्ता, पत्रकार, पूर्व सैनिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया तथा फौजी चैरिटेबल डिस्पेंसरी के माध्यम से जनसेवा के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया।

नौ दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा, श्रावण मास के प्रथम सोमवार दिनांक 3 अगस्त से होगी प्रारंभ

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद। क्षेत्र के गोविंद नगर कॉलोनी स्थित शिव मंदिर मे पवित्र श्रावण मास में संगीत मय नौ दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा, श्रावण मास के प्रथम सोमवार दिनांक 3 अगस्त 2026 से प्रारंभ होकर 11 अगस्त 2026 को संपन्न होगी। कथा का समय दोपहर 4:00 बजे से 7: 00 बजे तक रहेगा। यह जानकारी कथा वाचक पंडित भोला शंकर शास्त्री ने दी। कथा वाचक पंडित भोला शंकर शास्त्री ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में श्रावण मास में श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण करने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र माह होता है और इस माह में जो कोई भी श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण करता है उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

*सेवा निवृत्त शिक्षक के सेवा सम्मान में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम *

समाज जागरण

सेवा सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक द्वारा विभाग को दी गयी,

कटनी / समीपस्थ ग्राम मतवार पड़ारिया स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में प्रधानअध्यापक पद पर कार्यरत सहायक शिक्षक संपत केवट के सेवा निवृत्ति पर विद्यालय परिवार द्वारा उनके विदाई के उपलक्ष्य में अत्यंत गरिमामयी कार्यक्रमआयोजित हुआ। इस अवसर पर पूरे विद्यालय को सजाया संवारा गया था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका में अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा संघ के प्रांतीय प्रवक्ता कुंवर मार्तण्ड सिँह की गरिमामयी उपस्थिति रही। अध्यक्षता कन्हवारा संकुल प्राचार्य श्री मरकाम द्वारा की गयी।शिक्षक के व्यालिस वर्षों की अनुकरणीय सेवाओं को वक्ताओं द्वाराबारी बारी से याद किया गया। कार्यक्रम का संचालन माध्यमिक शिक्षक प्रमोद गर्ग द्वारा किया गया। सम्मान समारोह में आसपास के विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं के अलावा भारी संख्या में ग्रामीण जनों की उपस्थिति देखने को मिली।अपने प्रिय प्रधानपाठक के विदाई के अवसर पर शाला परिवार के सदस्यों की आँखे नम थीं। सभी उपस्थित जनों द्वारा विदा लेते शिक्षक के उज्जवल भविष्य की सदकामना करते हुये, उन्हें सेवा निवृत्ति के उपरांत एक नई पारी की शुरआत की शुभकामनायें संप्रेषित किये।

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज से मिले भाजपा कार्यकर्ता गगनदीप सिंह

कालांवली के विकास और भ्रष्टाचार पर हुई खुलकर चर्चा

समाज जागरण

चंडीगढ/कालांवाली(सुरेश जोरा सिया) भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता गगनदीप सिंह कालांवाली ने हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने कालांवली गांव और मंडी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। गगनदीप सिंह ने क्षेत्र में सड़क, पेयजल, सफाई व्यवस्था तथा अन्य जनसुविधाओं से संबंधित मुद्दों को मंत्री के समक्ष रखते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया। बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने क्षेत्र के विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि जनता से जुड़े कार्यों को पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई कर विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

गगनदीप सिंह ने इस अवसर पर भ्रष्टाचार के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। गगनदीप सिंह कालांवली ने मंत्री से कहा कि विकास कार्यों एवं किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार जनता के हितों के साथ अन्याय है और इस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने भी स्पष्ट शब्दों में कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की है तथा भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। भेंट के अंत में गगनदीप सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री का समय देने और क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के लिए आभार व्यक्त किया तथा उम्मीद जताई कि कलांवली क्षेत्र के विकास कार्यों को जल्द गति मिलेगी।

श्री गीता सत्संग महिला मंडल के द्वारा शिव एवं माता पार्वती का किया गया पूजन

समाज जागरण

चन्दौसी। सीता रोड स्थित श्री गीता सत्संग भवन में श्री गीता सत्संग महिला मंडल के द्वारा को शिव एवं माता पार्वती की पूजा अर्चना करके सावन मास एवं तीज उत्सव के उपलक्ष्य में एक आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप संयोजिका इंदु अग्रवाल ने बताया तीज का त्योहार केवल धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक नहीं है बल्कि यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर्यावरण के प्रति प्रेम और सामाजिक जुड़ाव का एक अद्भुत वैज्ञानिक उत्सव है।

तीज मुख्य रूप से महिलाओं का त्यौहार है जो सावन भादो में मनाया जाता है इसमें मेहंदी, घेवर और सहेलियों के साथ पारंपरिक गीतों ,झूलो का महत्व है यह श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तीज को मनाया जाता है इस दिन से पार्वती का विवाह हुआ था। शादीशुदा महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए यह व्रत करती हैं शाम को शिवजी और माता पार्वती की पूजा करते हैं ।अध्यक्ष मंजू अग्रवाल ने बताया हरियाली तीज का त्यौहार उस दिन की याद में मनाया जाता है जब शिव ने पार्वती के कई वर्षों के उपवास और तपस्या से प्रसन्न होकर पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया था यह त्यौहार महिलाओं द्वारा अपने पति के प्रति प्रेम और निष्ठा को दशार्ता है। तदोपरांत महिलाएं झूला झूली, सावन की मल्हार आया सावन बड़ा मन भावन, झूला तो पड़ गया अंबा की डालों पर, आया तीज का त्यौहार आदि मल्हारे गाई। तंबोला ,1 मिनट गेम, लकी ड्रा, नृत्य एवं सूक्ष्म जलपान के द्वारा श्रावणमाह, तीज उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ग्रुप के अधिकांश सदस्य उपस्थित रहे ग्रुप संयोजिका इंदु अग्रवाल ,ग्रुप अध्यक्ष मंजू अग्रवाल ,वित्त मंत्री रानी अग्रवाल, मंत्री मीरा अग्रवाल,उप वित्त मंत्री माधुरी अग्रवाल, नेहा बंसल, सीमा, बीना ,अंजू, कमलेश, मनीषा, रेनू,वंदना, पूनम, नीलम, मंजू ,आशा, मीरा नीलम, प्रतिभा, कविता,

बीनू, रूपाली, पवन, रितु, साधना ,सोनिका, प्रीति, अलका ,लता, प्रतिमा, रागिनी,माया, रीता,शशि बाला, अरुणा, उमा, मालती, उषा आदि उपस्थित रही।

कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन हेतु वन विभाग सतर्क

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

बिजनौर 01 अगस्त। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन तथा वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की रोकथाम के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा कांवड़ मार्ग एवं उससे सटे वन क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। यह जानकारी प्रभागीय निदेशक समाजिक वानिकी प्रभाग जयसिंह कुशवाह ने दी।

उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा संवेदनशील वन क्षेत्रों में रात्रिकालीन गश्त (नाइट पेट्रोलिंग) को सुदृढ़ किया गया है। वन कर्मियों की टीमें नियमित रूप से कांवड़ मार्ग एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर रही हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, ड्रोन के माध्यम से निगरानी (ड्रोन सर्विलांस) की व्यवस्था की गई है, जिससे कांवड़ मार्ग एवं वन क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा सके तथा किसी भी संभावित समस्या की समय रहते पहचान कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। कांवड़ यात्रियों, स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित यात्रा के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है कि वे निर्धारित कांवड़ मार्ग का पालन करें, वन क्षेत्रों में अनावश्यक प्रवेश न करें तथा पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

उन्होंने बताया कि वन विभाग की टीमें कांवड़ यात्रा के दौरान निरंतर सक्रिय हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस, प्रशासन एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि वन विभाग सभी श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील करता है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा वन्यजीवों की असामान्य गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम वन अधिकारी अथवा प्रशासन को दें।

उन्होंने बताया कि वन विभाग का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाना है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के अपनी धार्मिक यात्रा सकुशल संपन्न कर सकें।

नजीबाबाद तहसीलमें सम्पूर्ण समाधान दिवस, CDO की अध्यक्षता में 22 शिकायतें प्राप्त

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए तहसील नजीबा बाद परिसर स्थित दुष्यंत सभागार में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी सीडीओ रण विजय ने की। समाधान दिवस में कुल 22 जन शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें राजस्व विभाग से 11, पुलिस विभाग से 6, विकास विभाग से 6, स्वास्थ्य विभाग से 1 और अन्य विभागों से 5 शिकायतें शामिल थीं। अधिकारियों ने एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश सीडीओ रण विजय ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली हर जन समस्या का जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए और पीड़ितों को तहसील-ब्लॉक के चक्कर न लगाने पड़े।

इस अवसर पर एसपी सिटी बिजनौर डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह, एसडीएम नजीबाबाद शैलेंद्र कुमार, तहसीलदार नजीबाबाद संतोष कुमार, नायब तहसीलदार ममता यादव, नजीबाबाद खंड विकास अधिकारी दीपक तेवतिया सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएवी पब्लिक स्कूल खड़िया में फर्स्ट-एड एवं सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

विद्यार्थियों ने सीखा आपात स्थिति में जीवन बचाने का हुनर, प्राथमिक उपचार का कराया गया व्यावहारिक प्रदर्शन

समाज जागरण/ अकबर अली

शक्तिनगर/ सोनभद्र। डीएवी पब्लिक स्कूल खड़िया में एनसीएल खड़िया परियोजना के तत्वावधान में सेफ्टी ट्रेनिंग के द्वितीय चरण के अंतर्गत फर्स्ट-एड एवं सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार एवं जीवन रक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में खड़िया परियोजना के नोडल ऑफिसर श्री अमरेंद्र जी एवं चिकित्सा अधिकारी श्री पांडेय जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ एआरओ/प्राचार्या श्रीमती संध्या एल. पांडेय ने किया।

अपने संबोधन में प्राचार्या ने कहा कि प्राथमिक उपचार जीवन रक्षा की प्रथम कड़ी है। जीवन बहुमूल्य है और इसे सुरक्षित रखना हमारी पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने स्वस्थ शरीर को स्वस्थ मस्तिष्क के विकास का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा सातवीं एवं आठवीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। खड़िया परियोजना के चिकित्सा अधिकारी श्री पांडेय ने विद्यार्थियों को फर्स्ट-एड एवं सीपीआर के साथ-साथ विभिन्न आपात स्थितियों में किए जाने वाले प्राथमिक उपचार की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को जलने पर प्राथमिक उपचार, हड्डी टूटने की स्थिति में उपचार, रक्तस्राव रोकने के उपाय, कुत्ते के काटने पर प्राथमिक उपचार तथा पल्स रेट की जांच सहित कई महत्वपूर्ण विषयों के बारे में बताया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को विभिन्न प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया, जिससे वे आपात स्थिति में सही कदम उठा सकें। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को फर्स्ट-एड से संबंधित पुस्तक एवं प्राथमिक उपचार किट भी प्रदान की गई। प्रशिक्षण को विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया गया। विद्यालय परिवार ने इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए एनसीएल खड़िया परियोजना का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, सुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों में दूसरों की सहायता करने की भावना को और मजबूत किया।

मछली पकड़ने गए अधेड़ पर मगरमच्छ का हमला, गंभीर रूप से घायल

चोपन थाना क्षेत्र के करगरा गांव की घटना, जिला अस्पताल रेफर

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत करगरा में शनिवार सुबह करीब 6 बजे मछली पकड़ने गए एक अधेड़ पर विशाल मगरमच्छ ने हमला कर दिया।घटना में अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की बहादुरी से उसकी जान बच सकी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करगरा निवासी लल्लू केवट (60 वर्ष), पुत्र राम प्यारे शनिवार सुबह में मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान लगभग आठ फीट लंबे मगरमच्छ ने उन पर हमला कर अपने जबड़ों में जकड़ लिया।मगरमच्छ के चंगुल में फंसे लल्लू केवट ने शोर मचाया, जिसे सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण अरविंद्र, जितन और लालू मौके पर पहुंचे।ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से मगरमच्छ पर प्रहार किया, जिसके बाद मगरमच्छ घायल लल्लू केवट को छोड़कर पानी में चला गया। ग्रामीणों ने गंभीर रूप से घायल लल्लू केवट को बाहर निकाला और घटना की सूचना ग्राम प्रधान फूल कुमार को दी। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन पहुंचाया। सीएचसी में तैनात चिकित्सक डॉ. अर्जुन कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। उन्होंने बताया कि मगरमच्छ के हमले में लल्लू केवट के शरीर पर कई गंभीर घाव हैं, जिन पर टांके लगाए गए हैं। स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घायल के परिजनों ने वन विभाग से घटना का संज्ञान लेकर उचित मुआवजा और पीड़ित परिवार को सहायता प्रदान करने की मांग की है। वहीं घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने नदी किनारे मगरमच्छों की बढ़ती मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग भी की है।

सेवानिवृत्ति के बाद दूसरो का सहारा बनना ही जीवन की संपूर्णताः अमित कुमार पांडेय

सहायक आयुक्त कार्यालय के अबरार बाबू की हुई भावभीनी विदाई

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। स्थानीय सहायक आयुक्त कार्यालय के बड़े बाबू अबरार अहमद का सेवानिवृत्ति समारोह बैंक सभागार मे सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के अधिकारियो और कर्मचारियो ने समारोह पूर्वक उन्हे भावभीनी विदाई दी। समारोह की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त एवं उपनिबंधक अमित कुमार पांडे ने कहा कि अबरार बाबू मे साहस और जानकारी के गुण

पहले से विद्यमान थे मगर सहकारिता विभाग मे उन्होने स्नेह के आपसी समझ और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना कायम की। अपने नये जीवन मे वे सहारों का सहारा बनें तथा जीवन के भंवर मे किनारा बने ,यही मेरी शुभकामना है। उप आयुक्त ने सेवानिवृत्त कर्मचारी के स्वस्थ और सुखी जीवन की मंगलकामना की।संचालन करते हुए एडीसीओ दुद्धी अजय कुमार ने कहा कि चार साल का साथ चार सदी के परिचय से बढ़कर कब हो गया , इसका आभाष ही नही हुआ। उन्होने कहा कि अबरार बाबू के साथ हर जरूरत के वक्त विभाग और विभागीय अधिकारी हमेशा खड़े रहेंगे। समारोह मे एडीसीओ सदर निर्मल मौर्य ने कहा कि मात्र एक महीने के सानिध्य ने मुझे अबरार बाबू के शख्सियत को जानने समझने का जो अवसर दिया वह आइंदा जिंदगी मेरे साथ यादगार बन कर रहेगा। एडीसीओ घोरावल डाक्टर सुरेश कुमार ने बड़े बाबू के साथ बिताये गये क्षणों को याद करते हुए उनकी जानकारी और सहयोगी स्वभाव की प्रशंसा की।मुख्य अतिथि अबरार बाबू ने समारोह मे शुभकामनाए देने वालो का आभार व्यक्त किया और अनुज साथियो का इस भावुक समारोह के आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

समारोह मे एडीसीओ कृष्णमुरारी त्रिपाठी, पूर्व एडीसीओ अनर्मा प्रसाद जिला प्रबंधक पीसीएफ सोनभद्र, एडीओ मनोज कुमार, श्रीचंद, संतेश राय, विनोद मौर्य, आलोक शेखर, सचिव यूनियन के जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, अमित कुमार गौतम,प्रदीप सिंह,महेंद्र पटेल, सुमन सिंह,महेश मौर्य, इत्यादि ने भी सेवानिवृत्त लेखाकार के संबंध मे अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्हे दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएँ दी।

मॉर्निंग वॉक पर महिला से चेन लूटने वाला शातिर चढ़ा पुलिस के हत्थे

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। स्थानीय पुलिस ने चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की सोने की चेन बेचकर मिले ₹42,170 नकद और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज किया गया है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर चोरी की घटनाओं के खुलासे एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार और क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता के नेतृत्व में चोपन पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने थाना चोपन पर दर्ज मुकदमा संख्या 170/2026 (धारा 304(2), 317(2) बीएनएस) से संबंधित वांछित अभियुक्त खुर्शीद आलम उर्फ कोर्शीद आलम (36 वर्ष) को शनिवार को रॉबर्ट्सगंज कचहरी चौक गेट के पास से गिरफ्तार किया। वह सेवा सदन बाड़ी डाला (मस्जिद के पास) का निवासी है और वर्तमान में ग्राम वर्दिया, थाना चोपन में रहता है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने सोने की चेन बेचकर प्राप्त ₹42,170 नकद बरामद किए। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी बरामद कर धारा 207 मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 9 मई 2026 को हुई थी। डाला निवासी मुद्रिका सेठ ने थाना चोपन में तहरीर देकर बताया था कि उनकी पत्नी प्रभा देवी सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। इसी दौरान वीरवल के घर के पास बाइक सवार बदमाश उनकी सोने की चेन छीनकर फरार हो गया था।

घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई और उसे गिरफ्तार कर घटना का सफल खुलासा कर दिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी पर चोरी और गैंगस्टर एक्ट सहित तीन आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

आटो रिक्शा स्वामियों का बड़े पैमाने पर हो रहा उत्पीड़न

रिकवरी प्रबंधन एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा किया जा रहा परेशान

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद में बेरोजगारी का दंश झेल रहे आटो रिक्शा संचालकों का एक ओर जहां पुलिस प्रशासन चालान के नाम पर आर्थिक दोहन एवं मानसिक उत्पीड़न कर रही है,वहीं दूसरी ओर आटो फाइनेंस करने वाली फाइनेंसर कंपनी से जुड़े लोग भी किश्त जमा करने के नाम पर अत्यधिक तंग कर रहे हैं। जिसके

कारण आटो रिक्शा संचालक एवं चालक मानसिक और आर्थिक रूप से काफी परेशान रहते हैं।

बताते है कि जनपद के आटो रिक्शा एजेंसी के संचालक कुछ धनराशि अग्रिम जमा कराकर तीन वर्ष तक मासिक किस्त पर आटो रिक्शा लेने वालों को उपलब्ध करा देते है। विषम परिस्थितियों में आटो रिक्शा मालिक समय से एक या दो किस्त नहीं भर पाए तो आटो रिक्शा एजेंसी के रिकवरी (फाइनेंसर) प्रबंधन द्वारा बिना किसी नोटिस जारी किए आटो रिक्शा अपने गैरेज में उठवा ले जा रहे हैं और वही आटो रिक्शा पुनः रुपए लेकर बिना पहले वाले मालिक का नाम निरस्त किए दूसरे को बेच दे रहे हैं। ऐसी दशा में आटो रिक्शा स्वामियों में असंतोष व्याप्त है। सूत्रों की माने तो आटो रिक्शा वालों को पुलिस द्वारा भी भारी भरकम जुमार्ना चालान के नाम पर आर्थिक दोहन किया जा रहा है। जिसके कारण आटो रिक्शा स्वामियों को एक तरफ जहां किस्त जमा करने का बोझ रहता है वहीं दूसरी तरफ ट्रैफिक पुलिस द्वारा अनावश्यक रूप से बार -बार चालान कर भारी भरकम जुमार्ना लगाया जा रहा है। जिसके कारण बेरोजगार युवाओं को अत्यंत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।इस तरह की दोहरी मार से आटो रिक्शा चालक एवं संचालक सभी काफी परेशान हैं।बेरोजगारी दूर होने को कौन कहे अपना खर्च निकालना मुश्किल हो गया है।

ऐसी दशा में जनपद के लोक प्रिय जिलाधिकारी चर्चित गौंड का ध्यान इस तरफ आकृष्ट कराते हुए समुचित निराकरण कराए जाने की मांग किया गया है ताकि ऑटो संचालक राहत की सांस ले सकें।

सम्पूर्ण समाधान दिवसः चारों तहसीलों में 325 शिकायतें, 33 का मौके पर निस्तारण

ब्यूरो चीफ/ समाज जागरण

सोनभद्र। शासन के निदेर्शानुसार अगस्त माह के प्रथम शनिवार को जिले की चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। दुद्धी तहसील में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से फीडबैक अवश्य लिया जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि समस्या का वास्तविक समाधान हुआ है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण की गंभीरता से जांच कर निर्धारित समय सीमा में निस्तारण आख्या प्रस्तुत करें। दुद्धी तहसील में कुल 89 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 08 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष 81 मामलों को समयबद्ध ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। रॉबर्ट्सगंज तहसील में उप

जिलाधिकारी आशीष कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 85 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें 10 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि 75 प्रकरणों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए भेजा गया। ओबरा तहसील में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 86 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें 07 मामलों का तत्काल निस्तारण किया गया तथा 79 मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। घोरावल तहसील में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी एवं उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 65 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें 08 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि 57 शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के

निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जिले की चारों तहसीलों में कुल 325 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 33 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित सभी शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

दुद्धी की परियोजनाओं पर डीएम की पैनी नजर , गुणवत्ता और सुरक्षा पर विशेष जोर

ब्यूरो चीफ/ समाज जागरण

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के साथ दुद्धी क्षेत्र की विभिन्न निमार्णाधीन एवं संचालित सरकारी परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था और समयबद्ध प्रगति का जायजा लिया। अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि निर्माण कार्यों में लापरवाही या मानकों की अनदेखी पाई गई तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण की शुरूआत तहसील दुद्धी स्थित आवासीय परिसर से हुई। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए

बाउंड्री वॉल निर्माण का तत्काल एस्टीमेट तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर में प्राथमिकता के आधार पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए, ताकि सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। इसके बाद जिलाधिकारी ने राजकीय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज, दुद्धी में निमार्णाधीन अतिरिक्त कक्षों का निरीक्षण किया। कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी को निर्देश दिया कि सितंबर माह तक सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ हर हाल में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट फोटोग्राफ सहित उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के छात्रावास में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने निर्माण सामग्री की जांच करते हुए कार्य को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही छात्राओं के खेल एवं शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए परिसर में खाली स्थान पर बैडमिंटन कोर्ट विकसित कराने को कहा। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय एवं ट्रांजिट हॉस्टल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि शेष कार्य एक सप्ताह के भीतर पूरा कर ट्रांजिट हॉस्टल को हैंडओवर कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। छात्रावास में साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और छात्रों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। दौरे के अंतिम चरण में जिलाधिकारी ने भाऊराव देवरस महाविद्यालय परिसर में निमार्णाधीन हेलीपैड का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिया कि हेलीपैड का निर्माण निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित निर्माण एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संत पाल वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडे, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आयोजित विशेष कैंप में होगा विद्युत बिल संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान

विद्युत विभाग उपभोक्ताओं को पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध - ओ.पी. गुप्ता

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। विद्युत वितरण खंड राबर्ट्सगंज के तत्वावधान मे दिनांक 01 अगस्त 2026 से आगामी दिनांक 31अगस्त 2026 तक समय प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक बिल संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से खंडीय / उपखंडीय कार्यालयों पर विशेष कैम्प आयोजित किए जाएंगे।

इस आशय की जानकारी देते हुए अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खंड ओ.पी.गुप्ता ने बताया कि इन कैम्पों में उपभोक्ताओं की विद्युत बिलों से संबंधित विभिन्न समस्याओं जैसे बिल संशोधन, मीटर रीडिंग संबंधी त्रुटियां, बिल होल्ड, बिल सुधार, नाम एवं पता संशोधन, गलत बिलिंग तथा अन्य वाणिज्यिक शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने सभी सम्मानित उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे अपने विद्युत बिल, उपभोक्ता

संख्या एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर संबंधित कार्यालय में आयोजित कैम्प में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करे। विद्युत विभाग उपभोक्ताओं को पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं की समस्याओं का मौके पर हीं अधिकतम निस्तारण सुनिश्चित करना है।

दहेज की मांग बनी मौत की वजह? तीन बच्चों की मां की संदिग्ध मौत से मचा हड़कंप

समाज जागरण

झिंझाना।(फुरकान जंग) थाना क्षेत्र के गांव लव्वा दाउदपुर में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से गांव में सनसनी फैल गई। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलते ही पुलिस, फोरेंसिक टीम और अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।मृतका की पहचान ममता के रूप में हुई है। उसके पिता रामकुमार ने बताया कि ममता का विवाह गांव लव्वा दाउदपुर निवासी लोकिन्दर के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर ममता का लगातार उत्पीड़न किया जाता था।परिजनों के अनुसार देर रात ममता के जेठ का फोन आया कि उनकी बेटी की मौत हो गई है और तुरंत गांव पहुंचने को कहा गया। जब परिवार रात करीब तीन बजे ससुराल पहुंचा तो ममता का शव घर में पड़ा मिला, जबकि आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग वहां से जा चुके थे। इसके बाद परिजनों ने डायल-112 पर सूचना दी।मृतका के पिता का आरोप है कि ममता के मुंह से खून निकल रहा था, जिससे उन्हें जहर देकर हत्या किए जाने की आशंका है। वहीं मृतका की छोटी बहन ने भी आरोप लगाया कि कुछ माह पहले दहेज की मांग को लेकर ममता के साथ मारपीट की गई थी। उस समय वह उसे मायके ले आए थे, लेकिन रिश्तेदारों के समझाने पर वह दोबारा ससुराल चली गई थी।ममता अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गई है। मां की मौत के बाद बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृतका के पिता, भाई और बहन ने ससुराल पक्ष के सभी आरोपितों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने

घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कसाना का कहना है कि परिजनों की तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के निष्कर्ष आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डीएम एवं एसपी ने दिखाई संवेदनशीलता, सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल पहुंचाया अस्पताल

ब्यूरो चीफ/ समाज जागरण

सोनभद्र। सम्पूर्ण समाधान दिवस, दुद्धी में प्रतिभाग करने के लिए जाते समय गुरमुरा के समीप सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को देखकर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। दोनों अधिकारियों ने तत्काल अपना काफिला रुकवाकर घायल व्यक्ति का हालचाल जाना और बिना किसी विलंब के अपने स्कॉर्ट वाहन से उसे निकटवर्ती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाकर उपचार सुनिश्चित कराया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायल व्यक्ति को आवश्यक चिकित्सीय सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं तथा उपचार में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की त्वरित कार्रवाई से घायल को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी। मौके पर उपस्थित लोगों ने दोनों अधिकारियों की तत्परता, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण की सराहना की।

पटना के बाढ़ में कोरारी गांव से दो मासूम बच्चे रहस्यमय तरीके से लापता 72 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बाढ़ अंतर्गत बेलछी प्रखंड के बेलछी थाना क्षेत्र के कोरारी गांव से दो मासूम बच्चों के अचानक गायब होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना को 72 घंटे से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक बच्चों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में भारी चिंता और आक्रोश का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, 10 वर्षीय करण कुमार और 11 वर्षीय अमरजीत कुमारी रोज की तरह मध्य विद्यालय कोरारी पढ़ने के लिए घर से निकले थे। विद्यालय उनके घर से लगभग एक किलोमीटर दूर है। परिजनों के मुताबिक, जब दोनों बच्चे कोरारी पेट्रोल पंप के पास पैक्स भवन के समीप पहुंचे, तो एक अज्ञात बाइक सवार युवक उन्हें अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर आगे निकल गया। इसके बाद से दोनों बच्चों का कोई अता-पता नहीं है। दिन बीतने के साथ ही बच्चों के सकुशल लौटने की उम्मीदें धूमिल होती जा रही हैं। बच्चों के इस तरह गायब होने से उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में भय का माहौल है और ग्रामीण लगातार पुलिस प्रशासन से बच्चों की जल्द से जल्द सकुशल बरामदगी की मांग कर रहे हैं। इस घटना को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए बेलछी थाना पुलिस एक्शन मोड में है। थानाध्यक्ष नवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस आसपास के इलाकों और मार्गों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि बाइक सवार संदिग्ध की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी सेल की मदद से बच्चों की तलाश के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

श्रावणी मेला 2026 में बिना टिकट एसी कोच में यात्रा नहीं कर पाएंगे कांवरिया जीआरपी और रेलवे प्रशासन अलर्ट

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला को लेकर रेल मार्ग से सुल्तानगंज जाने वाले शिवभक्त कांवरियों की भीड़ अब पटना जंक्शन और राजेंद्र नगर टर्मिनल पर उमड़ने लगी है। राजधानी और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन स्टेशनों पर पहुंचकर ट्रेन बदल रहे हैं और सुल्तानगंज के लिए रवाना हो रहे हैं। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे और जीआरपी ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस बार बिना आरक्षण और बिना टिकट किसी भी कांवरिया को एसी कोच में यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।जीआरपी अधिकारियों के अनुसार, श्रावणी मेला के दौरान ट्रेनों में भारी भीड़ रहती है। पिछले वर्षों में यह देखा गया है कि जनरल और स्लीपर कोच भरने के बाद कांवरिया एसी कोच में चढ़ जाते हैं, जिससे आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को अपनी सीटों तक पहुंचने में भारी कठिनाई होती है। इस समस्या से निपटने के लिए इस बार विशेष रणनीति बनाई गई है। पटना रेल जिले में 157 अतिरिक्त रेल पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। इनकी मुख्य जिम्मेदारी एसी कोचों की निगरानी करना, बिना टिकट यात्रियों को रोकना और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह तैनाती चौबीसों घंटे अलग-अलग शिफ्टों में की गई है। इसके अलावा, पटना जंक्शन और राजेंद्र नगर टर्मिनल पर सादे लिबास में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं जो जेबकतरों और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखेंगे। श्रद्धालुओं का कहना है कि वे जत्थों में यात्रा कर सुल्तानगंज पहुंचेंगे, जहां उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर 105 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा के बाद देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम और बासुकीनाथ धाम में जलाभिषेक करेंगे। मेला शुरू होने के साथ ही पटना जंक्शन और राजेंद्र नगर टर्मिनल का पूरा परिसर 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा है। रेलवे प्रशासन का कहना है कि कांवरियों की आस्था और आरक्षित यात्रियों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए इस बार सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त रहेगी।

पटना में यातायात पुलिस की मुस्तैदी से टली बड़ी अनहोनी

बच्चों को जबरन ई-रिक्शा में बैठाने वाला चालक गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दीघा थाना क्षेत्र में यातायात पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी घटना टल गई। एक ई-रिक्शा चालक ने दो मासूम बच्चों को जबरन अपने वाहन में बैठाने की कोशिश की, लेकिन बच्चों की सूझबूझ और पुलिस की मुस्तैदी से आरोपी मौके पर ही दबोचा गया। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी ई-रिक्शा चालक बच्चों को जबरन गाड़ी में बैठा रहा था। बच्चों के शोर मचाने और विरोध करने पर आरोपी घबरा गया और वहां से भागने की कोशिश करने लगा। रोते-बिलखते बच्चे तुरंत पास ही तैनात यातायात पुलिसकर्मियों के पास पहुंचे और भाग रहे चालक की तरफ इशारा

कर उसकी पहचान कराई। बच्चों की बात सुनते ही यातायात पुलिस के जवानों ने बिना एक पल गंवाए मुस्तैदी दिखाई और भाग रहे ई-रिक्शा चालक को खदेड़ कर धर दबोचा। इसके बाद आरोपी को यातायात बूथ पर सुरक्षित बैठाया गया। पुलिस ने बच्चों के स्कूल आई-कार्ड की मदद से उनके परिजनों से संपर्क किया और उन्हें तुरंत मौके पर बुलाया। साथ ही, दीघा थाना और डायल-112 की टीम को भी इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने बच्चों और पकड़े गए ऑटो चालक (शिव शंकर प्रसाद) को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए दीघा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ के दौरान आरोपी चालक अपनी संलिप्तता से लगातार इनकार कर रहा है। उसने पुलिस को सफाई दी है कि वह बच्चों को सड़क से हटाने का प्रयास कर रहा था, जिससे वे डर गए। फिलहाल, दीघा थाना पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पटना के दानापुर में बिहार रेजिमेंट केंद्र में धूमधाम से मनाया गया 24वीं राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन का 33वां स्थापना दिवस

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर स्थित बिहार रेजिमेंट केंद्र में 24वीं राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन (बिहार) का 33वां स्थापना दिवस बेहद उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। यह खास दिन उन वीर जवानों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर भी रहा, जिन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया है। इस बटालियन की स्थापना 1 अगस्त 1994 को कर्नल उमेद सिंह के कुशल नेतृत्व में की गई थी। स्थापना के बाद से ही इस बटालियन ने अपने उत्तरदायित्वों को पूरी निष्ठा, समर्पण और अनुशासन के साथ निभाया है। उग्रवाद-विरोधी अभियानों में इस यूनिट के काम की हमेशा सराहना की गई है। बटालियन में तैनात वीर बिहारी सैनिकों के अदम्य साहस और शौर्य के चलते इसे कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। इनमें 2013 का थल सेनाध्यक्ष यूनिट प्रशस्ति पत्र, 2000 का जीओसी-इन-सी उत्तरी कमान यूनिट प्रशंसा पत्र, 1 कीर्ति चक्र, 6 शौर्य चक्र, 28 सेना मेडल और 84 प्रशस्ति पत्र शामिल हैं। इसके अलावा, बटालियन को 'सरताज ट्रॉफी' मिलने के साथ ही 2013 में सबसे अच्छी राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन का दर्जा भी मिल चुका है। स्थापना दिवस के अवसर पर रेजिमेंट स्थित वीर स्मृति स्थल पर एक विशेष श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। रेजिमेंट के समादेष्टा ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोरा ने 'कर्नल ऑफ द बिहार रेजिमेंट' की ओर से अमर शहीदों को नमन किया। इस दौरान रेजिमेंट के दंडपाल लेफ्टिनेंट कर्नल अंकुर कुमार मिश्रा, सूबेदार मेजर नारायण प्रधान, सूबेदार संजय सिंह सहित कई जेसीओ और अन्य सैन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने शहीद नायकों की याद में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और पुष्प चक्र अर्पित किए। इस गरिमामयी आयोजन के दौरान सेना के बैंड ने 'वंदे मातरम' और रेजिमेंटल गीत सहित कई देशभक्ति की धुनें बजाकर पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

पटना के मसौढ़ी में रहमतगंज का मुख्य मार्ग बना 'डेंजर जोन'

10 दिनों से सड़क पर पड़े नाले के स्लैब से बढ़ी मुश्किलें

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मसौढ़ी रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण के कारण पहले से यातायात संकट झेल रहे मसौढ़ी शहर के लोगों की मुश्किलें नगर परिषद की लापरवाही ने और बढ़ा दी हैं। नगर परिषद क्षेत्र के रहमतगंज मोहल्ले में भूमिगत नाले का स्लैब हटाकर पिछले करीब दस दिनों से सड़क पर ही छोड़ दिया गया है। इससे यह मुख्य मार्ग डेंजर जोन और रुकावट का केंद्र बन गया है। आरओबी निर्माण के चलते शहर का मुख्य मार्ग पहले से ही प्रभावित है, ऐसे में रहमतगंज की यह सड़क पटना, गया और सरकारी कार्यालयों के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग थी। लेकिन नाले के स्लैब हटे होने के कारण यह सड़क काफी संकीर्ण और खतरनाक हो गई है। यहां से छोटे चारपहिया वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। हैरानी की बात यह है कि सड़क पर पड़े इन स्लैब के पास न तो कोई बैरिकेडिंग की गई है और न ही चेतावनी संकेतक लगाया गया है। इसके चलते बाइक सवार, स्कूली बच्चे और महिलाएं हर दिन जान जोखिम में डालकर गुजरने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस दौरान किसी मरीज को अस्पताल ले जाना पड़े या एंबुलेंस व अग्निशमन वाहन को गुजरना पड़े, तो भारी परेशानी खड़ी हो सकती है। लोगों की लगातार शिकायतों के बावजूद पिछले 10 दिनों से स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस संबंध में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राजू रंजन ने बताया कि इस सड़क का निर्माण बहुत जल्द बुडको के माध्यम से कराया जाना है। नाले का पुराना स्लैब टूटने और सफाई के लिए उसे हटाने की बात कहते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले को 'दिखवा लेते हैं'। फिलहाल, स्थानीय लोगों ने मांग की है कि सड़क पर पड़े स्लैब को तुरंत हटाया जाए ताकि आवागमन सुचारू हो सके।

पटना सिटी में 22 हजार प्रतिबंधित इंजेक्शन और कफ सिरप बरामद, एक धंधेबाज गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के सुल्तानगंज थाना पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए किराए के मकान में भारी मात्रा में भंडारण कर रखे गए प्रतिबंधित इंजेक्शन और कफ सिरप बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

एएसपी राजकिशोर सिंह ने बताया कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ निरंतर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सुल्तानगंज थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गुलबी घाट श्मशान गली के पास स्कूटी से प्रतिबंधित कफ सिरप ले जाया जा रहा है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्कूटी सवार चौक थाना क्षेत्र के हाजीगंज निवासी आदित्य कुमार उर्फ दिलीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद उसने खानमिर्जा स्थित अपने किराए के मकान में प्रतिबंधित दवाओं का भंडारण करने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने उक्त मकान में छापेमारी कर 11 पेटियों में रखे 22 हजार पीस प्रतिबंधित इंजेक्शन और दो कार्टन में रखे 406 पीस प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किए। इसके अलावा मौके से बिक्री के 9,945 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और स्कूटी भी जब्त की गई।थानाध्यक्ष कमलेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दिलीप के खिलाफ सुल्तानगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा, उसके खिलाफ चौक थाने में पहले से भी दो मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर इस अवैध धंधे से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है। इस सफल छापेमारी दल में दारोगा अखिलेश कुमार, पूजा कुमारी, मनीष कुमार समेत कई अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पटना के मसौढ़ी सब्जी मंडी में नाबालिग युवक ने युवती की मांग में भरा सिंदूर, बीच बाजार मचा हंगामा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मसौढ़ी नगर मुख्यालय स्थित सब्जी मंडी में शुक्रवार दोपहर बाद उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक नाबालिग प्रतीत हो रहे युवक ने भीड़भाड़ के बीच हम उम्र की एक युवती की मांग में अचानक सिंदूर भर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है (हालांकि समाज जागरण इसकी पुष्टि नहीं करता)। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद पूरे बाजार में सनसनी फैल गई और भारी भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों के बीच पिछले कुछ महीनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सब्जी मंडी में आमने-सामने आने के बाद युवक ने अचानक जेब से सिंदूर निकालकर यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही युवती के परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजनों का आरोप है कि युवक पहले से शादीशुदा है और उसकी एक बच्ची भी है, जो एक अन्य लड़की का भविष्य बर्बाद कर रहा है। परिजन जब युवती को डांटते हुए जबरन ले जाने लगे, तो विवाद बढ़ गया और बीच सड़क पर मारपीट की नौबत आ गई। हालांकि, स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामले को शांत कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवती युवक के साथ रहने की जिद पर अड़ी हुई थी। करीब आधे घंटे तक चले इस हंगामे के बाद दोनों पक्षों के लोग वहां से चले गए। पुलिस को इस मामले में कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है।

किशोरावस्था से जुड़े इस संवेदनशील मामले ने समाज के सामने बच्चों की परवरिश, पारिवारिक संवाद और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

"ठेकेदारी खत्म करो, 25 हजार मानदेय दो" - सफाईकर्मियों ने मसौढ़ी नगर परिषद गेट पर शुरू किया अनिश्चितकालीन आंदोलन

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ सफाईकर्मियों की राज्यव्यापी हड़ताल का असर अब मसौढ़ी नगर परिषद में भी पूरी तरह दिखने लगा है। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सैकड़ों संविदा सफाईकर्मियों ने नगर परिषद के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया है। हाथों में झाड़ू और तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रहे कर्मियों ने मुख्य गेट को बंद कर दिया, जिसके चलते शनिवार को शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। कैलूचक, मलिकाना, दमड़ीचक, चंदापर, पटना रोड, जहानाबाद रोड और पूर्वी इलाकों में जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए हैं। नालियां जाम होने और सड़कों पर फैली गंदगी के कारण आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस आंदोलन की अगुवाई वीरूदा ने की, जिसमें राजू, इंदल, मंटू, मस्करी खातून, बिंदा डोम, कृष्णा डोम समेत बड़ी संख्या में महिला और पुरुष सफाईकर्मी शामिल हुए। आंदोलनकारी सफाईकर्मियों की मुख्य मांगों में ठेकेदारी प्रथा को पूरी तरह समाप्त कर सीधी नियुक्ति की व्यवस्था लागू करना और मानदेय बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रतिमाह करना शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वर्तमान में संविदा पर कार्यरत करीब 60-65 कर्मियों को मात्र 10 से 12 हजार रुपये ही मासिक वेतन मिल रहा है। इस महंगाई के दौर में इतने कम वेतन में परिवार चलाना असंभव हो गया है। कर्मियों का आरोप है कि उन्हें न तो नौकरी की सुरक्षा मिलती है, न ही रविवार या त्योहारों पर छुट्टी दी जाती है, और काम के दौरान वेतन से कटौती भी की जाती है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक शहर की सफाई का काम पूरी तरह ठप रहेगा और यह आंदोलन राज्यव्यापी निर्देश के तहत जारी रहेगा।

पटना में बैंक की लापरवाही से 4.95 लाख रुपये की साइबर ठगी

ग्राहक ने लगाई राशि वापसी की गुहार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फुलवारी शरीफ निवासी एक बैंक ग्राहक ने बैंक की गंभीर लापरवाही के कारण 4.95 लाख रुपये की साइबर ठगी का शिकार होने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने बैंक से ठगी गई राशि वापस करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता सुनील कुमार ने बताया कि उनकी दिवंगत मां स्व. चंद्रज्योति देवी के बचत खाते में साइबर फ्रॉड की आशंका को देखते हुए उन्होंने 17 जुलाई को ही बैंक की हेल्पलाइन पर सूचना देकर खाता फ्रीज करवा दिया था। इसके बाद, 27 जुलाई को वह पटना मेन शाखा पहुंचे और बैंक को लिखित आवेदन देकर खाता कुछ देर के लिए अनफ्रीज करने का अनुरोध किया, ताकि सारी रकम सुरक्षित खाते में ट्रांसफर की जा सके। आरोप है कि बैंक ने खाता तो अनफ्रीज कर दिया, लेकिन राशि ट्रांसफर करने से जुड़े उनके लिखित आवेदन पर तुरंत कार्रवाई नहीं की। इसका नतीजा यह हुआ कि उसी रात इंटरनेट बैंकिंग के जरिए नौ अलग-अलग अनधिकृत ट्रांजैक्शन करके खाते से कुल 4,95,500 रुपये उड़ा लिए गए। पीड़ित का कहना है कि यदि बैंक उनके अनुरोध पर समय रहते सतर्कता बरतता, तो यह नुकसान टल सकता था। उन्होंने बैंक की फ्रॉड मॉनिटरिंग सिस्टम पर भी सवाल उठाए हैं कि लगातार नौ संदिग्ध ट्रांजैक्शन होने के बावजूद कोई सुरक्षा हस्तक्षेप क्यों नहीं किया गया। घटना के अगले दिन यानी 28 जुलाई को पीड़ित ने बैंक के आंतरिक पोर्टल और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर इसकी आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल, पीड़ित न्याय और अपनी रकम की वापसी के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहा है।

पटना के मनेर में घर के बाहर से पांच मवेशी चुराकर पिकअप वैन से ले गए चोर सीसीटीवी में कैद हुई घटना

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मनेर थाना क्षेत्र के ब्यापुर-भुम्मा टोला गांव में चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। यहां अज्ञात चोरों ने एक घर के पास बंधे पांच मवेशियों को चुरा लिया और उन्हें पिकअप वैन पर लादकर फरार हो गए। इस घटना के सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और पीड़ित परिवार ने थाने में मामला दर्ज कराया है। पीड़ित सिकंदर कुमार ने मनेर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि उनके घर के पास मवेशी बंधे हुए थे, जिन्हें अज्ञात चोर चुरा ले गए। सुबह जब मवेशी अपनी जगह पर नहीं मिले, तो परिवार ने आसपास काफी खोजबीन की। इसी दौरान लोदीपुर गांव के पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली गई, जिसमें चोर एक पिकअप वैन पर उनके मवेशियों को लादकर ले जाते हुए साफ नजर आए। इसी फुटेज के आधार पर चोरी की इस पूरी वारदात का खुलासा हुआ। घटना की सूचना मिलने के बाद मनेर थाना पुलिस सक्रिय हो गई है। पुलिस पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चोरों की पहचान करने और पिकअप वैन का सुराग लगाने में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को दबोच लिया जाएगा और मवेशियों की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस घटना से स्थानीय पशुपालकों में असुरक्षा का माहौल है।

पटना के दानापुर से बुक की गई कैब पुनपुन में हथियार के बल पर लूटी चालक को उतारकर फरार हुए बदमाश

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर रेलवे स्टेशन से कैब बुक कर सवार हुए तीन हथियारबंद बदमाशों ने पुनपुन थाना क्षेत्र में चालक को पिस्तौल के बल पर बंधक बनाकर उसकी हुंडई कार लूट ली। यह दुस्साहसिक वारदात शुक्रवार देर रात डुमरी पुल के पास एनएच-22 पर हुई। बदमाश चालक को सड़क किनारे उतारकर कार समेत मसौढ़ी की ओर फरार हो गए। मामले में पीड़ित चालक ने पुनपुन थाने में तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पीड़ित चालक नीरज कुमार (नौबतपुर थाना क्षेत्र के अमरपुरा निवासी) ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे दानापुर स्टेशन पर तीन युवक यात्री के रूप में आए और संपतचक के बैरिया बस स्टैंड जाने के लिए कैब बुक की। रास्ते में बदमाशों ने पिस्तौल निकालकर उन्हें धमकाया और गाड़ी रुकवा ली। इसके बाद एक बदमाश खुद ड्राइविंग करने लगा, जबकि नीरज को गाड़ी में ही बैठाए रखा। बदमाश बिहटा-सरमेरा मार्ग से होते हुए पुनपुन पहुंचे और डुमरी पुल के पास एनएच-22 पर उन्हें नीचे उतारकर फरार हो गए।

घटना के बाद पीड़ित ने राहगीरों की मदद से डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। पुनपुन थानाध्यक्ष बेबी कुमारी ने बताया कि चालक के बयान पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है तथा लूटी गई कार व आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पटना में मतगणना के मद्देनजर बोरिंग रोड के कई मार्ग रहेंगे बंद यातायात पुलिस ने जारी किया रूट डायवर्जन

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ उपचुनाव-2026 की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। चुनाव परिणामों से जुड़ी लाइव अपडेट और आधिकारिक जानकारी के लिए आप बिहार निर्वाचन मुख्य निर्वाचन कार्यालय और भारत निर्वाचन आयोग पोर्टल के माध्यम से आधिकारिक निर्देश देख सकते हैं। सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सोमवार सुबह से मतगणना समाप्त होने तक विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया है। बोरिंग रोड चौराहा से एएन कॉलेज की ओर, मोहिनी मोड़ से सहदेव महतो मार्ग और पानी टंकी मोड़ से एएन कॉलेज की ओर सामान्य वाहनों का परिचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। राजापुर पुल से हड़ताली चौक और बेली बोरिंग रोड क्रॉसिंग तक तथा पाटलिपुत्र गोलंबर से एएन कॉलेज और पानी टंकी की ओर व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। शिवपुरी रेलवे क्रॉसिंग से एएन कॉलेज (दुर्गा मंदिर मोड़) तक का मार्ग आम यातायात के लिए बंद रहेगा। मतगणना अभिकताओं के वाहन बेली रोड, हड़ताली चौक और अटल पथ के रास्ते एएन कॉलेज के पीछे जाएंगे, जहां से उन्हें पैदल कॉलेज पहुंचना होगा। कुर्जी मोड़ और पाटलिपुत्र गोलंबर की ओर से आने वाले वाहनों की पार्किंग सहयोग अस्पताल के पास खाली मैदान में निर्धारित की गई है। बेली बोरिंग रोड की ओर से आने वाले अभ्यर्थियों के वाहन तपस्या मोड़ तक, जबकि कुर्जी-पाटलिपुत्र की ओर से आने वाले वाहन पानी टंकी मोड़ तक जा सकेंगे। मीडिया की ओबी वैन एएन कॉलेज के बाहर सड़क किनारे पार्क की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

दानापुर में तकियापर पुलिस चौकी के पास हार्डवेयर दुकान का ताला तोड़कर डेढ़ लाख की संपत्ति चोरी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ दानापुर के तकियापर पुलिस चौकी से महज कुछ ही दूरी पर बेखौफ चोरों ने शनिवार अहले सुबह एक हार्डवेयर दुकान को अपना निशाना बनाया। भैयाजी एंटरप्राइजेज नामक दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने करीब डेढ़ लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। इस संबंध में दुकान के मालिक व तकियापर निवासी अजय कुमार शर्मा ने स्थानीय थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित दुकानदार ने पुलिस को बताया कि जब वे शनिवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे, तो उन्होंने शटर का ताला टूटा हुआ पाया और अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने पर पता चला कि शनिवार भोर में करीब 1:30 से 2:30 बजे के बीच तीन चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने रोष प्रकट करते हुए आरोप लगाया है कि इलाके में अवैध गतिविधियों और नशे के कारोबार पर पुलिस अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। वहीं, थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा कर रही है।

पटना में चेहल्लुम पर जुलूसों की ड्रोन से होगी निगरानी

मजिस्ट्रेट और पुलिस बल होंगे तैनात: डीएम

पटना/ आगामी चेहल्लुम के अवसर पर राजधानी में विधि-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए डीएम कुंदन कुमार और एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में अधिकारियों को पूरी सजगता और सतर्कता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस के किसी भी प्रकार का जुलूस निकालने पर पूरी तरह रोक रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए सभी जुलूसों की निगरानी ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जाएगी। इसके अलावा, जुलूस के साथ मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी भी तैनात रहेंगे।एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने सभी एसडीपीओ को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि संबंधित थानाध्यक्ष जुलूस के प्रारंभिक स्थल से लेकर समाप्ति स्थल तक साथ रहें। संवेदनशील और चिह्नित स्थलों पर रैपिड एक्शन फोर्स (फ्अत्रः) और क्विक रिस्पांस टीम की तैनाती की जाएगी। विद्युत विभाग को जुलूस के मार्ग में लटके बिजली के तारों को ठीक करने तथा आवश्यकतानुसार पेड़ों की टहनियों की कटाई-छटाई समय पर पूरा करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, साइबर सेल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है

योगी सरकार की गो संरक्षण नीति से निकला गो सेवा के साथ रोजगार का नया रास्ता

- सीएम योगी की प्रेरणा से बड़े उद्यमी गो संरक्षण से जुड़ रहे, देसी गायों के दूध पर आधारित उत्पादों की देश-विदेश में बढ़ी मांग

- यूपी की देसी गायों के जरिए विदेशों तक फैला करोड़ों का कारोबार, बड़े पैमाने पर मिल रहा रोजगार

- अमेरिका, जापान समेत अनेक देशों के नागरिकों को उपलब्ध कराए जा रहे देसी गायों के दूध से बने उत्पाद

समाज जागरण

लखनऊ, 01 अगस्त : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गो संरक्षण नीति ने उत्तर प्रदेश में गो सेवा को रोजगार और उद्यमिता के नए मॉडल में बदल दिया है। यह व्यवस्था अब स्वरोजगार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और करोड़ों के कारोबार का मजबूत आधार बन रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से बड़े उद्यमी, इंजीनियर, सामाजिक संस्थाएं व अन्य लोग भी गो संरक्षण के क्षेत्र में उतर कर देसी गायों पर आधारित उत्पादों के जरिए नई आर्थिक संभावनाएं तैयार कर रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में गो सेवा के साथ रोजगार का नया रास्ता खुला है।

प्रदेश में देसी गायों के पंचगव्य, आयुर्वेदिक औषधियों, जैविक उत्पादों और पारंपरिक खाद्य सामग्री की मांग लगातार बढ़ी है। इन उत्पादों का बाजार अब केवल अपने प्रदेश या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, दुबई और यूरोप के कई देशों तक फैल चुका है। गो आधारित उद्योगों के विस्तार से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला है और ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्रोत तैयार हुए हैं।

योगी सरकार की नीति से बदली तस्वीर

उत्तर प्रदेश में गो संरक्षण को लेकर सरकार की नीति ने इस क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। गोवंश संरक्षण को जैविक खेती, स्वरोजगार, महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण उद्योग और स्वदेशी उत्पादों से जोड़ने का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। देसी नस्ल की गायों पर आधारित मॉडल में दूध, घी, गोमूत्र अर्क, पंचगव्य औषधियां, जैविक खाद, हर्बल उत्पाद और अन्य वैल्यू एडेड वस्तुओं के उत्पादन को बढ़ावा मिला है। इससे गोशालाएं केवल आश्रय स्थल नहीं रहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधि के केंद्र के रूप में भी उभर रही हैं।

बदलती उपभोक्ता पसंद और प्राकृतिक उत्पादों की मांग ने भी इस क्षेत्र को नई ताकत दी है। अ2 दूध, बिलौना घी और पंचगव्य आधारित उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता ने उद्यमियों को आकर्षित किया है। कई संस्थाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंच बना रही है। इससे उत्तर प्रदेश के गो आधारित उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने लगे हैं।

सीएम योगी की प्रेरणा से सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने गाजियाबाद में चुना नया रास्ता

करीब डेढ़ दशक तक विदेशी कंपनियों के लिए काम करने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर असीम रावत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से गो संरक्षण के क्षेत्र में कदम रखा। गाजियाबाद स्थित उनकी संस्था 'हेता ऑर्गेनिक' आज देसी गायों के संरक्षण के साथ करीब 10 करोड़ रुपये का सालाना कारोबार कर रही है। यह संस्था केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि वृद्ध गोवंश को भी आश्रय देती है और उनकी नियमित देखभाल करती है।

यहां देशी गायों के दूध से 150 से अधिक प्रकार के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इनमें अ2 बिलौना घी, ब्राह्मी घृत, पंचगव्य घृत, देसी गाय का दूध, कुकीज, लड्डू, शतधौत घृत, हेल्दी मिठाइयां, स्नैक्स, हर्बल चाय, पेय पदार्थ तथा स्किन और हेयर केयर उत्पाद शामिल हैं। असीम रावत का उदाहरण बताता है कि योगी सरकार की प्रेरणा और नीति-समर्थन से गो संरक्षण को आधुनिक प्रबंधन और बाजार के साथ जोड़कर बड़े कारोबार में बदला जा सकता है।

वाराणसी में सुरभि शोध संस्थान बना गो सेवा और आजीविका का केंद्र

वाराणसी स्थित सुरभि शोध संस्थान भी इस दिशा में बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। कारोबारी एवं समाजसेवी सूर्यकांत जालान की गोशालाएं लखनऊ, वाराणसी, मीरजापुर, दिल्ली सहित कई स्थानों पर संचालित हैं। यहां 28,000 से अधिक गोवंश हैं। यहां गोबर और गोमूत्र का उपयोग जैविक खेती और विभिन्न उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

संस्थान ने एक हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है। यहां काम करने वाले लोग गो आश्रय स्थलों में रहकर गो सेवा के साथ अपनी आजीविका भी चला रहे हैं। यह मॉडल बताता है कि गो संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार और उत्पादन से भी जोड़ा जा सकता है।

बुलंदशहर के पर्यावरण इंजीनियर ने खड़ा किया सफल मॉडल

बुलंदशहर निवासी पर्यावरण इंजीनियर पराग गौड़ भी गो संरक्षण के क्षेत्र में सफल उद्यमी के रूप में उभरे हैं। लगभग 70 देसी गायों के माध्यम से वे दूध, घी, विशेष प्रकार के च्यवनप्राश समेत अन्य उत्पाद तैयार करते हैं। उनका सालाना कारोबार करीब सवा करोड़ रुपये का है। इस उद्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार भी पैदा हुआ है और गो आधारित उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। यह मॉडल इस बात का उदाहरण है कि गो सेवा, स्वदेशी परंपरा और ग्रामीण उद्यमिता को एक साथ जोड़कर आर्थिक सफलता हासिल की जा सकती है।

योगी सरकार का जोर देसी नस्ल और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि योगी सरकार उन्नत और उच्च उत्पादकता वाली देसी नस्ल की गायों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रोत्साहन दे रही है। उनका कहना है कि गो संरक्षण को आजीविका, जैविक/प्राकृतिक खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़कर राज्य में नए अवसर पैदा किए जा रहे हैं। इससे गो सेवा के साथ रोजगार और उद्यमिता के नए रास्ते खुल रहे हैं।

बेसिक-माध्यमिक शिक्षा विभाग में 22 दिनों में 5.23 लाख से अधिक शिक्षक-कार्मिकों ने पूरी की ई-केवाईसी

- मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना को मिली रिकॉर्ड रफ्तार, 42% शिक्षक-कार्मिकों की पूरी हुई ई-केवाईसी

- उच्च शिक्षा विभाग में शुभारंभ के मात्र चार दिनों में लगभग 47% लाभार्थियों का हुआ ई-केवाईसी

- तीनों शिक्षा विभागों के 12.89 लाख पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने के लिए मिशन मोड में अभियान

समाज जागरण

लखनऊ, 1 अगस्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को नई मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के क्रियान्वयन में रिकॉर्ड गति हासिल की है। 8 जुलाई को वाराणसी से बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए योजना के शुभारंभ के मात्र 22 दिनों में लगभग 42 प्रतिशत पात्र शिक्षक-कार्मिकों की ई-केवाईसी पूरी कर ली गई है। इसी क्रम में 26 जुलाई को आगरा से उच्च शिक्षा विभाग के लिए योजना शुरू होने के मात्र चार दिनों में ही लगभग 47 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है। ई-केवाईसी पूर्ण होने के बाद लाभार्थियों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में 20 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसके बाद प्रदेश सरकार ने योजना का प्रारूप, पोर्टल, सूचीबद्ध अस्पतालों की व्यवस्था तथा अन्य विभागीय तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी कीं। घोषणा के मात्र 138 दिनों के भीतर 8 जुलाई को वाराणसी से मुख्यमंत्री ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ कर दिया। इसके 18 दिन बाद 26 जुलाई को आगरा से उच्च शिक्षा विभाग को भी योजना के दायरे में शामिल कर लिया गया। कम समय में मिली यह प्रगति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और शासन स्तर पर की जा रही सतत निगरानी का प्रमाण है।

तीनों शिक्षा विभागों के कुल 12,89,018 पात्र शिक्षक-कार्मिकों में से 5,40,878 शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और उनके आश्रित ई-केवाईसी पूरी कर मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना से जुड़ चुके हैं। योजना का उद्देश्य प्रदेश के शिक्षा परिवार को सुदृढ़ स्वास्थ्य सुरक्षा कवच उपलब्ध कराना है। यही कारण है कि सरकार इसे मिशन मोड में लागू करते हुए कम समय में अधिकतम पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

बेसिक शिक्षा विभाग में सबसे अधिक लाभार्थियों ने पूरी की प्रक्रिया

बेसिक शिक्षा विभाग में योजना के अंतर्गत 11,03,464 पात्र शिक्षक-कार्मिकों को शामिल किया गया है। इनमें से अब तक 4,57,390 लाभार्थियों ने ई-केवाईसी पूरी कर ली है। विभागीय स्तर पर प्रत्येक जनपद में अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है ताकि सभी पात्र शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और उनके आश्रित समयबद्ध रूप से योजना से जुड़ सकें।

माध्यमिक शिक्षा विभाग में भी तेजी से बढ़ रहा अभियान

माध्यमिक शिक्षा विभाग में 1,47,543 पात्र लाभार्थियों में से 65,754 शिक्षक-कार्मिकों की ई-केवाईसी पूरी हो चुकी है। विभागीय अधिकारियों को संस्थानवार प्रगति की निगरानी तथा शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

उच्च शिक्षा विभाग ने चार दिनों में दिखाई तेज गति

26 जुलाई को आगरा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उच्च शिक्षा विभाग को योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने के बाद अभियान ने तेज रफ्तार पकड़ी है। विभाग के 38,011 पात्र लाभार्थियों में से मात्र चार दिनों के भीतर 17,734 लाभार्थियों ने ई-केवाईसी पूरी कर ली है। यह कुल पात्र लाभार्थियों का लगभग 47 प्रतिशत है, जो योजना के प्रति तेजी से बढ़ते जुड़ाव को दशार्ता है।

मिशन मोड में चल रहा है अभियान

महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभाग व शासन स्तर पर निरंतर समीक्षा की जा रही है। सभी जिलों और शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक पात्र शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा उनके आश्रित की ई-केवाईसी समयबद्ध रूप से पूर्ण कराई जाए। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी पूर्ण होने के बाद लाभार्थियों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी।

आस्था का ज्वार: शिवालयों की घंटियों संग गूंजा बम-बम भोले

- प्रदेश के मंदिरों में सजी भक्ति की अनूठी छटा, योगी सरकार की चाक-चौबंद व्यवस्था

-बाजारों में शिवभक्तों की रौनक, जगह-जगह सेवा शिविरों में कांवड़ियों का भव्य स्वागत

समाज जागरण

लखनऊ, 1 अगस्तः कांवड़ यात्रा शुरू होने के साथ ही शिव मंदिरों में घंटियों की गूंज और 'हर-हर महादेव' के जयघोष ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया है। हरिद्वार, कछला घाट और गंगोत्री जैसे तीर्थों से गंगाजल लेकर निकले शिवभक्त पैदल, दौड़ते हुए और कलश सजाकर अपने-अपने आराध्य शिवालयों की ओर बढ़ रहे हैं। यह यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं, बल्कि सनातन आस्था, अनुशासन और सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण बन चुकी है। मंदिर सजे हुए हैं और परिसर में घंटों की आवाज के साथ बम-बम भोले की गूंज है।

आस्था की धारा हर वर्ष होती जा रही अधिक विराट

प्रदेश के शिव मंदिर—चाहे वह काशी विश्वनाथ हों, अयोध्या के नागेश्वरनाथ हों या फिर छोटे कस्बों के प्राचीन शिवालय, हर वर्ष सावन में कांवड़ियों के जयघोष से गूंज उठते हैं और इस बार भी गूंज रहे हैं। शासन-प्रशासन की व्यवस्थाओं, व्यापारियों के उत्साह और श्रद्धालुओं की अटूट भक्ति ने मिलकर कांवड़ यात्रा को न केवल धार्मिक आस्था का सबसे बड़ा उत्सव बना दिया है, बल्कि यह सामाजिक एकता, अनुशासन और सांस्कृतिक गौरव का भी प्रतीक बन चुकी है। बदलते समय के साथ भले ही कांवड़ का स्वरूप बदला हो, लेकिन भगवान शिव के प्रति भक्तों का समर्पण आज भी उतना ही अटूट और जीवंत है। यही वजह है कि अयोध्या, काशी, प्रयागराज, मेरठ, सहारनपुर के छोटे-बड़े सभी मंदिरों में शिव भक्तों की भीड़ है।

योगी सरकार का सुरक्षा और संवाद मॉडल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस बार कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पूरे बरेली जोन सहित नौ जिलों में एक नया संवाद मॉडल एक साथ लागू किया जा रहा है। इसके तहत 19 बिंदुओं पर पुलिस प्रशासन सीधे जनता और धर्मगुरुओं से संवाद कर रहा है, ताकि यात्रा के दौरान किसी तरह की अफवाह या असामाजिक तत्वों को पनपने का मौका न मिले। सड़क सुरक्षा के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। पहले सोमवार को कांवड़ियों का महाजत्था हरिद्वार और कछला घाट के लिए रवाना होगा, जिसमें हजारों शिवभक्त शामिल होंगे। कांवड़ मार्गों पर विश्राम स्थल, पथ प्रकाश और सेवा शिविरों की व्यवस्था भी सरकार की ओर से सुनिश्चित की जा रही है, जिससे रात्रि में भी यात्रा निर्बाध रूप से जारी रह सके।

बाजारों में रौनक, महादेव के स्लोगन वाली टी शर्ट युवाओं की पसंद

कांवड़ यात्रा की दस्तक के साथ ही मेरठ सहित प्रदेश भर के बाजार भगवामय हो उठे हैं। दुकानों पर महादेव के आकर्षक स्लोगन वाली टी-शर्ट युवाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं, जिनमें 'काल उसका क्या करे, जो भक्त हो महाकाल का' जैसे संदेश खास आकर्षण का केंद्र हैं। 80 रुपये से लेकर 500 रुपये तक की टी-शर्ट के साथ भगवा गमछे, वाटरप्रूफ मोबाइल कवर और हॉफ पैंट की बिक्री भी तेजी से बढ़ी है। इसके अलावा जलाभिषेक के लिए उपयोग होने वाले सजावटी स्टील कलश और पूजन सामग्री की मांग में भी उछाल देखने को मिल रहा है।

1500 करोड़ की अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार

आस्था के इस महापर्व से कारोबार को भी नई गति मिलती है। व्यापारिक अनुमानों के मुताबिक इस बार कांवड़ यात्रा से प्रदेश भर में करीब 1500 करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, जबकि अकेले मेरठ में ही करीब 300 करोड़ रुपये के कारोबार की संभावना जताई जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि यात्रा शुरू होते ही बाजार में और तेजी आने की उम्मीद है।

रूफटॉप सोलर ऊर्जा: देश में लखनऊ का पहला स्थान, शीर्ष 100 में उत्तर प्रदेश के 17 जनपद

- प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने में योगी सरकार ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

- लखनऊ 1,24,167 रूफटॉप सोलर संयंत्रों के साथ लगातार देश का नंबर-1 जनपद

- वाराणसी देश में 10वें तथा कानपुर नगर 14वें स्थान पर

- देश के शीर्ष 15 जनपदों में उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी एवं कानपुर नगर शामिल

समाज जागरण

लखनऊ, 1 अगस्त। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में एक ओर उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने के अभियान में प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के शीर्ष 100 जनपदों की सूची में अपने 17 जनपदों को शामिल कराया है। यह उपलब्धि न केवल प्रदेश में सौर ऊर्जा के तेजी से बढ़ते विस्तार को दशार्ती है, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में उत्तर प्रदेश की मजबूत प्रगति का भी प्रमाण है।

इस दौरान यूपी नेडा डायरेक्टर रविन्दर सिंह ने बताया कि इस सूची में राजधानी लखनऊ में 1,24,167 रूफटॉप सोलर संयंत्रों के स्थापना के साथ-साथ देश का नंबर-1 जनपद बनने का गौरव बरकरार रखा है। लखनऊ में बड़ी संख्या में घरों, द्वारा रूफटॉप सोलर अपनाए जाने से यह उपलब्धि संभव हुई है। वहीं, वाराणसी ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश में 10वां स्थान प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में सौर ऊर्जा को लेकर चल रहे अभियान का सकारात्मक असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इसके अलावा कानपुर नगर 14वें स्थान पर पहुंचकर प्रदेश के औद्योगिक शहरों में हरित ऊर्जा अपनाने की दिशा में नई मिसाल पेश कर रहा है।

प्रदेश के 17 जनपदों का देश के शीर्ष 100 जिलों में शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश में रूफटॉप सोलर को लेकर जागरूकता, सरकारी प्रोत्साहन और योजनाओं का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं, विशेषकर प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना, के प्रभावी क्रियान्वयन से लाखों उपभोक्ता सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं। रूफटॉप सोलर संयंत्रों के विस्तार से लोगों को बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत हो रही है, साथ ही अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर आर्थिक लाभ प्राप्त करने का अवसर भी मिल रहा है। इससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ कार्बन उत्सर्जन में कमी और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिल रही है।

उत्तर प्रदेश लगातार देश में रूफटॉप सोलर स्थापना की रफ्तार बढ़ा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा जनजागरूकता अभियान, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाना, समयबद्ध स्वीकृति, डिस्कॉम और संबंधित एजेंसियों के बेहतर समन्वय तथा सब्सिडी वितरण की प्रभावी व्यवस्था ने इस अभियान को नई गति दी है। जिस गति से उत्तर प्रदेश में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो रहे हैं, उससे आने वाले समय में प्रदेश देश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा। देश के शीर्ष 100 जनपदों में 17 जिलों की मौजूदगी और लखनऊ का लगातार नंबर-1 स्थान, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उत्तर प्रदेश हरित ऊर्जा क्रांति का नेतृत्व कर रहा है।

यूपी को कर हिस्सेदारी के अग्रिम भुगतान पर सीएम योगी ने जताया पीएम मोदी का आभार

- 19,208 करोड़ रुपए के अग्रिम भुगतान पर सीएम ने केंद्रीय वित्त मंत्री को भी धन्यवाद दिया

- समय पर मिला यह सहयोग सहकारी संघवाद की भावना को प्रतिबिंबित करता है: मुख्यमंत्री

समाज जागरण

लखनऊ, 01 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति उत्तर प्रदेश को करों के बंटवारे (टैक्स डिवोल्यूशन) की अग्रिम किस्त के रूप में 19,208 करोड़ रुपए जारी किए जाने पर आभार व्यक्त किया।

सीएम योगी ने एक्स पर लिखा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का उत्तर प्रदेश को करों के बंटवारे (टैक्स डिवोल्यूशन) की अग्रिम किस्त के रूप में ₹19,208 करोड़ जारी किए जाने पर हार्दिक आभार। समय पर मिला यह सहयोग सहकारी संघवाद की भावना को प्रतिबिंबित करता है।

सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार के इस कदम से राज्य की वित्तीय क्षमता और सुदृढ़ होगी तथा विकास कार्यों, आधारभूत संरचना के निर्माण और जनकल्याणकारी पहलों को नई गति मिलेगी। हम सभी मिलकर एक अधिक सशक्त और समृद्ध उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

'कैच द रेन-2026' अभियान में ओडिशा की बड़ी पहल, 905 वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण संरचनाएं तैयार

जन-जागरूकता, तालाबों के जीर्णोद्धार और भूजल संरक्षण के जरिए जल सुरक्षा को मिल रही नई मजबूती

समाज जागरण नई दिल्ली/भुवनेश्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' के 135वें एपिसोड में वर्षा जल की प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने के आह्वान के बाद ओडिशा ने 'कैच द रेन-2026' अभियान के तहत जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दे दिया है। राज्य में वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

राज्य सरकार ने जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन पर विशेष ध्यान देते हुए अब तक 968 सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) गतिविधियों का आयोजन किया है। इनमें नुक्कड़ नाटक, लोक प्रदर्शन, सामुदायिक संवाद और वर्षा जल संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। सबसे अधिक गतिविधियां खुर्दा जिले में आयोजित की गईं, जबकि अंगुल, कटक, केंद्रपाड़ा, जाजपुर, सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, नबरंगपुर, सुबर्णपुर, मयूरभंज, नयागढ़, पुरी और गंजम जिलों में भी अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला।

अभियान में स्कूलों और कॉलेजों की भी सक्रिय भागीदारी रही। विद्यार्थियों को भूजल विज्ञान, जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन की तकनीकों की जानकारी देकर उन्हें भविष्य का 'जल राजदूत' बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जागरूकता के साथ-साथ राज्य में जल संरक्षण के ठोस परिणाम भी सामने आए हैं। अब तक 905 वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण पूरा हो चुका है। इनमें 849 रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग (आरआरडब्ल्यूएच) संरचनाएं और 56 भूजल पुनर्भरण शाफ्ट शामिल हैं। सबसे अधिक संरचनाएं गंजम जिले में बनी हैं, जबकि खुर्दा, मयूरभंज, कटक, संबलपुर, सुंदरगढ़, केंद्रपाड़ा और अन्य जिलों में भी बड़े पैमाने पर कार्य हुआ है।

राज्य सरकार ने पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण को भी प्राथमिकता दी है। सभी 30 जिलों में 98 तालाबों के जीर्णोद्धार एवं गाद निकासी का कार्य शुरू किया गया है। इससे जल भंडारण क्षमता बढ़ने के साथ सिंचाई, भूजल पुनर्भरण और ग्रामीण जल सुरक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भारत-रवांडा ने व्यापार और निवेश बढ़ाने पर बनाई रणनीति, संयुक्त व्यापार समिति की पहली बैठक संपन्न

महत्वपूर्ण खनिज, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल तकनीक और कृषि सहयोग पर विशेष जोर

समाज जागरण नई दिल्ली

भारत और रवांडा ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को नई गति देने के उद्देश्य से 30-31 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में भारत-रवांडा संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की पहली बैठक आयोजित की। दोनों देशों ने व्यापार में विविधता लाने, निवेश बढ़ाने तथा बाजार पहुंच से जुड़ी बाधाओं को दूर करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव अमित कुमार ने किया, जबकि रवांडा की ओर से विदेश मामलों एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के एशिया, प्रशांत एवं मध्य पूर्व मामलों के महानिदेशक वर्जिल रवान्यागाटारे ने प्रतिनिधित्व किया।

बैठक का उद्घाटन करते हुए वाणिज्य विभाग के अपर सचिव यशवीर सिंह ने कहा कि यह संयुक्त व्यापार समिति दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और लॉजिस्टिक्स से जुड़े मुद्दों की नियमित समीक्षा के लिए एक स्थायी एवं संरचित मंच प्रदान करेगी।

बैठक में दोनों देशों के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार की समीक्षा की गई। भारत से रवांडा को मुख्य रूप से दवाइयां, जैविक उत्पाद, दोपहिया एवं तिपहिया वाहन, औद्योगिक मशीनरी, तेल खली तथा लौह-इस्पात उत्पाद निर्यात किए जाते हैं। वहीं रवांडा से भारत को सीसा, मसाले, आवश्यक तेल, तांबा, कीमती एवं अर्ध-कीमती पत्थर, कृषि प्रसंस्कृत उत्पाद तथा खनिजों का निर्यात होता है।

भारत ने फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग उत्पाद, वस्त्र, समुद्री उत्पाद, प्लास्टिक, खेल सामग्री, खिलौने, रत्न-आभूषण और वैज्ञानिक उपकरणों के निर्यात में विस्तार की संभावनाएं बताईं। वहीं रवांडा ने कॉफी, चाय, एवोकाडो, मिर्च, मैकाडामिया, फ्रेंच बीन्स, आवश्यक तेल, बागवानी उत्पाद, खनिज और कीमती पत्थरों को भारत के लिए प्रमुख निर्यात उत्पाद बताया।

बैठक में दोनों देशों ने भारतीय मानक ब्यूरो और रवांडा मानक बोर्ड के बीच सहयोग बढ़ाने तथा गुणवत्ता मानकों के सामंजस्य पर भी सहमति व्यक्त की।

निवेश सहयोग के तहत रवांडा ने बताया कि वर्ष 2025 तक भारत उसका दूसरा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है। खनन, कृषि-प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, किफायती आवास, पर्यटन, विनिर्माण और वित्तीय सेवाओं में निवेश की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। दोनों देशों ने 'इन्वेस्ट इंडिया' और 'रवांडा डेवलपमेंट बोर्ड' को निवेश संपर्क केंद्र के रूप में नामित करने पर भी सहमति बनाई।

बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों, विशेषकर टिन, टंगस्टन और टैंटलम के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, स्वास्थ्य एवं फार्मास्यूटिकल्स, पारंपरिक चिकित्सा, कृषि, कृषि-प्रसंस्करण, हरित गतिशीलता, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, फिनटेक, साइबर सुरक्षा तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया।

भारत ने भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी), 'स्टडी इन इंडिया' और 'स्किल इंडिया मिशन' के माध्यम से रवांडा के क्षमता निर्माण और तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को सहयोग देने की भी पेशकश की।

बैठक के अंत में दोनों देशों ने सहमति के कार्यवृत्त पर हस्ताक्षर किए तथा अगले वर्ष रवांडा में संयुक्त व्यापार समिति का दूसरा सत्र आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

आंध्र प्रदेश को 18 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात, पीएम मोदी बोले- 'स्वर्ण आंध्र' बनेगा विकसित भारत का ग्रोथ इंजन

नए एयरपोर्ट, सड़क, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, रेलवे और बंदरगाह परियोजनाओं से विकास को मिलेगी नई रफ्तार

समाज जागरण विशाखापट्टनम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश में लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं 'स्वर्ण आंध्र' के संकल्प को साकार करने के साथ-साथ विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नई परियोजनाओं में एयरपोर्ट, सड़क संपर्क, ऊर्जा सुरक्षा, रेलवे, बंदरगाह और औद्योगिक विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं, जो आंध्र प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई गति देंगे।

नए एयरपोर्ट का नाम अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि नए एयरपोर्ट का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा और जनसेवा की प्रेरणा मिलेगी।

आदिवासी संस्कृति की सराहना

कार्यक्रम के दौरान 13 हजार से अधिक आदिवासी महिलाओं एवं युवतियों द्वारा प्रस्तुत धीमसा नृत्य की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने इसे भारतीय जनजातीय संस्कृति का गौरव बताया और इस ऐतिहासिक प्रस्तुति के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

एविएशन क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 तक देश में केवल 74 परिचालित हवाई अड्डे थे, जबकि अब इनकी संख्या बढ़कर 166 हो गई है। उड़ान योजना के माध्यम से छोटे शहरों के लोगों को भी हवाई यात्रा का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि उड़ान योजना के दूसरे चरण पर लगभग 29 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

सड़क, रेलवे और बंदरगाह विकास पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि विशाखापट्टनम-रायपुर एक्सप्रेसवे सहित अनेक सड़क परियोजनाएं क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत कर रही हैं। राज्य में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है तथा पूरे रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। 70 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण भी किया जा रहा है।